शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● रविवार, 26 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 218

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.2	17.5
जमशेदपुर	28.6	16.0
डालटनगंज	16.2	11.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

किसने क्या कहा

- पीएम मोदी असंवेदनशील नेतृत्व से 14 दिनों से हमारे श्रमिक भाई कड़ाके की ठंड में सुरंग में फंसे हुए हैं. – **हेमंत सोरेन**
- तेलंगाना में जनता के प्यार और आशीर्वाद के बूते कांग्रेस एक मजबूत सरकार बनाने जा रही है.– **प्रियंका गांधी**
- हमारे पांच जवान कश्मीर में शहीद हो गए. रक्षा मंत्री तेलंगाना में वोट मांग रहे हैं.– **अलका लांबा**

ब्रीफ खबरें

सुरंग से अभी श्रमिकों को निकालने में समय लगेगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने शनिवार को कहा कि उत्तराखंड में सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए जारी बचाव अभियान में समय लग सकता है क्योंकि ऑगर मशीन में बार-बार खराबी आ रही है. अमेरिका से बुलाए गए विशेषज्ञों ने दावा किया है कि सुरंग की स्थिति बेहद जटिल है, जिससे ज्यादा समय लग सकता है.

पीएम मोदी ने तेजस विमान से भरी उड़ान

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तेजस विमान से उड़ान भरी और कहा कि इस अनुभव से देश की स्वदेशी क्षमताओं पर उनका भरोसा बढ़ा है. पीएम मोदी ने अपने पायलट अवतार पर कहा कि यह उनके जीवन का सबसे विशिष्ट अनुभव था. मुझे अपने देश की क्षमताओं पर गर्व है.

सौम्या हत्याकांड में 4 को उम्रकैद मिली

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की 2008 में हुई हत्या के मामले में शनिवार को चार दोषियों को आजीवन कारावास, जबकि पांचवें दोषी को तीन साल जेल की सजा सुनाई है. अदालत ने कहा कि यह मामला दुलर्भतम नहीं है, इस लिए हमने दोषियों को मौत की सजा नहीं सुनाई है.

राहुल की 'पनौती' वाली टिप्पणी 'शर्मनाक' : शाह

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'पनौती' संबंधी टिप्पणी को 'शर्मनाक' करार देते हुए कहा कि लोग आगामी विधानसभा चुनावों में इसका करारा जवाब देंगे. उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा सभी स्थानों पर जीत रही है.

कोचीन यूनिवर्सिटी में भगदड़, 4 की मौत

कोच्चि। केरल की कोचीन यूनिवर्सिटी में टेक फेस्ट के दौरान भगदड़ मच गई. राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि शनिवार को भगदड़ मचने से 4 छात्रों की मौत हो गई और 60 घायल हो गए. मरने वालों में 2 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं. यह हादसा एनुअल फंक्शन के दौरान हुआ.

कैसे मिटेगी भूख, बढ़ने वाली हैं खाद्य सामानों की कीमत

मिडिल क्लास पर आफत

संडे खास

तथ्य

- बीते 16 नवंबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर माह में दालों की थोक महंगाई दर बढ़ कर 19 .4 फीसद दर्ज की गई . सितंबर में यह आंकड़ा 17 .7 प्रतिशत था .
- 17 नवंबर तक देख में सिर्फ 65 .16 लाख हेक्टेयर भूमि में दलहन की बुआई हुई . जबकि पिछले साल इसी दौरान 69 .37 लाख हेक्टेयर भूमि पर बुआई की जा चुकी थी .
- तेलहन की बुआई भी 17 नवंबर तक 71 .74 लाख हेक्टेयर में हुई है, जबकि पिछले साल इस तारीख तक 73 .17 लाख हेक्टेयर भूमि पर बुआई हो चुकी थी .
- 15 नवंबर तक चावल की सरकारी खरीद 161 .13 लाख टन हुई . यह पिछले साल से 4 .4 प्रतिशत कम है . पिछले साल 15 नवंबर तक चावल की सरकारी खरीद 168 .75 लाख टन थी .
- कम बारिश होने की वजह से खेती के लिए उपलब्ध पानी में बड़ी कमी दर्ज की गई है .
- मॉनसून में देरी और अनियमित बारिश के कारण इस बार खरीफ की फसलों में बड़ी कमी दर्ज की गई है .
- कम बारिश होने और अक्टूबर नवंबर में गर्मी के कारण रबी की फसल लगाने में किसानों को इंतजार करना पड़ा है .
- मलेशिया और इंडोनेशिया पाम आयल के सबसे बड़े उत्पादक व निर्यातक हैं . भारत में खाने के तेल की कुल खपत का 65% आयात किया जाता है . इसमें करीब 50% पाम आयल ही होता है .

सुरजीत सिंह। रांची

ऊपर के तथ्य और आंकड़े साफ कह रहे हैं कि आने वाले महीनों में खाद्य सामानों की महंगाई से राहत नहीं मिलने वाली. उल्टे आंकड़े व तथ्य ये बता रहे हैं कि आफत बढ़ने वाली है. महंगाई तेज होने वाली है और खाने के समानों की कीमत में आग लगने वाली है. तमाम परिस्थितियां यही बता रहे हैं. यह खबर मिडिल क्लास के लिए कमर तोड़ने वाली है. क्योंकि गरीबों को सरकार देगी और अमीरों को फर्क नहीं पड़ता.

आंकड़ों के मुताबिक चावल, मूंग, उड़द, सोयाबीन, चीनी, मकई, मूंगफली की कीमत पहले से बढ़ी हुई है. ऊपर से इस साल इसकी उपज में बड़ी कमी दर्ज की गई है. उपज में कमी की वजह से इनकी कीमतों में बढ़ोतरी तय है. इससे भी बड़ी बात यह है कि खाद्य सामानों की महंगाई पर नियंत्रित करना सरकार के लिए मुश्किल होने वाला है.

आंकड़े के मुताबिक सरकार ने फसलों की जो कीमत तय की है, वह बाजार की कीमत से कम है. यही कारण है कि किसान सरकारी गोदाम में अनाज बेचने के बदले बाजार को बेच रहे हैं. अनाजों की सरकारी खरीद में कमी दर्ज की गई है. उल्लेखनीय है कि सरकार के पास जब किसी अनाज का पर्याप्त भंडार होता है, तब वह उसे कम कीमत में बाजार में बेच कर महंगाई को नियंत्रित करती है. लेकिन जब अनाज की खरीद ही कम होगी, तो सरकार के पास महंगाई पर नियंत्रण के विकल्प भी कम होंगे.

अनाज का नाम	वर्तमान कीमत
चावल	32 रु किलो
मूंग	96.72 रु किलो
उड़द	94.24 रु किलो
सोयाबीन	47.17 रु किलो
चीनी	40.77 रु किलो
कपास	69 रु किलो
मकई	21.47 रु किलो
मूंगफली	64.84 रु किलो

नोटः ये कीमत 24 नवंबर को गुलबर्गा मार्केट की है.

खरीफ की फसल में कमी

चावल	3.79 प्रतिशत
मूंग	18.3 प्रतिशत
उड़द	14.77 प्रतिशत
सोयाबीन	23.10 प्रतिशत
ईख (गन्ना)	11.36 प्रतिशत
कपास	5.97 प्रतिशत
मकई	5.03 प्रतिशत
मूंगफली	8.64 प्रतिशत

सरकारी कीमत से अधिक बाजार मूल्य

अनाज	सरकारी कीमत	बाजार मूल्य
मकई	2090 रु	2400 रु
धान	2203 रु	2400 रु
सोयाबीन	4600 रु	5000 रु
अरहर	7000 रु	10049 रु

नोटः कीमत प्रति क्विंटल है.

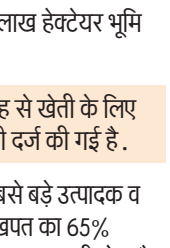

एक तथ्य यह है कि खरीफ की पैदावार कम हुई हैं, तो दूसरा तथ्य यह है कि रबी की फसल, यानी गेहूं और तेलहन की फसल भी कमजोर होने का अंदेशा है. 15 नवंबर को जारी रिपोर्ट से यही स्पष्ट होता है कि गेहूं और तेलहन की बुआई में कमी आयी है. इसका असर बाजार में गेहूं और खाने की तेल की कीमत पर होना तय है. एक और तथ्य यह कि दुनिया भर में सबसे अधिक खाद्य तेल का उत्पादन व निर्यात करने वाला देश मलेशिया व इंडोनेशिया में मौसम की वजह से फसल कमजोर होने का अनुमान है.

सतनाम वाहे गुरु...

गदका पार्टी : हैरतअंगेज करतब दिखाती राजधानी रांची के गुरुनानक स्कूल की छात्रा.

महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। सीबीआई ने भ्रष्टाचार निरोधक लोकपाल के निर्देश पर तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रारंभिक जांच दर्ज की है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों को लेकर महुआ मोइत्रा के खिलाफ एक शिकायत के साथ लोकपाल का रुख किया था. निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा पर मौद्रिक लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का भी आरोप लगाया है. लोकसभा की आचार समिति भी मोइत्रा पर लगे आरोपों की जांच कर रही है. सीबीआई ने एक प्रारंभिक जांच दर्ज की है जो यह पता लगाने की दिशा में पहला कदम है कि क्या आरोप पूर्ण स्तरीय जांच के योग्य है. प्रारंभिक जांच के दौरान यदि पर्याप्त प्रथम दृष्टया सामग्री मिलती है, तो सीबीआई इसे प्राथमिकी में बदल सकती है.

राजस्थान में पड़े 68% वोट, 3 को मतगणना

जयपुर। राजस्थान में विस की 199 सीट के लिए शनिवार को शाम 5 बजे तक 68 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ. मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है. दोनों ही दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी को जनादेश मिलने की उम्मीद जताई है. हिंसा की छिटपुट घटनाओं को छोड़ कर मतदान शांतिपूर्ण रहा. साल 2018 के विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल मतदान प्रतिशत 74.06 प्रतिशत रहा था. सीएम अशोक गहलोत ने जोधपुर में कहा कि कांग्रेस के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है और पार्टी राज्य में फिर से सरकार बनाएगी. उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि कोई 'अंडरकरंट' है. ऐसा लगता है कि (कांग्रेस) सरकार दोबारा बनेगी. पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में पत्रकारों से बातचीत में गहलोत के 'अंडरकरंट' वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं उनसे सहमत हूं. वास्तव में एक 'अंडर करंट' है लेकिन यह भाजपा के पक्ष में है. तीन दिसंबर को कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलेगा. अधिकारियों ने बताया कि शाम 5 बजे तक 68.24 प्रतिशत मतदान हुआ.

पाकुड़ में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन

बकाया मांगा तो मेरे पीछे लगा दिया ईडी

संवाददाता। पाकुड़

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होने पाकुड़ पहुंचे. यहां उनका आदिवासी रीति-रिवाज एवं परंपराओं के साथ कार्यक्रम स्थल बाजार समिति गोकुलपुर में भव्य स्वागत किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन सीएम हेमंत सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, विधायक प्रोफेसर स्टीफन मरांडी, सांसद विजय हांसदा, लिट्टीपाड़ा विधायक दिनेश विलियम मरांडी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष जूली खरीशट मनी हेंब्रम और जेएमएम पाकुड़ जिलाध्यक्ष श्याम यादव मौजूद थे. मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा हमेशा अगड़ा-पिछड़ा, आदिवासी- गैर आदिवासी को लड़वाने का काम करती आई है. लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा. भाजपा हमेशा से गलत प्रचार करती आ रही है. मैंने जैसे ही केंद्र सरकार से झारखंड का बकाया पैसा मांगना शुरू किया, मेरे पीछे ईडी-सीबीआई लगा दी गयी. मैं ईडी-सीबीआई से डरने वाला नहीं हूं. अगर मैंने गलत किया है, तो मुझे जेल में बंद कर दो. झारखंड सरकार गरीबों के सुख-दुख में आंसू पोछने वाली सरकार है.

-शेष पेज 10 पर

शिक्षा की स्थिति बेहतर करने में जुटी है सरकार

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की स्थिति को बेहतर करने में जुटी है. सरकारी स्कूल को ही निजी की तर्ज पर विकसित कर शिक्षा देना प्रारंभ किया. जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया. पूरे राज्य में 500 से अधिक कल्याण छात्रावासों की रिपेयरिंग एवं नया भवन बनाने का निर्णय लिया गया. पहले छात्राएं अपने घर से चावल एवं ईंधन लेकर हॉस्टल में रहती थीं. अपने से खाना बनानी थीं, जिससे आधा समय उनका भोजन बनाने में ही चला जाता था. अब वैसा नहीं होगा. झारखंड सरकार हॉस्टल में भोजन की व्यवस्था कर रही है.

केंद्र से नहीं मिल रही मदद

सीएम ने कहा कि हमने सरकार बनने के बाद सबसे पहले राज्य में ओल्ड पेंशन देने का काम शुरू किया. लेकिन केंद्र सरकार कोई मदद नहीं कर रही है. जिसके कारण पेट भरने के लिए हमारी सरकार ने 20 लाख अतिरिक्त हरा राशन कार्ड गरीबों को दिया.

जुमलेबाज केंद्र सरकार

सीएम ने कहा कि जहां-जहां चुनाव हैं, वहां केंद्र सरकार सिलिंडर के दाम 400 रुपए करने का वादा कर रही है और जैसे ही चुनाव समाप्त हो जाएगा, सिलिंडर का दाम 1200 हो जाएगा. गरीबों को उज्ज्वला के तहत एलपीजी सिलिंडर दिया गया था, आज वह घरों में शोभा की वस्तु बना हुआ है.

एक तरफ मुहानों की भराई, दूसरी ओर खुदाई

शुभम संदेश टीम। निरसा/झरिया

एक तरफ अवैध मुहानों की भराई दूसरी ओर धड़ल्ले से जारी है खुदाई. यही है निरसा विधानसभा क्षेत्र में कोयला तस्करी खेल की सच्चाई. पिछले एक सप्ताह से शुभम संदेश में लगातार कोयला तस्करी की खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद जिला पुलिस प्रशासन की नींद खुली.

वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने निरसा, मैथन व कालूबथान क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी की. छापेमारी में करीब 15 सौ टन कोयले की जब्ती भी हुई. आईवास के लिए मामले में कई लोगों को नामजद आरोपी भी बनाया गया, लेकिन किसी की भी गिरफ्तारी नही हुई. पुलिस की इस कार्यप्रणाली पर लोग उंगली उठाने लगें हैं. मजेदार बात यह है कि ग्रामीण एसपी के निर्देश पर निरसा के कापासारा में शुक्रवार से अवैध मुहानों की भराई तो शरू हो गयी, वहीं कालूबथान ओपी क्षेत्र के पलसिया जंगल मे दर्जनाधिक अवैध मुहानों से कोयला खनन कार्य बदस्तूर जारी है. बतातें चलें कि गुरुवार 23 नवंबर को कालूबथान ओपी क्षेत्र के लेदाहरिया गांव के समीप मुखिया अशोक महतो के सीएमआर भट्टा में वरीय पुलिस के निर्देश पर छापेमारी की गयी, जहां करीब एक हजार टन से अधिक कोयला पाया गया. कालूबथान ओपी प्रभारी द्वारा बताया गया कि संचालक द्वारा कागजात प्रस्तुत किया गया है. भट्ठा परिसर में रखा पाया गया कोयला वैध है या अवैध यह तो जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा.

-शेष पेज 10 पर

निरसा और झरिया में अवैध कोयला कारोबारियों की पौ-बारह

- कालूबथान के सीएमआर भट्ठे में जब्त कोयले की पुलिस ने जांच की कही थी बात, संचालक ने शुरू किया उठाव

मिशन - 2024 राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ही तय करेंगे अब कांग्रेस का भविष्य..?

बिहार की जमीन पर होगी कांग्रेस की अग्निपरीक्षा

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बिहार में अग्निपथ पर चल रही कांग्रेस के लिए मिशन 2024 अग्निपरीक्षा से कम नहीं. दरअसल सन 90 से लगातार अपना जनाधार खोती कांग्रेस अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है. अंदरूनी विवाद संगठन को दीमक की तरह चाट रहा है सो अलग. बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सियासी बिसात बिछाई जा रही है.

एनडीए ने अपने कुनबे में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) और जीतनराम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को शामिल कर सामाजिक समीकरण को अपने पक्ष में लाने की कोशिश की है. वहीं, महागठबंधन में राजद, जदयू, कांग्रेस, सीपीआई (एमएल), सीपीआई और सीपीएम मिला कर कुल छह दल शामिल हैं. ''हम'' पहले महागठबंधन का हिस्सा था, जो अब एनडीए का घटक दल है. एनडीए और महागठबंधन में शामिल सभी दलों का अपना बेस और कैडर वोट है, जो उनके अस्तित्व को बचाये हुए है. लेकिन, यहां सबसे अधिक ऊहापोह की स्थिति कांग्रेस की है. कांग्रेस के ''हाथ'' की बिहार में इतनी शक्ति नहीं की वह अपने बूते कोई करामात दिखा सके. एक समय था जब अगड़ी जातियां कांग्रेस की वोट बैंक हुआ करती थीं. मुस्लिम और दलित वर्ग के वोटों पर भी कांग्रेस की अच्छी पकड़ थी. वहीं, रामलखन सिंह यादव, रामजयपाल सिंह यादव, बुद्धदेव सिंह और प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद और डॉ. रामराज सिंह जैसे कद्दावर नेता भी थे, जिनकी पिछड़े वर्ग के वोटरों पर अच्छी पकड़ थी. लेकिन, स्थितियां बदली गयीं और वर्तमान में कांग्रेस का बेस वोट पूरी तरह खिसक चुका है. हालात यह है कि कांग्रेस को अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिए दूसरे दलों से गठबंधन कर उस पर निर्भर रहना राजनीतिक आवश्यकता सी बन गयी है. 2024 लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की और से महागठबंधन में नौ सीटों पर उम्मीदवार खड़े करने के दावे ठोके जा रहे हैं.

-शेष पेज 10 पर

- लालू प्रसाद ही तय करेंगे कांग्रेस का भविष्य ?
- वर्ष 90 से ही गिरता रहा है कांग्रेस का ग्राफ

चाल धंसी, महिला की मौत, मुआवजे की मांग

तेतुलामारी। बीसीसीएल एरिया पांच अंतर्गत तेतुलमारी कोलियरी में अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से महिला की मौत हो गयी. घटना शनिवार सुबह की है. महिला रैगुनी टाड़ की बतायी जाती है. हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया. महिला के साथ खनन में लगे लोगों ने मलबे से शव को बाहर निकाला वहां से भाग गये. हालांकि बाद में ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर शव के साथ धरने पर बैठे गए. मालूम हो कि अवैध खनन के कारण तेतुलामारी इलाके में पहले भी कई लोगों ने जान गंवायी है. बताया जाता है कि तेतुलामारी थाना क्षेत्र के वेस्ट मोदीडीह, पांडेडीह, चंदौर सहित अन्य इलाकों में डंके की चोट पर अवैध कोयला का कारोबार बदस्तूर जारी है.

बहरागोड़ा में पराली जलाने से फैल रहा क्षेत्र में प्रदूषण

संवाददाता। बहरागोड़ा

धान का कटोरा कहे जाने वाले बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में धान कटनी शुरू होते ही किसान पराली जलाना शुरू कर दिए हैं. इससे आसपास के क्षेत्र में तेजी से प्रदूषण फैल रहा है.

पहले किसान अपनी फसल खुद काटते थे तो फसल का बहुत थोड़ा हिस्सा खेतों में रहता था. जिसे जलाने की जरूरत नहीं होती थी. लेकिन पिछले कुछ सालों से धान की फसल की कटाई मशीनों से की जाती है. यह मशीन फसल का सिर्फ ऊपरी हिस्सा काटती है. बाकी का हिस्सा जमीन में ही रह जाता है, जो काफी ज्यादा बचता है. किसानों के पास दूसरी फसल की बुआई करने के लिए कम समय रहता है. ऐसे में इन पराली को वे काटने के बजाय जला देते हैं. हर साल अक्टूबर और नवंबर के महीनों में पराली जलाई जाती है, ताकि रबी की फसलें समय पर बोई जा सके. इसी जल्दबाजी में किसान फसल कटने के बाद बची हुई पराली को जला देते हैं. इससे काफी प्रदूषण फैलता है. पराली के धुएं से स्वास्थ्य संबंधी काफी समस्याएं भी हो रही हैं.

खास बातें

- मशीन से होती है कटाई, इस लिए जला देते हैं किसान
- देश में पराली जलाना गैरकानूनी, हो सकती है जेल

ब्रीफ खबरें

छात्रों के साथ मारपीट बर्दाश्त के काबिल नहीं

रांची। रामगढ़ के आरवी हाईस्कूल के छात्रों के साथ मरपीट की घटना की नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कड़ी निंदा की और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है. कहा कि राज्य में ऐसी घटना मान्य नहीं होगी. जिस तरह से एक विशेष समुदाय के लोग छोटे बच्चों के मन में तालिबानी सोच डालने का प्रयास कर रहे हैं, इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. ऐसे असामाजिक लोगों के खिलाफ गोलबंद होना चाहिए.

मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य को सौंपा मांग पत्र

रांची। आजसू छात्र संघ ने मारवाड़ी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार को मांग पत्र सौंपा. मांग पत्र मारवाड़ी कॉलेज के अध्यक्ष विशाल यादव के नेतृत्व में दिया गया है. मांग द्वारा मांगा गया है कि कॉलेज में नैक के सारे मापदंड को पूरा कर जल्द से जल्द से जल्द ऑटोनोमी के लिए आवेदन दे. अन्यथा आजसू छात्र हित मे आंदोलन के लिए बाध्य होगी. मौके पर मौजूद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा के नैक के सारे मापदंड को जल्द से जल्द पूरा कर के महाविद्यालय द्वारा ऑटोनॉमी वापस प्राप्त करने की हर संभव प्रयास की जा रही है बहुत जल्द ही मारवाड़ी कॉलेज को ऑटोनॉमी वापस मिल जाएगी.

आजसू छात्र संघ ने चलाया सदस्यता अभियान

रांची। रामलखन सिंह यादव कॉलेज में आजसू छात्र संघ ने सदस्यता अभियान चलाया. कुल 200 छात्रों ने आजसू की सदस्यता ली. सदस्यता अभियान की शुरुआत रांची विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने की. सदस्यता अभियान की शुरुआत करते हुए अभिषेक शुक्ला ने बताया कि आजसू के द्वारा सालों भर विवि के सभी कॉलेजों में छात्र हित में कई प्रकार की गतिविधियां संचालित की जाती हैं और जब कभी छात्रों की आवाज बुलंद करने या उनके लिए संघर्ष की आवश्यकता महसूस होती है तो आजसू अग्रणी रहता है.

राज्य सरकार बाग्लादेशी घुसपैठी पर गलतबयानी करती है, कहती है सरकार के पास शक्ति नहीं

घुसपैठियों को सरकार ने दे रखा है दामाद का दर्जा : प्रतुल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ पर गलत बयानी करती है. जब-जब बांग्लादेशी घुसपैठ की बात आती है, राज्य सरकार यह कहती है कि घुसपैठियों को बाहर निकालने की शक्ति राज्य सरकार के पास नहीं है.

प्रतुल शाहदेव ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फॉरेनर एक्ट और पासपोर्ट एक्ट के प्रावधानों की चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र ने राज्य सरकार को यह शक्तियां दी हैं कि वह घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें डिटेन और डिपोर्ट कर सकती है. कहा कि सत्तारूढ़ दल बांग्लादेशी घुसपैठियों को बड़े पैमाने पर वोट बैंक के तौर पर देखती है, इसीलिए इस सरकार ने घुसपैठियों को दामाद का दर्जा देकर रखा है यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है.

खास बातें

- चिह्नित कर डिटेन और डिपोर्ट कर सकती है
- सत्तारुढ़ पार्टियां वोट बैंक के तौर पर देख रही हैं

प्रतुल ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर सरकार के विभागों में अलग-अलग रिपोर्ट आ रही है. 2 जून 2023 को स्पेशल ब्रांच की ओर से सभी जिलों के डीसी एसपी को पत्र लिखा गया था, जिसमें कहा गया था कि राज्य में घुसपैठ की सूचना है. घुसपैठियों को मदरसों में ठहराया जाता है. फर्जी डॉक्यूमेंट बनाकर उन्हें मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है. इसके जवाब में दुमका, लोहरदगा, जामताड़ा समेत कई जिलों के एसपी ने पत्र लिख कर कहा है कि उनके जिले में किसी भी तरह की घुसपैठ की कोई सूचना नहीं है और घुसपैठ का आंकड़ा शून्य है.

उन्होंने लोहरदगा में हुए सांप्रदायिक दंगे का भी मामला उठाते हुए कहा कि लोहरदगा के एसपी ने कहा था कि जिले में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या शून्य है, जबकि स्पेशल ब्रांच ने अपने पत्र में कहा था कि दंगे में रोहिंग्या मुसलमानों का हाथ है. डीएसपी जितेंद्र कुमार ने यह रिपोर्ट बनाई थी उन्हें और उनके तीन अन्य सहयोगियों को एक मुस्लिम संगठन के ऑब्जेक्शन के बाद 2 दिन के अंदर ट्रांसफर कर दिया गया.

बड़ी दिक्कतः वन उत्पादकता संस्थान की रिपोर्ट से टेंशन में वन विभाग

70% वन भूमि में नाइट्रोजन की कमी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार का वन विभाग इन दिनों टेंशन में है. टेंशन की वजह यह है कि राज्य के कुल 23721 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र की 70 फीसदी वन भूमि पौधों के विकास और उगाने लायक ही नहीं है. इसका खुलासा आइएफपी (वन उत्पादकता संस्थान) रांची की रिपोर्ट में हुआ है. रिपोर्ट तैयार करने के लिए झारखंड के 31 वन क्षेत्रों के 1350 स्थानों से मिट्टी के 16, 700 नमूने लिए गए थे, जिसके आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गयी है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि वन भूमि की मिट्टी में नाइट्रोजन की भारी कमी हो गई है. गैर-अपघटित वनों की मिट्टी में नाइट्रोजन की उपलब्धता लगभग 258 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होनी चाहिए, लेकिन झारखंड के वन क्षेत्र की मिट्टी में औसतन 140 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर ही नाइट्रोजन उपलब्ध है. वहीं अधिकांश वन प्रमंडलों की वन भूमि में नाइट्रोजन की उपलब्धता 160 से 180 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर ही है. कई वन क्षेत्रों में यह 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर ही पाया गया है.

दो वर्ग किलोमीटर घने वन क्षेत्र में आई है कमी

खास बातें

- 23721 वर्ग किमी वन क्षेत्र की 70% भूमि पौधा उगाने लायक नहीं
- चाहिए 258 किलो प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन, औसतन उपलब्ध है 140 किलो

क्या है वन क्षेत्र की स्थिति

श्रेणी	क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर)
अति घनत्व वाले जंगल	2601.05
मध्यम घनत्व वाले जंगल	9688.91
खुले वन	11431.14
झाड़ियां	584.20

नाइट्रोजन की कमी से घट गए घने जंगल : नाइट्रोजन की कमी के कारण झारखंड में घने जंगल के घनत्व में भी गिरावट आई है. झारखंड में 2019 में घना वन क्षेत्र 2603.2 वर्ग किलोमीटर था, जो घटकर 2601.05 वर्ग किलोमीटर हो गया है. लगभग दो वर्ग किलोमीटर की कमी आयी है. पूरे राज्य में सबसे अधिक वन क्षेत्र गढ़वा में बढ़ा है. वहीं पाकुड़, लोहरदगा, लातेहार और कोडरमा में वन क्षेत्र घटा है. वहीं वन भूमि में मौजूद झाड़ियां भी घट गईं हैं. 2019 में झाड़ियों का दायरा 688 वर्ग किलोमीटर में था, जो अब घटकर 584.20 वर्ग किलोमीटर ही रह गया है.

क्या बताए गए हैं उपाए : रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है कि प्रति हेक्टेयर लगभग 225 किलोग्राम यूरिया के उपयोग से 90 किलोग्राम नाइट्रोजन के नुकसान की भरपाई की जा सकती है. साथ ही वैकल्पिक रूप से 17 टन फार्म यार्ड खाद प्रति हेक्टेयर या 5.6 टन वर्मी कंपोस्ट प्रति हेक्टेयर का उपयोग कर 90 किलोग्राम नाइट्रोजन की कमी को पूरा किया जा सकता है.

किस जिले में कितना वर्ग किलोमीटर है वन भूमि

बोकारो :	576	खूंटी :	913.74
चतरा :	1782.09	कोडरमा :	1023.05
देवघर :	205.80	लातेहार :	2403.04
धनबाद :	218.18	लोहरदगा :	504.42
दुमका :	577.63	पाकुड़ :	287.00
पूर्वी सिंहभूम :	1080.69	पलामू :	1215.73
गढ़वा :	1431.72	रामगढ़ :	331.26
गिरिडीह :	905.91	रांची :	1168.78
गोड्डा :	423.35	साहेबगंज :	573.95
गुमला :	1443.15	सरायकेला-खरसांवा :	574.60
हजारीबाग :	1363.19	सिमडेगा :	1243.40
जामताड़ा :	106.02	प. सिंहभूम :	3368.44

हर प्रजाति का पौधा बदल-बदल कर लगाने की जरूरत

नाइट्रोजन फिक्सिंग पौधे लगाने से नाइट्रोजन की कमी को दूर किया जा सकता है. हर प्रजाति का पौधा बदल-बदल कर लगाने की जरूरत है. खाद का भरपूर उपयोग होना चाहिए. खली वाले पौधे लगाकर भी नाइट्रोजन की कमी को पूरा किया जा सकता है.

एलआर सिंह, पूर्व पीसीसीएफ

राजरंग

जय हो फाटक बाबा की...श्रापे में उस्ताद, भोकार पार के रोवे भी लगते हैं

शहर में बड़का पार्टी के एगो नेताजी हैं. पार्टी के लोग उन्हें फाटक बाबा की उपाधि से नवाजले हैं. बाबा के चेहरे से तो शालीनता टप-टप कर टपकती रहती है. बोले-बतियावे में भी ऊपरे-ऊपरे शालीन लगते हैं. मिहि-मिहि (मीठा-मीठा) बोलते हैं. लेकिन चेहरा मोहरा पर मत जाइयो रे भाई. ऊपरे से जितने भोला दिखते हैं, ओतना हैं नहीं. झगड़ा करे लगेंगे, तो इनका रौद्र रूप देख आप गड़बड़ा जाइएगा. झगड़ा पर उतारू हुए, तो पूछिए मत... अइसन, अइसन शब्द को प्रयोग करे लगे आप चिहा जाइएगा. लगबे न करेगा कि एतना बड़का पार्टी में अइसनो नेताजी होते हैं. झगड़ा में पार न पाए, तो लगे श्रापने. रामगढ़ कोयला नगरी के एगो नेताजी से दफ्तरे में झगड़ लिए. तावा-तावी हुआ...देखा-देखी तक की नौबत आई. खूब ताल ठोका-ठोकी हुई. जब फाटक बाबा देखे कि अब ना सकेंगे, तो लगे श्रापे. कहे लगे... ऊ तो ब्रा...हैं. उनका श्राप तो लगिएके रहेगा. वइसे बाबा हैं पूरा कलाकार. एक्टिंग में भी माहिर हैं. जब देखेंगे कि बतौलेबाजी में पार नहीं पा रहे हैं, किसी मुद्दे पर कमजोर पड़ जा रहे हैं...झगड़ो में पिछुवा जा रहे हैं, तो लगेंगे भोंकार पार-पार के रोए. दफ्तर के लोगों को मूल मुद्दे से भटका देवेंगे. सभे लोग मिल कर चुप करावे लगेगा. चुप होंगे, सहानुभूति बंटोरेंगे, फिर अपन धंधा में लग जाएंगे. एकांत में होंगे...तो खूब हंसेंगे. कोई हंसते देख लिया, कुछ पूछा, तो कहेंगे...अइसेही हंस रहे थे. लेकिन फाटक बाबा हैं बड़ी चतुर-चालाक...रोए के नाटक कर सहानुभूति बटोरते हैं...फिर मने-मने इ सोचकर खुश होते हैं कि वाह कइसे सभे को बेवकूफ बना कर अपना उल्लू सीधा कर लिया.

और ब्यूरोक्रेट्स के वाट्स ऐप ग्रुप में शांति पसर गयी

ब्यूरोक्रेसी में सबसे ऊपर की श्रेणीवाले ब्यूरोक्रेट्स का एगो वाट्स ऐप ग्रुप है. ग्रुप में अफसर एक-दूसरे का हाल-चाल लेते रहते हैं. कटाक्ष भी खूब होता है. हंसी-ठिठोली तो होती ही है,ईमानदारी की बातें भी होती हैं. अफसर चुटकी लेने में पीछे नहीं हटते हैं. लेकिन इन दिनों ग्रुप शंट हो गया है. खाली विक्ट्री साइन, हंसी का ईमोजी ही शेयर हो रहा है. ग्रुप में ऊपर के एगो अफसर जी हैं. सुखी हैं. ग्रुप में सबसे लास्ट उन्ही साहब जी का एक संदेश था. लिखल था वर्कलेस. एगो और तगड़ा अफसर जी हैं, उन्हें बर्दास्त ही नहीं हुआ. दिया दनादन. लिख दिया- एवरी वन इज वर्किंग. इसके बाद तो ग्रुप में जो शांति छायी, वो छाई ही हुई है. ब्यूरोक्रेटस भी सकपकाइल हैं. कहीं ग्रुप में कुछो लिखे, तो फंस न जाएं, नप न जाएं. सो छोटका अफसर जी लोग हंसी का ईमोजी, विक्ट्री साइन डाल कर ग्रुप को जियाए हुए हैं. .

हेवीवेट अफसर जी पर घरेलु गृह मंत्राइन की टाइट नजर

अपना झारखंड विचित्रताओं के लिए भी जानल जाता है. यहां की ब्यूरोक्रेसी में एगो नेताजी हेवीवेट अफसर हैं. साहब जी को सोमरस खूबे पसंद है. कहिए तो साहेब जी सोमरस में ही डूबल रहते हैं. सुबह हो, दोपहर हो या शाम हो, साहब से मिलिएगा, तो उनके मुखार बिंदु से अजब-जगब की महक आती रहेगी. लेकिन साहब की घरेलु गृह मंत्राइन जी तनी टाइट हैं. अपने पति देवजी पर टाइट नजर रखले रहती हैं. कोशिश करती हैं कि देव तुल्य पति का दानव न बनने दिया जाए. सोमरस से दूर हटावे के चक्कर में लगी रहती हैं, ताकि साहेब ठीक-ठाक रहे. साहेब को झारखंड का लोकल सफेद पेय भी खूबे पसंद है. जब जिला स्तर की जिम्मेवारी संभालते थे, तो जनजातियों का पेय उन्हें काफी भाता था. किसी ने उन्हें बता दिया था कि सफेदका पेय बड़ी फायदेमंद होता है. ठंडा होता है, पेट के लिए फायदेमंद है. इसलिए जब ग्रामीण क्षेत्रों में जाते ते, तो सफेद पेय की फरमाइश किया करते थे. अब ऊंची जगह पर हैं. कभी सरकारो का गृह संभाले हुए थे. अब खुद साहेब को उनकी घरेलु मंत्राइन को संभाले पड़ रहा है. ऊ मैडम जी डेराइल रहती हैं कि कही साहेब जी ऑफिसे में टल्ली न हो जाएं. सो मैडम जी दिन-रात उनको अगोरले रहती हैं. लेकिन साहेब भी कम चतुर-चालाक नहीं हैं. जुगाड़ मैनेजमेंट में माहिर हैं. ड्राइवर से भी ठीके-ठाक सेटिंग कइले हैं. जब मौका मिलता है, साहेब जी लुका-छिपा कर सोमरस चखिए लेते हैं. मैडम जी यात्री घरेलु मंत्राइन बाहरे बइठल रहती हैं, तो साहेब धीरे से सोमरस चख लेते हैं. लुका के जोगाड़ मैनेजमेंट कइले रहते हैं.

पार्टी ने धकियाया, हैसियत बतायी, तो अब हांफे लगे नेताजी

एगो नेताजी की कभी पार्टी में खूब चलती थी. जब चलती थी, तो हेंकड़ी भी बघारले रहते थे. इ हो हैं बाबा जी. लेकिन वइसन वाला बाबा नहीं. सभे कुछ खाये वाला बाबा. सरकार के एगो मंत्रीजी के करीबी हैं. लेकिन राजनीतिक महात्वाकांक्षा ऐसी जगी कि अपनी पार्टी के राज्य के मुखिया जी से पंगा ले बइठे. ऐसा नहीं कि ऊ मुखिया जी से इनकी कोई वैमनस्यता थी. बस नेतागीरी चमकावे के चक्कर में नेताजी लगे अंड-बंड बोले. राजधानी में एगो सरकारी अतिथिशाला में अड्डेबाजी करे लगे. दुगो और नेताजी को साथे जोड़ लिए और बयान वीर बन बइठे. लगे रोजे मुखिया जी को अंड-बंड बोले. मुखिया जी तो अपने शातिर खिलाड़ी. बड़ी हौले से मामला अनुशासन समिति को हैंडओवर कर नेताजी व उनका साथ देवेवाला नेताजी को जोरदार सबक सिखा दिया. पार्टी से निलंबित करा दिया. हालांकि नेताजी पहिले से वैकल्पिक व्यवस्था कइले थे. स्कूल वालों का संगठन बना कर ओकरे में एक्टिव हो गए. लगे हांका खिंचने. कहे लगे कि ऊ जेतना लोग को इकट्ठा कर लेते हैं, ओतना पार्टी में किसी दूसर नेता को औकात नहीं. फिर क्या था, शातिर मुखिया जी ने अइसन व्यवस्था की कि नेताजी अतिथिशाला से भी आउट कर दिए गए. बइठे का ठिकाना ही गायब कर दिया गया. यानी जहां बइठते थे, वहां कुरसी-सोफा हटवा दिया गया. एतना ही नहीं, मुखिया जी ने उनको खूब धक्के पर धक्के दिया. जिन्हें बाबा ने ऊंगली पकड़ कर राजनीति सिखायी थी, उन्हें बोर्ड-निगम में बइठा कर बाबा को जोर का झटका धीरे से दे दिया. अब बाबा हांफले हैं. न माया मिली न राम. वइसे बाबा पर एक कहावत फिट बैठ रही है, चौबे गए छब्बे बने, दुबे बन कर लौटे.

क्लासिफाइड

हाइकोर्ट के अधिवक्ता और परिवार को जान से मारने की धमकी मिली

रांची। हाइकोर्ट के अधिवक्ता और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी मिली है. इसे लेकर अधिवक्ता लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव ने पंडरा ओपी में शनिवार को मामला दर्ज करवाया है. बाइक पर सवार 2 अज्ञात अपराधियों ने अधिवक्ता लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव की जीप रोकर उन्हें रिवाल्वर दिखाते हुए हाईकोर्ट से केस हटा लेने की धमकी दी, ऐसा नहीं करने पर उन्हें और उनके परिवार वालों को दुनिया से विदा करने की धमकी दे डाली. इसके बाद अधिवक्ता ज्ञान रंजन ने पंडरा थाना जाकर इसकी शिकायत करते हुए एफआईआर दर्ज कराया. अधिवक्ता अपने नोबा नगर स्थित कार्यालय में कुछ निर्माण कार्य करा रहे थे. जहां से काम खत्म करा कर वह अपने रातू रोड स्थित घर लौट रहे थे. उसी दौरान बनहोरा स्थित पानी टंकी के पास दो अपराधियों ने रोक कर उन्हें जान से मारने की कोशिश की. बीते शुक्रवार को कोर्ट के आदेश पर इस मामले में गठित तीन अधिवक्ताओं की कमेटी ने कटहल मोड़ स्थित हरमू नदी के उद्गम स्थल के पास अवैध अतिक्रमण का जायजा लिया था, जिसमें अधिवक्ता ज्ञान रंजन भी न्यायालय के आदेश से गए थे.

सड़क निर्माण से संबंधित भू-अर्जन मामलों के भुगतान में न करें देरी

संवाददाता। रांची

उपायुक्त राहुल सिन्हा की अध्यक्षता शनिवार को भू-अर्जन से मामलों की समीक्षा बैठक हुई. इसमें राज्य स्तर पर चल रही सड़कों की समीक्षा की गई. डीसी ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को योजनाओं में मुआवजा देने के निर्देश दिए. सिरम टोली फ्लाई ओवर के भुगतान प्रक्रिया को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिया. वहीं इस क्षेत्र में सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि पर मंदिर के द्वार को हटाने के निर्देश दिए.

अरगोड़ा-कटहल मोड़ सड़क चौड़ीकरण, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट परियोजना : डीसी ने अरगोड़ा-कटहल मोड़ सड़क चौड़ीकरण, बिरसा एयरपोर्ट से कुटियातु मोड़ पथ निर्माण कार्य, बरियातू मुख्य मार्ग से बड़गाईं, बोड़ेया योजनाओं की भी समीक्षा की गई. इसके साथ केंद्रीय विवि तक पहुंच पथ कार्य की समीक्षा करते हुए लंबित भुगतान को पूर्ण करने के निर्देश दिए. बैठक में अपर समाहर्त्ता राजेश कुमार बरवार, भू-अर्जन पदाधिकारी, सीओ सहित अन्य अफसर उपस्थित थे.

मोरहाबादी में 3 को 1 लाख रसोइया का महाजुटान

रांची। झारखंड प्रदेश रसोइया संघ के बैनर तले शनिवार को मोरहाबादी के ऑक्सीजन पार्क में शनिवार को सैकड़ों महिलाओं ने बैठक की. कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिता देवी केसरी ने की. उन्होंने कहा कि 3 दिसम्बर को मोरहाबादी मैदान में महाजुटान होगा. पूरे राज्य में 2 लाख 47 हजार रसोंइया हैं. लेकिन सरकार हमारी बात नही सुन रही है. अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के पांच नेताओं को रसोंइया महाजुटान में बुलाया जाएगा. ताकि रसोंइयों का पांच सूत्री मांग पत्र सौपा जाएगा. राज्य भर के रसोंइया की आवाज और उनकी मांग सरकार तक पहुंचाने के लिए 2005 में संगठन बनाया गया था. और 2008 में लगातार सरकार तक मांग को पूरा कराने के मांग किया जा रहा है. खूटी जिलाध्यक्ष रजनी लुगुन,अनिता भेंगरा, तोरपा वेरोनिका टोपनो, सपना महतो आदि उपस्थित थे.

टनल में फंसे मजदूरों के परिजनों को उत्तराखंड में सुविधाएं दे रही झारखंड सरकार

संवाददाता। रांची

उत्तराखंड के टनल में फंसे झारखंड के श्रमिकों के परिजन वहां पहुंचे हुए हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद झारखंड सरकार की ओर से वहां उन्हें सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. श्रमिकों के परिजनों के रहने, खाने-पीने की व्यवस्था की गई है. इसके अलावा उनके बीच जैकेट, टोपी, कंबल का वितरण किया गया है.

टनल में फंसे झारखंड के सभी 15 श्रमिक सुरक्षित हैं. इनमें से गिरिडीह के दो, खूंटी के तीन, रांची के तीन एवं पश्चिमी सिंहभूम के सात श्रमिक शामिल हैं. इन जिलों के उपायुक्त भी लगातार श्रमिकों के परिजनों से बातचीत कर स्थिति का जायजा ले रहें हैं. इसके अलावा प्रवासी नियंत्रण कक्ष भी टनल में फंसे श्रमिकों के परिजनों से लगातार संपर्क में है.

आयोजन झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के सम्मेलन में बोले विधानसभा अध्यक्ष

ओल्ड पेंशन स्कीम शुरू करनेवाले राज्यों में झारखंड अग्रणी

- अपनी जो भी समस्या हो सरकार के सामने रखिए

संवाददाता। रांची

विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा है कि पुरानी पेंशन योजना शुरू करने वाले राज्यों में झारखंड अग्रणी राज्य बन गया है. राज्य सरकार ने सरकारी कर्मियों के लिए यह व्यवस्था कर दी है कि उन्हें बुढ़ापा में वृद्धाश्रम नहीं जाना पड़े. स्पीकर शनिवार को ओल्ड पुलिस क्लब में आयोजित झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि कर्मचारी संघ के नेता दो दिनों तक कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए विचार - विमर्श करें, उसके बाद जो मुख्य बातें सामने आएं, उसे एजेंडा बनाकर सरकार के सामने रखें. झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के नेता मो. आदिल जहीर ने कहा कि संघ के दो दिवसीय राज्य सम्मेलन के दौरान आपस में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद आगे के आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी.

राज्य कर्मचारी महासंघ की प्रमुख मांगें

राज्य कर्मचारी महासंघ की मांगों में केंद्रीय कर्मचारयों की तरह राज्यकर्मियों के लिए भी वेतन आयोग का गठन करने, एक जनवरी 2016 से अन्य भत्तों की सुविधा के साथ वेतन दिया जाए. राज्य के सभी शहरों के अंचल कर्मियों को यात्रा भत्ता दिया जाए. कोरोना काल के बकाये 18 महीने के डीए का भुगतान किया जाए .बिहार की तर्ज पर योग्यता रखने वाले चतुर्थवर्गीय कर्मियों को थर्ड ग्रेड में प्रमोशन देने की मांग शामिल है. इसके अलावा राज्य के सभी कर्मियों और पेंशनधारियों को कैशलेस हेल्थ कार्ड देने की भी मांग संघ कर रहा है. सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष किया जाए. राज्य भर के जनसेवकों को प्रोन्नति दी जाए और एएनएम के लिए सरकार नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली बनाने की मांगें शामिल हैं.

झारखंड टूरिज्म स्टॉल दे रहा सिटी ऑफ फॉल्स की जनकारी

रांची। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में झारखंड टूरिज्म की ओर से भी स्टॉल लगाया गया है. इस स्टॉल में लोगों को झारखंड के पर्यटन स्थलों की वर्चुअल टूर और बाबा बैद्यनाथ धाम का प्रारूप लोगों को काफी पसंद आ रहा है. झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लोगों को बता रहा है कि रांची को सिटी ऑफ फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है. यहां पर 4 बड़े और 5 छोटे आकार के जल प्रपात है. वहीं प्रदेश पार्श्वनाथ मंदिर, मां भद्रकाली मंदिर, मलूटी मंदिर, पारसनाथ मंदिर, रजरप्पा मंदिर और देवघर धार्मिक स्थलों के लिए मशहूर है. नेतरहाट अपने मनमोहक सूर्योदय और सूर्यास्त के लिए प्रसिद्ध है और बेतला नेशनल पार्क में हाथियों को देखा जा सकता है.

तापमान
26° अधिकतम | 14° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 14

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● रविवार, 26 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 218

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

शहर में आज

1 विश्व हिंदू परिषद् द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन, गोशाला प्रांगण, सुकूरहुटू, कांके में 8 बजे से
2 गुरु नानकदेव के प्रकाश पर्व पर विशेष दीवान सजेगा, रातू रोड गुरुद्वारा में 10 बजे, मेन रोड गुरुद्वारा में 6 बजे से
3 थांगटा प्रतियोगिता का समापन, खेलगांव में 10 बजे से
4 खेलो इंडिया का किक बॉक्सिंग का आयोजन, खेलगांव में 10 बजे से
5 संयुक्त किसान मोर्चा का आंदोलन, राजभवन में 11 बजे से
6 राज्य कर्मचारी संघ का सम्मेलन, पुलिस मेंस एसो. भवन में 11 बजे से
7 संविधान दिवस पर कार्यक्रम, चेंबर भवन, कडरू में 2 बजे से
8 **सूचना:** शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

जयपुर तक होगा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का विस्तार

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी के सदस्य अरुण जोशी ने शनिवार को कोलकाता में डीजीएम पंकज गुप्ता से मुलाक़ात कर, संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का विस्तार जयपुर तक करने हेतु रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव अग्रसारित किये जाने के लिए आभार जताया. मौके पर रांची-बनारस एक्सप्रेस का परिचालन वाया अयोध्या होकर गोमती नगर (लखनऊ) तथा पुरुलिया-विल्लुपुरम एक्सप्रेस को रांची तक विस्तारित करने पर सकारात्मक वार्ता हुई. अरुण जोशी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही हमारी मांगों पर रेलवे बोर्ड द्वारा सकारात्मक निर्णय लिए जाने की संभावना है.

92 शिकायतों का ऑन स्पॉट निबटारा

रांची। आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत् शनिवार को रांची नगर निगम द्वारा वार्ड 03 और 04 में शिविर का अयोजन किया गया. जिसमें निगम द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए आवेदन लिया गया और शिकायतों का ऑन स्पॉट निबटारा किया गया. शिविर में कुल मिलाकर 92 शिकायतों का निबटारा ऑन स्पॉट किया गया. रांची नगर निगम के द्वारा नागरिकों से अपील कि है कि अपने नजदीकी वार्ड में आयोजित शिविर में आएं और योजनाओं का लाभ लें. बता दें कि वार्ड नंबर 05 और वार्ड नंबर 06 में आज शिविर लगाया जाएगा.

बेईमान, अक्षम, अशिक्षितों के ग्रुप ने मेरे पिता के नाम पर वोट मांगा है...

शुभम किशोर। रांची

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय अमिताभ चौधरी के सुपुत्र अभिषेक चौधरी ने जेएससीए और कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) के सदस्यों के नाम एक खुला पत्र जारी कर वैसे लोगों से होशियार रहने का आग्रह किया है, जो उनके स्वर्गीय पिता के नाम पर अपना अभियान चले रहे हैं. पत्र में उन्होंने लिखा है कि जीएससीए के कंट्री क्रिकेट क्लब का चुनाव हो रहा और इस चुनाव में बेईमान, अक्षम, अशिक्षितों के एक ग्रुप ने उनके पिता के नाम पर वोट मांगने का अभियान चला रखा है. ऐसे लोगों से होशियार व सावधान रहने की जरूरत है. हम स्व अमिताभ चौधरी के बेटे अभिषेक चौधरी द्वारा जारी पत्र को हू-ब-हू छाप रहे हैं...

प्रिय जेएससीए और सीसीसी सदस्यों

जहां तक जेएससीए का सवाल है, मेरे पास किसी भी तरह की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का पूरी तरह से अभाव है. मेरे पास कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) चुनाव का पालन करने का कोई कारण नहीं है. हालांकि, अपने दिवंगत पिता के प्रति अपनी शाश्वत और पवित्र प्रतिबद्धताओं के कारण और कुछ जानकारी मेरे ध्यान में लाए जाने के बाद मैं आपको यह पत्र लिखने के लिए बाध्य महसूस करता हूं. मुझे नहीं पता कि इस चुनाव के लिए सटीक उम्मीदवार कौन हैं और प्रत्येक पद के लिए चुनाव लड़नेवालों के संबंध में मैं केवल यह आशा कर सकता हूं कि सबसे अच्छा उम्मीदवार ही जीतेगा. फिर भी ऐसा प्रतीत होता है कि बेईमान, अक्षम (और मुख्य रूप से अशिक्षित) व्यक्तियों के एक समूह ने अपना पूरा चुनाव अभियान मेरे पिता के नाम पर वोट मांगने पर केंद्रित किया है. जो कही से उचित नहीं. ऐसे लोगों के समूह से होशियार रहने की जरूरत है.

मेरे पिता के नाम पर भी चोरी की है:

मुझे इसे स्पष्ट रूप से कहना चाहिए : ये व्यक्ति अब नहीं हैं और मेरे परिवार के नाम और बलिदानों पर परजीवी के अलावा कभी कुछ नहीं हो सकते हैं. उन्होंने न केवल मेरे पिता के नाम पर सिर्फ अपना स्वार्थ साधा है, बल्कि मेरे पिता के नाम पर चोरी भी की है. इसमें मेरी पैतृक संपत्ति में से भी बड़ी मात्रा में धन की चोरी शामिल है. इनमें से कोई भी व्यक्ति क्रिकेट के जुनून या सार्वजनिक सेवा की भावना से जेएससीए से नहीं जुड़ा है. एसोसिएशन के संसाधनों तक उनकी पहुंच का उपयोग केवल एक ही उद्देश्य के लिए किया जाता है-उनका व्यक्तिगत वित्तीय स्वार्थ. मेरे पिता निश्चित रूप से जानते थे कि उनका अंतर्निहित मूल्य शून्य था और वास्तव में (गलती से) उन्होंने इसी कारण से उन्हें सहन किया.

एजीएम में मुझे और मेरी बहन को सदस्यता देने के स्वतःस्फूर्त आह्वान के लिए धन्यवाद:

हालांकि, मुझे नहीं लगता कि मेरे परिवार के नाम या विरासत पर उनका कोई छोटा सा भी दावा है. मैं केवल आशा कर सकता हूं कि आप सहमत हों. मेरे संज्ञान में यह भी आया है कि इन लोगों ने अपनी भ्रष्टता और हताशा में मेरे पिता के साथ मेरे संबंधों के बारे में चूहे की तरह कुछ अकथनीय झूठ फैलाने का काम किया है. शुक्र है, भगवान ने मुझे वह सब कुछ इतनी प्रचुर मात्रा में दिया है, जो मायने रखता है (और मुझे यकीन है कि वह ऐसा करना जारी रखेगा) कि मुझे जवाब देने के लिए कभी भी उनके स्तर तक नहीं गिरना पड़ेगा. मुझे दो अंतिम बिंदुओं का उल्लेख भी अवश्य करना चाहिए. पहला, आपमें से बड़ी संख्या में लोगों को धन्यवाद देना है, जिन्होंने इस वर्ष की झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की एजीएम में मुझे और मेरी बहन को सदस्यता देने के लिए स्वतःस्फूर्त आह्वान किया. दूसरा, आपको यह आश्वस्त करना कि सीसीसी चुनावों के नतीजे चाहे जो भी हों, निकट भविष्य में कीड़े-मकौड़ों और चोरों का यह गंठजोड़ खत्म हो जाएगा. यह आप सभी से और सबसे बढ़कर मेरे बाद के पिता से मेरा व्यक्तिगत वादा है.

आपको और आपके परिवारजनों को मेरी शुभकामनाएं.

-अभिषेक चौधरी, पुत्र स्व. अमिताभ चौधरी

सैनिक मार्केट

निदेशालय से दो-दो हाथ करने की तैयारी

तरुण कुमार चौबे । रांची

सैनिक मार्केट में 135 दुकानें हैं, जिनमें से 22 बड़ी और बाकी छोटी दुकानें हैं. मार्केट का संचालन भूतपूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय करता है. लेकिन निदेशालय ने अचानक बाजार की दुकानों का किराया बढ़ा दिया है, जिससे दुकानदार गुस्से में हैं. उनका कहना है कि आज तक कहीं भी उन्होंने एकमुश्त 600 से 800% तक किराया बढ़ाने की बात नहीं सुनी. सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी मार्केट में ऐसे किराया नहीं बढ़ाया गया है. दुकानदारों ने निदेशालय से साफ कह दिया कि वे किसी भी कीमत पर बढ़ी हुई दर से किराया नहीं देंगे. यदि उनकी नहीं सुनी गयी, तो कोर्ट जाएंगे. दुकानदार निदेशालय से दो-दो हाथ करने के लिए तैयार हैं.

दुकानदारों का कहना है, कि हम किराया बढ़ाने के खिलाफ नहीं, पर अचानक एकमुश्त इतना ज्यादा बढ़ा देना कहीं से तर्कसंगत नहीं है. उनका कहना है कि हमने कई बार निदेशालय से नए एग्रीमेंट की ड्राफ्ट कॉपी दिखाने को कहा, लेकिन उन्हें कॉपी नहीं दी गई. हर साल सभी दुकानदारों से 10% मार्केट का मेंटेनेंस चार्ज लिया गया, लेकिन पिछले 3 सालों से पेंटिंग तक नहीं कराई गई. मार्केट के पीछे कभी मरम्मत तक नहीं करायी गयी. मार्केट के लिए जी-5 का नक्शा पास है, लेकिन मार्केट में ऊपरी के तल्लों का निर्माण कराने की जगह निदेशालय इसे तोड़ कर नया बनाने की बात कह रहा है, जो कही से ठीक नहीं है. व्यवसायियों ने किराया बढ़ाने का विरोध करते हुए राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव सहित तमाम उच्चाधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है. राज्यपाल के प्रधान सचिव से नीतिन मदन कुलकर्णी से भी मिल कर ज्ञापन सौंपा और पूरे मामले की जानकारी दी है. कुलकर्णी ने निदेशालय को पत्र भेज कर किराये के मुद्दे पर दिशानिर्देश दिया है, लेकिन निदेशालय उनके पत्र को दबाए बैठा है.

क्या कहना है दुकानदारों का

अचानक रेंट बढ़ाना सही नहीं : दिनेश

व्यवसायी दिनेश ठाकुर ने कहा कि एसोसिएशन ने एग्रीमेंट की कॉपी कभी नहीं दिखाई. मेनटेनेंस के पैसे लिए जाते हैं, लेकिन काम नहीं किया जा रहा. रिपेयरिंग की जरूरत है, लेकिन ध्यान इस ओर नहीं है. निदेशालय किराया बढ़ा कर दुकानदारों पर अतिरिक्त बोझ डालना चाहता है.

बाजार मंदा है, किराया बढ़ना उचित नहीं : सन्नी

दुकानदार सन्नी खान ने कहा कि अंदर की दुकानों में अब ग्राहक कम आते हैं. कोरोना काल से ही धंधा भी मंदा है. ऊपर से निदेशालय द्वारा इतना किराया बढ़ाया जाएगा, तो हम अपना बिजनेस कैसे कर पाएंगे. निदेशालय को मार्केट के दुकानदारों से बातचीत कर किराया बढ़ाने की पहल करनी चाहिए.

हम सब सड़क पर आ जाएंगे: अजीम आलम

व्यवसायी अजीम आलम ने कहा कि पहले की तरह ग्राहक नहीं आते हैं. बिक्री भी घट गई है. बाजार की भी हालत खराब है. इस स्थिति में दुकान का किराया इतना ज्यादा बढ़ाना कहीं से भी उचित नहीं है. निदेसालय को हर हाल में दुकानदारों से इस मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए.

नए नियम समझ से परे : आरएन सिन्हा

पूर्व सैनिक आरएन सिन्हा ने कहा कि हम 1992 से दुकान लगाते हैं. अब ऐसे नियम बनाये जाएंगे, तो सभी को नुकसान होगा. हम पूर्व सैनिको के लिए भी निदेशालय का कहना है कि हर 5 साल में दुकान दूसरे सैनिकों को दी जाए. बिजनेस करने के लिए इस तरह के नियम बनाना समझ से परे है.

एकसाथ इतना किराया नहीं बढ़ाना चाहिए : सोनी मेहता

दुकानदार संघ की अध्यक्ष सोनी मेहता ने कहा कि हम जानते हैं कि यहां दुकानदारों से लिया जाने वाले किराये के पैसों से जवानों के घरोंवालों की मदद की जाती है. लेकिन अचानक से इतना किराया बढ़ाने से सभी के बिजनेस पर असर पड़ सकता है. हम किराया बढ़ाने के खिलाफ नहीं है, लेकिन एक साथ इतना किराया बढ़ाना कहीं से उचित नहीं है.

हर माह 2,25,000, सालाना 27 लाख रुपये आता है दुकानों से किराया

सैनिक मार्केट की 135 दुकानों में से वर्तमान में कई दुकानें बंद हैं और बड़ी व छोटी दुकानों को मिलाकर वर्तमान में 50 हजार स्क्वायर फीट की दुकानें चालू हैं. साढ़े चार रुपये स्क्वायर फीट किराया के हिसाब से हर माह 2,25,000 रुपये और सालाना 27 लाख रुपये दुकानों से किराया आता है. यह राशि भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण में लगायी जाती है. बाद में इसका किराया तय कर उस पर ब्याज भी जोड़ा जाने लगा. 135 दुकानों में से 101 आम लोगों के लिए हैं. इनमें से सिर्फ 34 दुकानें पूर्व सैनिकों के नाम से आवंटित हैं.

कांटाटोली फ्लाईओवर

5 माह में चढ़े 125 सेग्मेंटल बॉक्स, 361 अभी भी बाकी

सत्य शरण मिश्रा। रांची

- 228 प्री-कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स का निर्माण पूरा, बचे हुए 103 को किया जा रहा लॉन्च
- अभी औसतन 25 सेग्मेंटल बॉक्स प्रति महीने की रफ्तार से हो रहे लॉन्च
- 25 की रफ्तार से चले तो फ्लाईओवर का काम पूरा होने में लग जाएंगे 14 महीने
- अप्रैल 2024 तक काम कंप्लीट करने के लिए 70 सेग्मेंटल बॉक्स हर महीने लगाने होंगे

कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण अप्रैल 2024 तक पूरा करने के लिए जुडको और दिनेश अग्रवाल एंड संस कंपनी जोर लगा रहे. इसके 42 पिलर बन कर तैयार हैं. अब सेग्मेंटल बॉक्स चढ़ाने का चल रहा. 486 प्री कास्ट बॉक्स चढ़ने के बाद फ्लाईओवर में सड़क का ढांचा तैयार हो जाएगा. इसके बाद रेलिंग, डिवाइडर जैसे कुछ और काम होने के बाद फ्लाईओवर पूरी तरह तैयार हो जाएगा. अबतक 486 में से 228 प्री-कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स का निर्माण किया जा चुका है. इनमें से 125 सेग्मेंटल बॉक्स लॉन्च हो चुके हैं. बचे हुए 103 को जल्द से जल्द लॉन्च करने का काम चल रहा है.

अक्टूबर-नवंबर में पर्व-त्योहार के कारण रफ्तार हुई धीमी : हर महीने 50 प्री-कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स लॉन्च किये जाते हैं. लेकिन अक्टूबर-नवंबर में दुर्गापूजा, दीपावली और छठ जैसे त्योहारों के कारण फ्लाईओवर निर्माण की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गयी. पिछले एक महीने में 35 प्री-कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स ही लॉन्च हुए हैं. अब कंपनी अक्टूबर-नवंबर में हुई देरी को मेकअप करने के लिए हर महीने 70 सेग्मेंटल बॉक्स चढ़ाने की तैयारी कर रही है.

4 अप्रैल से शुरू हुई थी सेग्मेंटल बॉक्स की लॉन्चिंग : 4 जुलाई से प्री-कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स चढ़ाना शुरू हुआ था. तब हर हफ्ते 11 बॉक्स चढ़ाये जा रहे थे, लेकिन बाद में इसमें कमी आने लगी. 5 महीने में 50 के औसत से कम से कम से कम 250 प्री-कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स चढ़ जाने चाहिए थे, लेकिन अभी जो स्थिति है उसके मुताबिक हर महीने 25 के औसत से बॉक्स चढ़ रहे हैं.

70 सेग्मेंटल बॉक्स चढ़ाने की तैयारी : कोकर के शांतिनगर से बहू बाजार तक 2.4 किमी लंबे फ्लाईओवर में अभी भी 361 प्री-कास्ट बॉक्स चढ़ने बाकी हैं. अगर 50 बॉक्स हर महीने रखे गये तो 7 महीने और लगेंगे. लेकिन अगर 70 बॉक्स चढ़ाये गये तो अगले 5 महीने में इसके पूर्ण होने की उम्मीद है.

डिस्टिलरी पुल मार्केट के ऊपर बनेगा शेड, रोड की दुकानें शिफ्ट होंगी

संवाददाता। रांची

लालपुर सब्जी मंडी के दुकानदारों को व्यवस्थित करने के लिए नगर निगम ने सब्जी मार्केट की छत पर व मार्केट के किनारे के पैसेज पर जगह आवंटित की थी. लेकिन, चिह्नित जगह पर किसी प्रकार की सुविधा नहीं होने की बात कह कर फुटपाथ दुकानदारों ने शिफ्ट होने से मना कर दिया था. और सड़क पर ही दुकान लगानी शुरू कर दी. लेकिन सब्जी विक्रेताओं को सड़क पर दुकान लगाने से राहत मिल सकती है. नगर निगम डिस्टिलरी पुल मार्केट के ऊपर 79 लाख 91 हजार 500 रुपए की लागत से नया शेड बनाएगा. निगम ने शेड निर्माण के लिए टैंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है. निगम से जानकारी के अनुसार अधिकारियों ने विभाग से फंड की मांग की है. कुछ दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा.

प्रक्रिया शुरू, जल्द होगा निर्माण पूरा

नगर निगम के अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शेड के निर्माण के लिए विभाग से फंड मांगा गया है. इसके साथ टेंडर कि प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. कुछ समय में निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. जिसके बाद लोगो को जाम से राहत मिलेगी.

विरोध के बाद लिया गया निर्णय : डिस्टिलरी पुल पर मार्केट बनने के बाद सबसे पहले मांस- मछली बेचने वालों को शिफ्ट किया गया था. फिर जून महीने में नगर निगम के द्वारा सब्जी विक्रेताओं को मार्केट की छत पर शिफ्ट होने का निर्देश दिया था. लेकिन सब्जी विक्रेताओं ने छत के ऊपर खुली धुप में दुकान लगाने से मना कर दिया. उनका कहना था कि मूलभूत सुविधा के बिना वो सड़क छोड़ मार्केट में शिफ्ट नहीं होंगे. जिसके बाद विक्रेताओं और निगम कर्मियों में कई बार तनातनी हुई थी. फिर दुकानदारों से वादा किया गया कि जल्द मार्केट के छत में शेड का निर्माण करवाया जाएगा.

डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया, दिये कई निर्देश

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को मोहराबादी स्थित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक (बाह्य) निरीक्षण किया. इस दौरान रैंक उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे. निरीक्षण के दौरान डीसी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

लाइट हाउस प्रोजेक्ट

रोज-रोज के नए खर्चे से लाभुक परेशान, बोले- अब बहुत हुआ

रजिस्ट्री, होल्डिंग और वाटर कनेक्शन के लिए मांगे जा रहे 10200

प्रमुख संवाददात। रांची

रांची के लाइट हाउस प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले लाभुक खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं. 1008 लाभुकों ने लाइट हाउस में फ्लैट लिए हैं. पहले उन्हें लोन लेने के लिए बैंक के चक्कर लगाने पड़े. वहां से छुटकारा मिला तो अब वे रजिस्ट्री, होल्डिंग टैक्स और बिजली कनेक्शन की लाइन में लग गये हैं. लाभुकों का कहना है कि फ्लैट बुकिंग के वक्त उन्हें सिर्फ 6.79 लाख रुपये जमा करने की बात कही गई थी, लेकिन अब उनपर कई तरह के खर्चे थोपे जा रहे हैं.

बात एक रुपये में रजिस्ट्री की थी, लेकिन रांची नगर निगम ने रजिस्ट्री के लिए जिस वकील को रखा है उसे रजिस्ट्री के एवज में 5000 रुपये देने हैं. 1000 रुपये ऑफिस खर्चा मांगा जा रहा है. बिजली कनेक्शन मुफ्त देने की बात थी, लेकिन उसके कनेक्शन में भी 4200 रुपये मांगे जा रहे हैं.

निगम के अधिकारी नहीं बता रहे लाभुकों को कब होगा मकान हैंडओवर

मकान के साथ लाइट हाउस का भी देना पड़ रहा किराया

जिन लाभुकों ने फ्लैट लिए हैं वे गरीब और मध्यम वर्गीय हैं. उनकी सालाना आय 3 लाख से भी कम है, और सभी किराए के घर में रहते हैं. कई लाभुकों ने फ्लैट के लिए मांगी गई पूरी राशि जमा कर दी है, लेकिन अबतक फ्लैट हैंडओवर नहीं हुआ. लाभुक लाइट हाउस के लिए हर महीने 6700 की किस्त के अलावा जिस मकान में रहते हैं उसका का भी किराया चुका रहे. प्रोजेक्ट की नोडल पदाधिकारी किरण कुमारी से बात करने के संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया.

मनमानी पर उतरे नगर निगम के अधिकारी: सुधीर तिवारी

लाभुक समिति के अध्यक्ष सुधीर तिवारी ने कहा कि प्रोजेक्ट को लेकर निगम मनमानी पर उतर गया है. अधिकारी रोज नये-नये खर्चे लाभुकों पर थोप रहे हैं. 400 स्क्वायर फीट तक के निर्माण पर होल्डिंग टैक्स फ्री है. इसके बावजूद निगम 325 स्क्वायर फीट के फ्लैट की होल्डिंग टैक्स ले रहा. रौशन नाम के लाभुक से ढाई हजार फाइन भी लिया गया. जिस तरह लाभुकों पर खर्चे लादे जा रहा उससे तो लग रहा कि लाइट हाउस में गरीबों को नहीं अमीरों को फ्लैट दिया गया है.

एचईसी ने 70 लाख का वर्कऑर्डर पूरा कर डिस्पैच किया

शुभम किशोर। रांची

देश की मदर ऑफ ऑल इंडस्ट्री माने जानेवाले एचईसी के 60 साल पूरे होने पर प्रभारी सीएमडी केएस मूर्ति रांची आए थे. इस दौरान उन्होंने कहा था कि एचईसी में बहुत पोटेंशियल है, लेकिन जब तक किसी कारखाने में उत्पादन नहीं होगा, तब तक उसे चलाया नहीं जा सकता. प्रबंधन ने इसे सकारात्मक रूप में लेते हुए 70 लाख के वर्कऑर्डर को पूरा कर डिस्पैच किया. हेवी मशीन बिल्डिंग प्लांट (एचएमबीपी) में ये काम पूरा हुआ है. जानकारी के अनुसार, एचईसी के पास इसरो, रेलवे, सेल, एनसीएल, एसईसीएल सहित विभिन्न सेक्टर से लगभग 1300 करोड़ का वर्कआर्डर है. लेकिन वर्किंग कैपिटल नहीं होने के कारण काम पूरा करने में समस्या आ रही है.

1000 एकड़ जमीन से जुटाया जाएगा वर्किंग कैपिटल : एचईसी अपनी खाली पड़ी जमीन से वर्किंग कैपिटल जुटाने की तैयारी में जुटा है. एचईसी की एक हजार एकड़ जमीन खाली पड़ी है, जिसे लीज पर देकर हजार करोड़ जुटाने का लक्ष्य है. जो भी पहले के लीजधारक हैं, उनसे भी बकाया वसूली की तैयारी एचईसी कर रहा है.

तीन प्लांटो में 2780 कर्मी

एचईसी के तीन प्लांटों में 2780 कर्मी हैं. इनमें से 500 अफसर, 28 सुपरवाइजर, 625 कामगार (स्थायी) हैं. वहीं 1627 कामगार अस्थायी हैं, जिनका अगस्त माह में कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो चुका है. जानकारी के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों में झिझक बनी हुई है कि काम के दौरान अगर उनके साथ कोई घटना घट जाती है, तो जवाबदेही किसकी होगी. बता दें एचईसीकर्मियों का 18 महीने का वेतन बकाया है.

पिछले पांच सालों से घाटे में है एचईसी : केंद्र सरकार ने संसद में बताया था कि एचईसी पांच साल से घाटे में है. इसके मुताबिक, 2018-19 में 93.67 करोड़, 2019-20 में 405.37 करोड़, 2020-21 में 175.78 करोड़ , 2021-22 में 256.07 करोड़ और 2022-23 में 283.58 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है.

ब्रीफ खबरें

अवैध कोयला लदा ट्रक पुलिस ने किया जब्त

डुमरी । गिरिडीह के डुमरी में पुलिस ने अवैध कोयला लदा ट्रक पकड़ा. अवैध कोयला परिवहन की रोकथाम को लेकर एसपी के निर्देश पर चलाये जा रहे चेकिंग के दौरान 24 नवंबर की रात जीटी रोड कुलगो टोल प्लाजा के पास अवैध कोयला लदा ट्रक डब्लूबी37डी-6737 और बीआर-06जीडी-8252 को खनन विभाग और डुमरी पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर पकड़ा. इस संबंध में अवैध उत्खनन, परिवहन कार्यों में संलिप्त व्यक्ति, ट्रक चालक, ट्रक मालिक के विरूद्ध मामला दर्ज कर लिया गया.

आज लगेगा विधिक जागरूकता शिविर

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में विधिक जागरुकता शिविर को लेकर बैठक हुई. मौके पर बीडीओ रौशन कुमार ने कहा कि विधिक जागरुकता शिविर में अंचल पदाधिकारी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, बाल विकास पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, तकनीकी पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, शिक्षा पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी के अलावे सभी सभी बैंक प्रबंधक, प्रखंड के सभी कनीय अभियंता, जेएसएलपीएस के कार्यक्रम पदाधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन के पदाधिकारी मौजूद थे.

वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

मैथन । एग्यारकुंड प्रखंड कार्यालय के सभागार में वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शनिवार को संपन्न हो गया. मौके पर वार्ड सदस्यों ने ट्रेनर रमेश सिंह चौधरी, नमिता कुमारी एवं आशा कुमारी को सादे समारोह में विदाई व सम्मानित किया. वार्ड सदस्य संघ अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने कहा कि ट्रेनिंग में पंचायत की चहुंमुखी विकास में वार्ड सदस्यों की भूमिकाओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी. ट्रेनरों ने विस्तार व सरलता से आवश्यक जानकारी दी.

मधुबन पंचायत में बाल विवाह पर कार्यक्रम

कतरास । बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल मजदूरी पर शनिवार को मधुबन पंचायत सचिवालय में बैठक हुई. यह बैठक मधुबन पंचायत मुखिया कमलेश्वर प्रसाद महतो की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन प्रखंड समन्वयक भागीरथ सिंह ने किया. उन्होंने कहा कि कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फ़ाउन्डेशन सहयोगी झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट धनबाद के सहयोग से बाल विवाह मुक्त भारत के लिए ये कार्यक्रम बाघमारा प्रखंड में 150 गांवों में चलाया जाएगा.

सोलर जागरुकता शिविर हुआ आयोजित

मैथन । कुमारधुबी क्लब में शनिवार को झारखंड रिफ्रेक्टरी मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन चिरकुंडा की ओर से सोलर जागरुकता शिविर लगाया गया. शिविर में क्षेत्र के दर्जनों उद्योगपतियों एवं उसके प्रतिनिधि व गणमान्य लोग उपस्थित थे. ईस्ट जोन रिजिनल मार्केटिंग एक्सक्यूटिव रितिक पटनायक ने कहा कि टाटा पावर सोलर अनुकूलित सौर पैनल डिजाइन, स्थापना और रख रखाव सेवाओं सहित उद्योगों को व्यापक सौर समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है.

लोक अदालत का लाभ उठायें लोग : पीडीजे

लातेहार । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने आगामी नौ दिसंबर को व्यवहार न्यायालय परिसर में आहुत राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील जिलावासियों से की. उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में मामलों को लेकर राष्ट्रीय लोक अदालत में आयें और सुलभ व त्वरित न्याय पायें. पीडीजे अखिल कुमार शनिवार को अपने कार्यालय में नौ दिसंबर को आहुत राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर आयोजित बैठक में ये बातें कही.

3 को प्रथम राष्ट्रपति की जयंती मनाएंगे अधिवक्ता

जमशेदपुर । जमशेदपुर के पुराना कोर्ट परिसर में शनिवार को एक आम सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान मुख्य अतिथि के रुप में वरीय अधिवक्ता एवं नोटरी पब्लिक डीएन सिंह उपस्थित रहे वहीं विशिष्ट अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजकमल मिश्रा के साथ सम्मानित सदस्य वरीय अधिवक्ता परमपति भगत, लॉयर्स डिफेंस के अध्यक्ष अधिवक्ता परमजीत श्रीवास्तव मौजूद थे.

रांची पुलिस के एक इंस्पेक्टर का अपने से 15 वर्ष कम उम्र की एक लड़की से हुआ प्यार

35 साल वाली के चक्कर में पड़े 48 साल के साहब

विनीत उपाध्याय/सौरभ सिंह। रांची

कहते हैं कि जब किसी पर इश्क का भूत सवार होता है, तो उसे कुछ भी दिखाई नहीं देता. प्यार को पाने के लिए वो सारी हदें पार कर देता है. प्यार न तो उम्र देखता है और न ही जात-पात. लेकिन कभी-कभार इस प्यार का साइड इफेक्ट भी होता है और जब प्यार का साइड इफेक्ट होता है, तो आशिकी का भूत उतर भी जाता है. इसके बाद माशूका ही सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है. रांची पुलिस के एक इंस्पेक्टर साहब के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है. पहले उन्हें अपने से 15 वर्ष कम उम्र की एक लड़की से प्यार हुआ. फिर उससे तकरार हुई और अब मामला इतना बढ़ गया कि इंस्पेक्टर साहब के प्यार का पंचनामा हो गया.

लगाया आरोप

- इंस्पेक्टर पर एक महिला ने कई संगीन आरोप लगाए
- इंस्पेक्टर साहब को बचाने के लिए डीएसपी साहब कूदे

महिला ने इंस्पेक्टर साहब पर लगाये कई संगीन आरोप

दरअसल रांची में तैनात इंस्पेक्टर जो एक थाना के प्रभारी की भी भूमिका में हैं, उनपर एक महिला ने कई संगीन आरोप लगाये हैं. महिला ने आरोप लगाया है कि इंस्पेक्टर साहब ने झूठ बोल कर उसे अपने प्यार में पहले फंसाया और फिर उसके साथ शारीरिक शोषण किया. इंस्पेक्टर साहब पर लगा था और आरोप लगाने वाली महिला को कानूनी दांव पेंच बखूबी आते थे. ऐसे में इंस्पेक्टर साहब को बचाने के लिए उस इलाके के डीएसपी साहब इस मामले में कूद पड़े. महिला को पहले पावर का धौंस दिखाया गया, लेकिन जब पावर से काम न चला, तो उसे पैसे का लालच दिया गया. खैर महिला ने इंस्पेक्टर साहब की लिखित शिकायत जिले के वरीय पदाधिकारियों को दे दी है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ लीपापोती ही दिखाई दे रही है.

धनबाद मंडल कारा में छापेमारी, कई प्रतिबंधित सामान हुए बरामद

धनबाद । धनबाद मंडल कारा में शनिवार की सुबह डीसी वरुण् रंजन व एडीएम की मौजूदगी में पुलिस अधिकारियों की टीम ने औचक छापेमारी की. जेल के पुरुष और महिला कैदी वार्डों की सघन तलाशी ली गई. इस दौरान वार्डों से सीरीज लाइट, लाइटर समेत कई प्रतिबंधित सामान बरामद किए गए. छापेमारी अभियान में शामिल एसडीएम लॉ एंड ऑर्डर उदय रजक ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई. बताया गया कि तलाशी अभियान में विभिन्न कैदी वार्डों से धारदार चम्मच, सीरीज लाइट, लाइटर, सिगरेट के खाली डिब्बे, खैनी, चुनौटी, 4 शीशी सेंट व अन्य आपत्तिजनक चीजें बरामद की गईं.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम महासचिव कौन थे – त्रिग्वेली
- कालीबंगा राजस्थान के किस जिले में स्थित है – हनुमानगढ़
- कोलकाता नाइट राइडर्स का नया मेंटर – गौतम गंभीर
- महावीर ने जैन धर्म में कौन–सा सिद्धांत जोड़ा था – ब्रह्मचर्य
- किस राज्य में महल नगर है – हिमाचल प्रदेश
- चेचक किसके कारण होता है – वायरस
- शाहजहां की बेगम का क्या नाम था – मुमताज
- किस राज्य में सेफ सिटी परियोजना शुरू की गई है – उत्तर प्रदेश
- शरीर में सबसे व्यस्त अंग कौन सा है – हार्ट
- मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी कहां स्थानांतरित की थी – दौलताबाद

झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) के बैनर तले ग्रामीणों ने दिया धरना

शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना

संवाददाता। सिंदरी

झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) के बैनर तले ग्रामीणों ने शनिवार को अनिश्चितकालीन महाधरना शुरू किया. ग्रामीणों ने छातातांड़ पंचायत के 20 ठेकाकर्मियों को स्थायी रूप से नियोजन से हटाने और सीएसआर फंड का फायदा ग्रामीणों तक नहीं पहुंचने का विरोध करते हुए ग्रामीणों ने एसीसी सिमेंट फैक्ट्री सिंदरी के गेट नंबर 3 पर शनिवार से अनिश्चितकालीन महाधरना शुरू कर किया. उनकी मांग है कि छातातांड़ पंचायत के ग्रामीण एसीसी फैक्ट्री के प्रदूषण की मार झेल रहे हैं. उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और नियोजन का फायदा मिलना चाहिए. अनिश्चितकालीन महाधरना की अगुवाई कर रहे जेबीकेएसएस नेता आशीष महतो ने कहा कि विगत नवंबर 2020 को एसीसी सिंदरी फैक्ट्री प्रबंधन ने छातातांड़ पंचायत के 20 ठेकाकर्मियों पर झूठा केस दर्ज कर उन्हें काम से हटा दिया था. उनकी स्थिति दयनीय हो गई है. इसके साथ ही छातातांड़ पंचायत के ग्रामीण फैक्ट्री का प्रदूषण झेल रहे हैं.

प्रबंधन छातातांड़ पंचायत के ग्रामीणों को सीएसआर का फायदा नहीं दे रही है. प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और चिकित्सा की सुविधा प्रबंधन उपलब्ध नहीं कराकर अन्याय कर रही है. जिला परिषद 25 सदस्य उषा महतो ने कहा कि जेबीकेएसएस ग्रामीणों के साथ है और प्रबंधन इस पर वार्ता नहीं करती है तो ग्रामीण भूख हड़ताल के लिए विवश हो जाएंगे. उन्होंने कहा कि एसीसी प्रबंधन स्थानीय लोगों को बाहर कर बाहरी लोगों से काम करा रही है. सरकार के 75 प्रतिशत नियोजन की गारंटी खोखली योजना साबित हो रही है. अनिश्चितकालीन धरना में फूलचंद महतो, सत्यजीत महतो, रोहित कुमार महतो, कुश महतो, आशीष महतो, पिन्टू महतो, करण महतो, सुमित्रा देवी, फूलकुमारी देवी, सुनिता देवी, अनिता देवी, सविता कुमारी, सावित्री देवी, मीरा देवी, मिथिला देवी, विदिशा महतो सहित दर्जनों ग्रामीण युवक और महिलाएं शामिल थे.

ग्रामीण नाराज

- ग्रामीण एसीसी फैक्ट्री के प्रदूषण की मार झेल रहे हैं
- ग्रामीणों को नियोजन का फायदा मिलना चाहिए

आदिवासियों का आंदोलन चौथे दिन भी रहा जारी

बरोरा । बरोरा क्षेत्र संख्या एक अंतर्गत संचालित मुराईडीह माइनप भूमिगत खदान आउटसोर्सिंग कंपनी माइनप में जमीन के बदले नियोजन की मांग को लेकर रैयत मानो देवी व उसके पति मनसा टुडू के नेतृत्व में आदिवासियों का आंदोलन शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा. प्रबंधन द्वारा मांगों पर किसी तरह की पहल नहीं किये जाने पर आक्रोशित आदिवासी माइनप कंपनी का गेट खोलकर अंदर घुसकर धरने पर बैठ गये. सूचना पाकर बरोरा थाना प्रभारी नंदुपाल पहुंचे. लोगों को समझा बुझाकर गेट के बाहर आंदोलन करने को कहा, लेकिन लोग नहीं माने और गेट के अंदर ही धरना पर बैठने पर अड़ गये. माइनप परिसर में बीसीसीएल एवं आउटसोर्सिंग कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

न्यू मधुबन वाशरी का चक्का जाम दूसरे दिन भी जारी

बाघमारा । ब्लॉक दो क्षेत्र के न्यू मधुबन कोल वाशरी में स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार की मांग को लेकर ग्रामीण अधिकार मंच द्वारा किया गया अनिश्चितकालीन आंदोलन शनिवार दूसरे दिन भी जारी रहा. जानकारी के अनुसार न्यू मधुबन वाशरी में कामकाज ठप रहने को लेकर दिन 12 बजे परियोजना पदाधिकारी राजेश कुमार ने आंदोलनकारियों को समझाकर काम चालू कराने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों के आक्रोश के कारण उन्हें वापस जाना पड़ा.

वाशरी का काम ठप रहने से बीसीसीएल को प्रति दिन लाखों का नुकसान उठाना पड़ रहा है. ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे खानुडीह पंचायत के पूर्व मुखिया गोपाल महतो, शंकर महतो एवं पिंकू पांडेय ने कहा कि जब तक स्थानीय बेरोजगार ग्रामीणों को वाशरी में रोजगार नहीं दिया जाता तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन पर स्थानीय बेरोजगारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया. मौके पर आंदोलन कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि उनलोगों को उनके अधिकार से वंचित रखा जा रहा है. मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि झारखंड सरकार भी स्थानीय बेरोजगारों को कल–कारखानों में 75 प्रतिशत रोजगार से जोड़ने की बात कहती है. मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनलोगों का मांग पूरा नहीं होगा वे लोग यहां से नहीं हटेंगे. मौके पर अमृत मांझी, देवानंद महतो, राजेश महतो, तुलसी रवानी, अंजन पांडेय, अर्जुन महतो, कुलदीप पांडेय, रंजीत पांडेय, रघु मंडल, गोविंद रविदास, अनिल हाड़ी, गौतम रविदास, विजय रविदास, गुड्डू हाड़ी, बैजनाथ महतो, प्रदीप महतो, कामेश्वर महतो, राजु रजवार, कमलेश महतो, मालो देवी, कुंती देवी, शांति देवी, पायल देवी, सकरी देवी और बेबी देवी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे.

अब तक चालू नहीं हो सका है सदर अस्पताल का एमटीसी

संवाददाता। धनबाद

सदर अस्पताल में माल ट्रीटमेंट सेंटर (एमटीसी) अब तक चालू नहीं हो सका है. इसकी बड़ी वजह है कि पूर्व सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के कार्य अवधि में मुख्यालय को यह सूचना दे दी गई थी कि सदर अस्पताल में एमटीसी चालू है और कुपोषित बच्चों की देखभाल हो रही है. जबकि सच्चाई इसके इतर थी. वर्तमान सिविल सर्जन डॉ सीबी प्रतापन ने बताया कि मुख्यालय को यह जानकारी दे दी गई थी कि सदर अस्पताल में एमटीसी चालू है. जबकि यह गलत है. अब इसे सुधार करने में परेशानी आ रही है. अस्पताल में एमटीसी चालू करने के लिए जरूरी इक्वीपमेंट हैं और कमरा और कीचन भी बना ,है लेकिन मुख्यालय के आदेश के बिना अब इसे चालू करना मुश्किल हो गया है. हालांकि इस संदर्भ में प्रयास किया जा रहा है कि जल्द से जल्द एमटीसी शुरू हो. बताते चलें कि जन्म के बाद कुपोषित बच्चों को एमटीसी में रखकर उनकी देखभाल की जाती है. उन्हें बेहतर न्यीट्रिशियन और दवा उपलब्ध कराया जाता है. कुपोषित बच्चों के लिए एक अलग कीचन भी होता है. कुपोषित बच्चों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए सदर अस्पताल में चार माह पहले ही 10 बेड का एमटीसी शुरू करने की योजना थी.

जापान से पहुंची एनएचके की टीम

संवाददाता। महुदा

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट धनबाद द्वारा संचालित गतिविधियों एवं लाइवलीहुड रोजगार सृजित कार्यक्रमों तथा कार्य क्षेत्र को देखने एनएचके जापान के चीफ ब्यूरो, जेजीभीटी कार्यालय अहले सुबह पहुंचे. उक्त टीम में जापान के एनएचके चैनल के चीफ ब्यूरो टाटाको मातोमुरा एवं एनडीटीवी नई दिल्ली की महिला रिपोर्टर भी साथ थी. उक्त टीम ने पहले जेजीभीटी कार्यालय पहुंचकर कार्यालय का अवलोकन किया. तत्पश्चात ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मिलकर क्षेत्र भ्रमण का शेड्यूल तय किया.

इसके बाद टीम बाघमारा प्रखंड के कोयला क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वहां के निवासियों से भी मिले. इस टीम के नेतृत्व झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक शंकर रवानी कर रहे थे. इस अवसर पर कोयला क्षेत्र बेनीडीह साइडिंग, रसा के मैथन एवं धनबाद के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण किया.

योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका पर दो को सुनवाई

संवाददाता। रांची

शराब घोटाला मामले में जेल में बंद योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका पर अब दो दिसंबर को सुनवाई होगी. ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका पर आज शनिवार को सुनवाई हुई. जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 2 दिसंबर को मुकर्रर कर दी.

बता दें कि शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने 19 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद 14 दिनों तक ईडी ने रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की थी. योगेंद्र तिवारी ने पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश के सहयोग से राज्य के 19 जिलों में थोक शराब का टेंडर लिया था. योगेंद्र तिवारी ने बालू की तस्करी और अवैध तरीके से जमीन की खरीद बिक्री कर अर्जित आय को शराब कारोबार में लगाने का खुलासा ईडी की जांच में हुआ है. ईडी ने 23 अगस्त को 34 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी. इन ठिकानों में योगेंद्र तिवारी के देवघर स्थित होटल सिद्धार्थ के सामने स्थित गोदाम, बोंपास टाउन स्थित आवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी मेसर्स संथाल परगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड व जामताड़ा के दो ठिकाने शामिल हैं.

लातेहार में श्रम अधीक्षक ने चलाया जांच अभियान

लातेहार। राष्ट्रीय बाल अधिकारी संरक्षण आयोग एवं डीसी के निर्देश पर श्रम अधीक्षक लक्ष्मी कुमारी ने जिले के मनिका प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गैरज, होटल व अन्य प्रतिष्ठानों में बाल व अल्प व्यस्क श्रमिकों की जांच की. श्रम अधीक्षक ने बताया कि आयोग के निर्देश पर गत 20 नवंबर से आगामी दस दिसंबर तक एक अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान में बाल व अल्प व्यस्क श्रमिकों का बचाव व पुनर्वास की व्यवस्था की जायेगी. उन्होंने बताया कि सभी नियोक्ताओं को बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत सूचनाएं अपने प्रतिष्ठानों में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने कहा कि बाल श्रम कराना एक अपराध है. जांच अभियान में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी, श्रम अधीक्षक कार्यालय के सहायक रंजीत कुमार, विजय सिंह, रवि शंकर के अलावा बचपन बचाओ आंदोलन एवं मनिका पुलिस टीम शामिल थी.

2008 में अधिकारियों की टीम ने रेलवे क्वार्टरों को खतरनाक घोषित किया था

11427 रेलवे क्वार्टर की स्थिति जर्जर

संवाददाता। धनबाद

भले ही भारतीय रेलवे में 74 रेल मंडलों में धनबाद रेल मंडल कमाई के मामले में हर साल नंबर वन रहता है, लेकिन यहां खतरनाक आशियाने में 11427 रेलकर्मी परिवार की जिंदगी कट रही है. रेलवे सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल मंडल का क्षेत्र झारखंड, बिहार, यूपी व एमपी तक फैला है.

प्रधानखंटा-मानपुर, प्रधानखंटा-पाथरडीह, धनबाद-चंद्रपुरा, गोमो-बरकाकाना, बरकाकाना-सिंगरौली-चोपन रेलखंड के बीच 164 स्टेशन व हॉल्ट के आसपास 26 हजार रेलवे क्वार्टर हैं. रेलवे अधिकारियों व कर्मियों की टीम ने सर्वे कर पाया कि 11 हजार 427 रेलवे क्वार्टर की स्थिति काफी जर्जर और खतरनाक है. इसे तोड़कर वहां नए क्वार्टर का निर्माण करने की जरूरत है. वर्ष 2008 में अधिकारियों की टीम संबंधित रेलवे क्वार्टरों को खतरनाक घोषित कर सो गए. बताया जाता है कि 15 साल में धनबाद रेल मंडल के एक भी स्टेशन या हॉल्ट के आसपास किसी भी रेलवे कॉलोनी में जर्जर क्वार्टरों को ध्वस्त कर नया क्वार्टर नहीं बनाया. हील कॉलोनी, पुराना स्टेशन, रांगाटांड़, भूली रेलवे कॉलोनी, वाच एंड वार्ड, न्यू स्टेशन रेलवे कॉलोनी में रहनेवाले कई रेलकर्मी बताते हैं कि खतरनाक रेलवे क्वार्टरों में ठंड और गर्मी के मौसम में किसी तरह गुजारा कर लेते हैं. लेकिन बारिश के मौसम में तीन महीने काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. छत-दीवारें रिसती हैं. दीवारों पर कभी-कभी करंट दौड़ने लगता है. शिकायत के बाद भी अधिकारी नहीं सुनते हैं. सूत्रों के अनुसार जिस रेलकर्मियों के भरोसे धनबाद रेल मंडल को हर साल 26 हजार करोड़ की कमाई होती है. वहीं रेलकर्मी खतरनाक क्वार्टरों में रहने को विवश हैं. जिसकी सुध लेनेवाला कोई नहीं है. एक भी रेलवे के बड़े अधिकारी झांकने तक जाते हैं कि रेलकर्मी परिवार की जिंदगी क्वार्टरों में कैसे कट रही है. उन्हें काम से मतलब है. सिर्फ धनबाद में 23 रेलवे कॉलोनियों में 5023 रेलवे क्वार्टर हैं. जिसमें 2187 रेलवे क्वार.टर जर्जर है.

गंगा-सतलज समेत कई ट्रेनें हुईं डायवर्ट

धनबाद । गन्ने की कीमत में बढ़ोतरी की मांग को लेकर हजारों की संख्या में आंदोलन कर रहे किसानों के कारण पंजाब और जम्मू जाने वाली कई ट्रेनें प्रभावित हो गईं. धनबाद-फिरोजपुर गंगा-सतलज समेत कई ट्रेनें डायवर्ट होकर चलीं. जिसके कारण विलंब से धनबाद पहुंची. इसके अलावा गोमो होकर चलने वाली टाटा-अमृतसर और अमृतसर-टाटा जलियांवाला बाग को रद्द कर दिया गया. इसे टाटा-लुधियाना-टाटा के बीच चलाया गया. जालंधर, लुधियाना और अमृतसर तक जानेवाली कई ट्रेनें यमुनानगर तक जाकर लौट गई. इससे यात्रियों को चार दिनों तक काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. फिरोजपुर कैंट से डायवर्ट होकर चली गंगा-सतलज एक्सप्रेस शनिवार को पांच घंटे विलंब से पहुंची. रविवार को भी पांच से छड घंटे विलंब से धनबाद पहुंचेगी. वहीं किसान आंदोलन के कारण 25 और 26 नवंबर को धनबाद आनेवाली जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस 15 घंटे विलंब से चल रही है.

उद्यमी कुकड़ू प्रखंड के लेटेमदा पंचायत की बंदबीर गांव की रहने वाली गोंसाई मनी महतो

लाह उत्पादन कर गोंसाई मनी कमा रही है हजारों रुपये

संवाददाता। आदित्यपुर

आजीविका उत्पादक समूह से जुड़कर गोंसाई मनी महतो नामक महिला ने अपनी जिंदगी बदल ली है. आज वह लाह उत्पादन के साथ खेतों में सब्जियां उगाकर हजारों रुपये कमा रही है. साथ ही दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है.

सरायकेला जिले के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत लेटेमदा पंचायत की बंदबीर गांव की रहने वाली गोंसाई मनी महतो कहती है कि वह वर्ष 2017 में आशा आजीविका सखी मंडल और बांदाबीर आजीविका उत्पादक समूह से जुड़ी और आज 6 वर्षों में उसने अपनी जिंदगी बदल डाली है. वर्तमान में गोंसाई मनी महतो लाह उत्पादन के साथ सब्जियां उगाकर हजारों रुपए कमा रही है. खुद के साथ अपने परिवार को एक सुखी जीवन दे रही है. वह कहती है कि उसके परिवार में कुल 4 सदस्य हैं. घर का खर्च खेती और मजदूरी पर निर्भर था. वह 10 नवंबर 2017 को आशा आजीविका सखी मंडल से जुड़ी और नवंबर 2019 से बांदाबीर आजीविका उत्पादक समूह से जुड़ी थी. उत्पादक समूह से जुड़ने के दौरान उसे जोहार परियोजना के आईसीआरपीएफसी, बीपीएम एवं जिला के अन्य पदाधिकारी ने उच्च मूल्य कृषि एवं लाह की खेती की जानकारी दी.

इसके बाद उसे उच्च मूल्य कृषि करने की इच्छा हुई. उच्च मूल्य कृषि के लिए किसान मित्र दीदी के सहयोग से उसने जोहार परियोजना से फसल योजना के अनुसार फसल चयन किया और फसल योजना बनाई. इसके एवज में सहायता के तौर पर उत्पादक समूह से 3300 रुपये मिले. उन रुपयों से 30 डिसमिल जमीन में करेला और 25 डिसमिल में बैगन की खेती की. जोहार परियोजना के वरीय किसान मित्र से पीओपी प्रशिक्षण से खेत तैयार करना, नर्सरी तैयार करना, रोपाई करना, समय-समय पर दवा का छिड़काव करने संबंधी जानकारी ली. फिर स्वयं उच्च मूल्य कृषि में टमाटर और बैंगन की खेती करने लगी.

इससे उसे 12000 के खर्च पर 25,000 रुपए मुनाफा हुआ. साथ ही लाह की फसल के लिए 2000 रुपये सहायता मिली. इससे उसे दोगुनी कमाई हुई. आज गोसाईं मनी लाह की खेती और सब्जियां उगाकर हजारों रुपए महीना कमा रही है. बताती है कि इससे मेरा परिवार खुश है. दूसरी महिलाओं को आजीविका समूह से जोड़कर उन्हें सुखी जीवन देने का प्रयास कर रही है.

बदली जिंदगी

- दूसरों के लिए गोसाईं मनी बनी है प्रेरणास्रोत
- वर्ष 2017 में आशा आजीविका सखी मंडल से जुड़ी गोसाईं

9वीं वाहिनी एनडीआरएफ ने मनाया सद्भावना दिवस

संवाददाता। रांची

आरआरसी रांची 9वीं वाहिनी एनडीआरएफ ने शनिवार को सद्भावना दिवस मनाया. इस दिवस का आयोजन सभी धर्मों के बीच सामुदायिक समरसता, राष्ट्रीय एकता, शान्ति, प्यार और लगाव को लोगों में बढ़ावा देने के लिए किया जाता है. इसमें एनडीआरएफ के बचावकर्मियों के द्वारा धुर्वा एरिया में पैदल मार्च का आयोजन किया गया. साथ ही लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता, शांति, प्यार और आपसी लगाव तथा एक दूसरे को सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया. इस मौके पर एनडीआरएफ के टीम कमांडर जितेश कुमार व उनके बचावकर्मी पूरी टीम के साथ भाग लिए.

ब्रीफ खबरें

अस्पताल में तनाव मुक्त शिविर का हुआ आयोजन

धनबाद । सदर अस्पताल, धनबाद में शनिवार को तनाव मुक्त शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में रांची से पहुंचे विशेषज्ञ मनोचिकित्सक डॉ रसूल ने 20 से अधिक मरीजों का इलाज किया. उन्हें उचित सलाह के साथ् निःशुल्क दवाएं भी दी गईं. डॉ रसूल ने लोगों को तनाव मुक्त रहने के तरीके भी बताए. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से विभिन्न जिलों में प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को तनाव मुक्त शिविर का आयोजन किया जाता है.

शिविर में नुक्कड़ नाटक रहा आकर्षण का केंद्र

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जा रहा है. शनिवार को चांडिल प्रखंड के रूदिया, ईचागढ़ प्रखंड के सीतू, नीमडीह प्रखंड के गुंडा और नगर परिषद कपाली के वार्ड संख्या 02 में शिविर लगाया गया. शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगाया गया था, जहां लाभुकों को उसका लाभ दिया जा रहा था. शिविरों में अबुआ आवास योजना के स्टॉल में ग्रामीणों की सबसे अधिक भीड़ उमड़ी.

सीसीएल कर्मी की ड्यूटी के दौरान मौत

बेरमो । सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र की एसडीओसीएम परियोजना की तारमी खदान में शनिवार की सुबह ड्यूटी के दौरान टीआर कैटेगरी-1 के पद पर कार्यरत सागर साव (58 वर्ष) की मौत हो गई. वह मकोली नीचे धौड़ा का रहनेवाला था. जानकारी के अनुसार, सागर साव कार्यस्थल पर अचानक अचेत होकर गिर गए. सहकर्मियों ने उन्हें तुरंत केन्द्रीय अस्पताल ढ़ोरी ले गए. चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया.

झारखंड में गिरेगा पारा, अब बढ़ेगी ठंढ़

रांची । झारखंड में 29 नवंबर से तापमान का पारा गिरेगा. मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 26 नवंबर को आंशिक रूप से बादल छाये रहेंगे. 27 और 28 नवंबर को बादल गहरा सकते हैं. हवा में नमी के कारण दिन में भी कोहरा जैसी स्थिति बन सकती है. बादल छंटने के बाद 29 नवंबर से ठंड बढ़ेगी. पांच डिग्री सेल्सियस तक तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है. गिरावट पांच डिग्री तक की दर्ज की जा सकती है. बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव के कारण हवा की दिशा में बदलाव होगा.

कुल्टी स्टेशन पर लगी आग, मची अफरा-तफरी

निरसा । झारखंड-बंगाल सीमा क्षेत्र अंतर्गत आसनसोल रेल मंडल के कुल्टी रेलवे स्टेशन परिसर में शनिवार सुबह आग लग गयी. इस अगलगी में वहां रखे केबल समेत अन्य सामग्रियां जलकर राख हो गयी. घटना के बाद रेलवे स्टेशन में अफरा-तफरी मच गयी. अगलगी की सूचना पाकर दमकल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गयी. समाचार लिखे जाने तक आग बुझाने का प्रयास जारी था. सूचना मिलने पर रेलवे के अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गये.

4 साप्ताहिक ट्रेनें 25 नवंबर से 5 दिसंबर के बीच रहेगी

जमशेदपुर । टाटानगर स्टेशन से गुजरने वाली चार साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों को रेलवे ने रद्द करने का आदेश जारी किया है. ये ट्रेनें 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक फेरा अनुसार रद्द रहेंगी. इन ट्रेनों में संतरागाछी-जबलपुर 29 और 30 नवंबर, शालीमार-भुज 25 नवंबर से 5 दिसंबर, शालीमार-उदयपुर 25 नवंबर से 3 दिसंबर और संतरागाछी-रानी कमलापति (हबीबगंज) साप्ताहिक एक्सप्रेस 29 और 30 नवंबर को रद्द रहेगी. जबकि साउथ में लाइन ब्लॉक के कारण शुक्रवार को टाटानगर-बेंगलुरु साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन बदले हुए मार्ग से चलेगी. इससे नायडावोलू, गुडीबडा व भीमावरम स्टेशन के बीच कई अन्य ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित होगा. दूसरी ओर लखनऊ मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण टाटानगर-अमृतसर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस को 29 नवंबर तक बदले मार्ग से चलेगी. यह ट्रेन जफराबाद से सुल्तानगंज होकर चलेगी. इससे बाराबंकी, अकबरपुर एवं फैजाबाद के यात्रियों को दिक्कत होगी.

चांडिल डैम व दलमा अभयारण्य में नवंबर महीने के अंतिम सप्ताह से सैलानियों का आना शुरू होता है

शुरू हुआ पिकनिक, नहीं हुआ पर्यटन स्थलों का विकास

दिलीप कुमार । चांडिल

पर्व-त्योहारों के बीत जाने के बाद अब नववर्ष के स्वागत का जश्न शुरू हो गया है. पर्यटन स्थलों पर दूर-दराज से सैलानियों का पहुंचना शुरू हो चुका है. चांडिल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चांडिल डैम, दलमा अभयारण्य और जयदा बुढ़ाबाबा मंदिर सहित अन्य पर्यटन स्थल नवंबर महीने के अंतिम सप्ताह से सैलानियों से गुलजार होने लगते हैं.

इन स्थलों में आकर सैलानी अपने को प्रकृति के निकट महसूस करते हैं. हर साल अंतिम वर्ष की विदाई और नववर्ष के स्वागत में दूर-दूर से सैलानी इन स्थलों में पहुंचते हैं और प्रकृति के

अनुपम उपहार और सौंदर्य को निहारते हैं. वैसे तो सालों भर इन पर्यटन और धार्मिक स्थलों में लोगों का आवागमन होता रहता है, पर नवंबर से फरवरी महीने तक हर दिन इन क्षेत्रों में सैलानियों की भारी भीड़ जुटती है.

सुविधा नहीं

- यहां सैलानी अपने को प्रकृति के निकट महसूस करते हैं
- नववर्ष के स्वागत में सैलानी इन स्थलों में पहुंचते हैं

प्रकृति की अनमोल सुंदरता वाले दर्शनीय स्थल, पहाड़ी वादियों के बीच से बहती नदियों को निहारना काफी मनमोहक लगता है. इन पर्यटक स्थलों के समग्र विकास को लेकर विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा तैयार की गई योजनाएं अब तक धरातल पर समग्र रूप से उतर नहीं पायी हैं.

उदासीनता के कारण गुमनाम है सोना झरना

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के अनुपम उपहारों में से एक है सुदूरवर्ती हेंसाकोचा गांव के दाराकोचा टोला स्थित सोना झरना. दाराकोचा का अनुपम सौंदर्य वाला सोना झरना गुमनामी के अंधेरे में है. सोना झरना चारों ओर हरे-भरे जंगलों से घिरा हुआ है. यहां करीब सौ फीट की ऊंचाई से झरने का पानी गिरता है. शोर-शराबे और प्रदूषण से दूर अनुपम सौंदर्य समेटा सोना झरना बरबस ही लोगों को अपनी और आकर्षित करती है. सोना झरना तक जाने के लिए पक्की सड़क नहीं है. सोना झरना तक जाने वाली सभी सड़कें हेंसाकोचा तक पक्की है. इसके बाद से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित सोना झरना तक पैदल ही जाना पड़ता है. कुछ ऐसा ही हाल पालना डैम का है. सौलानियों से भरा रहने वाला पालना डैम अब वीरान रहता है.

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- भारतीय फिल्मों के पितामह किसे कहा जाता है – धुंडीराज गोविंद फाल्के
- भारत में तंबाकू का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य – आंध्र प्रदेश
- वह मुगल बादशाह जिसने 15 वर्ष निर्वासित होकर गुजारे – हुमायूं
- नेपोलियन का अर्थ क्या है – घाटी का शेर
- किस राज्य में है अष्टमुडी झील – केरल
- रेडक्रॉस का मुख्यालय कहां है – जेनेवा
- किस ग्रह पर ग्रेट रेड स्पॉट की खोज की गई है – बृहस्पति
- खारे पानी मे पैदा होने बाले पौधो को कहा जाता है – लोफाइट्स
- भारत का सबसे छोटे जिला का नाम – माहे (पुडुचेरी)
- सैयद वंश के संस्थापक कौन थे – खिज्र खान

नगर पंचायत के करकट ग्राम में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

लाभुक को मिली प्रधानमंत्री आवास की प्रतीकात्मक चाबी

- शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ निष्पादन

संवाददाता । लातेहार

नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर एक करकट ग्राम में शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, सांसद प्रतिनिधि विवेक चंद्रवंशी, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, कार्यपालक दंडाधिकारी मोहन लाल मरांडी, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की, निवर्तमान उपाध्यक्ष नवीन कुमार सिन्हा व नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया.

शिविर में वार्ड एक व दो के ग्रामीणों की समस्याओं का निष्पादन किया गया. विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि जिन समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा होने लायक हैं, उसे तुरंत कर दिये जाने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ व जानकारी देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. शिविर में पीएम आवास की प्रतीकात्मक चाबी लाभुकों को सौंपी गयी और अन्य परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. शिविर में नगर पंचायत के द्वारा

आवास योजना, ट्रेड लाइसेंस, होल्डिंग व वॉटर टैक्स, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र का स्टॉल लगाया गया था. श्रम विभाग, आधार पंजीकरण, पशुपालन, बाल विकास परियोजना आदि के भी स्टॉल लगाये गये थे. शिविर में राशन कार्ड, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का प्रमाण पत्र, आवासीय एवं पेंशन प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु निबंधन, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के आवेदन जमा किये गये. मंच का संचालन नगर पंचायत के सिटी मैनेजर डॉ. आनंद किशोर दांगी ने किया. मौके पर सिटी मैनेजर जया लक्ष्मी भगत, राजकुमार वर्मा, कनीय अभियंता संदीप कुमार, संदीप बेदिया, संजीव कुमार, क्षेत्र पर्यवेक्षक रंधीर कपूर, राजस्व संग्रहणकर्ता राजू प्रसाद, स्पैरो के आदित्य कुमार आदि मौजूद थे.

पहुंचे लोग

- कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि ने किया
- शिविर में लाभुक को दिया गया पेंशन प्रमाण पत्र
- शिविर में श्रम विभाग का स्टॉल लगाया गया था

लोगों को ठगने का कार्य हो रहा है: जिप सदस्य

गोमो । तोपचांची जिला परिषद क्षेत्र संख्या एक के जिला परिषद सदस्य बिजली देवी ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार का तीसरा चरण के कार्यक्रम से जनता को कोई लाभ नहीं है. केवल शिविर कार्यक्रम में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं. आवेदनों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है. कम्बल और धोती साड़ी बांट कर लोगों को ठगने का कार्य हो रहा है. हमने पूर्व में मांग किया था कि निस्पादन की सूची पंचायत सचिवालय में साट दिया जाय, परन्तु सभी ने चुप्पी साध ली. प्रधानमंत्री आवास मनरेगा योजना, भूमि म्यूटेशन, लगान, रसीद, जमीन, भूमि खाता, प्लॉट में संशोधन, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र, पारिवारिक प्रमाण पत्र और भूमि प्रमाण पत्र ऐसे अनेक मामले के आवेदन पिछले दो शिविरों में दिए गए थे. आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. आवेदनकर्ता प्रखंड कार्यालय में पड़ताल करने पर त्रुटि निकाल कर सुविधा शुल्क की बात करते हैं.

विकास कार्यों को बढ़ाना है: सुषमा

संवाददाता । महुदा

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को लोहपट्टी एवं बागड़ा पंचायत सचिवालय में शिविर लगाया गया. जिसमें सभी विभाग के अधिकारीयों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओ को सुना एवं निष्पादन करने का आश्वासन दिया. इस दौरान दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से रखा. इस क्रम में दर्जनों जरूरतमंद लोगों को सर्वजन पेंशन, सोना सोबरन धोती-साड़ी, हरा राशन कार्ड, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, मुख्यमंत्री पशुधन तथा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि जैसी कई लोक-हितकारी योजनाओं का फार्म भरकर जमा किया. इस संबंध में बाघमारा बीडीओ सुषमा आनंद ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद

लोगों को अबुआ आवास, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, बिरसा हरित ग्राम, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि, मुख्यमंत्री पशुधन, सर्वजन पेंशन एवं अबुआ वीर अबुआ दिशोम जैसी योजनाओं के अंतर्गत लाभ देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के प्रमाण-पत्र भी निर्गत किये जाएंगे. इसके अलावे क्षेत्र के जनता तक लाभ पहुंचाने के लिए विकास कार्यों को हमें मिलकर आगे बढ़ाना है. सरकार की योजना को अंतिम पायदान पर खड़े जनता मालिक के दरवाजे तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है. मैं चाहूंगा की इस अभियान से जुड़कर आप सरकार की योजनाओं का लाभ लें एवं अपील करूंगा कि अपने आस-पास के जरुरतमंद साथियों को भी इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करें. मौके पर जिप सदस्य आशा देवी, मुखिया सुनिता देवी, पंसस अनिता देवी और मुखिया प्रतिनिधी रामेश्वर महतो मौजूद थे.

वृंदावनपुर में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

निरसा । एग्यारकुंड प्रखंड के वृंदावनपुर पंचायत सचिवालय में शनिवार को हेमंत सरकार की महात्वाकांक्षी योजना आपकी सरकार आपके द्वार पार्ट टू का आयोजन किया गया. आयोजन में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए. एग्यारकुंड प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार कर्मकार, पंचायत की मुखिया रीता रवानी, पंसस रेखा देवी,रंजन कुमार सिंह, झामुमो नेता विनोद सिंह, काजल चक्रवर्ती, रामनाथ सोरेन, बासुदेव महतो, विमल रवानी, कमल रवानी सहित अन्य गणमान्यों की उपस्थिति में द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सबर महिला बनी मुख्य अतिथि

संवाददाता । घाटशिला

उत्तरी मऊभंडार पंचायत की ओर से शनिवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन कीताडीह हुलगारिया मैदान में किया गया. शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) सतवीर रजक ने सबर महिला आलोमनी सबर को मुख्य अतिथि के रूप में नामित किया. शिविर की पहली लाभुक आलोमनी सबर के आवेदन का तत्काल समाधान किया गया. उसे आबुआ आवास योजना की स्वीकृति दी गई. अनुमंडल पदाधिकारी ने शिविर में लगाए गए विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया. स्टॉल पर अनुपस्थित पाए गए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता, बीपीआरओ तथा कृषि पदाधिकारी को शिविर में अनुपस्थित रहने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा को दिया. उन्होंने शिविर में पहुंचे पंचायत प्रतिनिधि सहित अन्य लोगों को पौधा भेंट कर स्वागत किया. मौके पर प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी सत्येंद्र सिंह मौजूद थे.

शिविर में सरकारी योजनाओं का पूरा उठाएं लाभ : बीडीओ

संवाददाता । चंदवा

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को सेरक पंचायत सचिवालय परिसर में शिविर लगाये गये. शिविर का उद्घाटन विधायक वैद्यनाथ राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार, अंचल अधिकारी जयशंकर पाठक, मुखिया अनिता भगत, झामुमो जिला अध्यक्ष मोतीलाल शाहदेव ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया.

मौके पर पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी. प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार ने कहा कि ग्रामीण अपनी शिकायत लिखित रूप से शिविर में रख सकते हैं. उनकी शिकायतों का जल्द निपटारा किया जायेगा. साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हें दिलाया जाएगा. राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ लोगों को आगे आकर उठाना चाहिये. शिविर में परिसंपत्ति भी बांटे गये. मौके पर ग्रामीणों को समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए भी प्रेरित किया गया. शिविर में ऑन द स्पॉट कई आवेदनों का निपटारा हुआ.

9 पंचायतों में हुए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

बोकारो । बोकारो जिले में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को 9 पंचायतों में शिविर लगा. इसमें लोगों से योजनाओं की लाभ से संबधित आवेदन लिए गए. साथ ही उन्हें योजनाओं की जानकारी दी गई. इस दौरान चास प्रखंड के गोड़ावाली उत्तरी, गोड़ावाली दक्षिणी, माराफारी पुनर्वास, चास नगर निगम के वार्ड नंबर 24 व 25 के तेलीडीह स्कूल, चंदनकियारी प्रखंड के नायवन पंचायत भवन, नावाडीह प्रखंड की पोखरिया पंचायत, पेटरवार प्रखंड की पतकी पंचायत, बेरमो प्रखंड के गोविंदपुर बी में शिविर का आयोजन हुआ. शिविर में वरीय अधिकारी व नोडल अधिकारी उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान अबुआ आवास, कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, आपूर्ति, पंचायती राज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मनरेगा, पेयजल एवं स्वच्छता, कृषि सहकारिता पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य, जेएसएलपीएस के स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी दी गई.

चिरकुंडा में लाभुकों ने किया हंगामा

संवाददाता । मैथन

चिरकुंडा नगर पारिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या दो स्थित मुंडापाड़ा के सामुदायिक भवन में शनिवार को आयोजित आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा से जुड़े कर्मचारियों व पदाधिकारियों के नहीं रहने के कारण दर्जनों लाभुकों ने हंगामा किया. लाभकों का कहना था कि जब उनकी समस्याओं का समाधान ही नहीं होगा तो सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का औचित्य ही क्या है.

कार्यक्रम में पहुंचे युवा राजद के जिलाध्यक्ष बिट्टू मिश्रा ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम फेज 2 को बदनाम किया जा रहा है. कहा कि शनिवार को नगर परिषद के सभी पदाधिकारी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम से नदारद रहे. नोडल अधिकारी अरुण कुमार भी कई घंटे गायब रहने के बाद नजर आये. कार्यक्रम में जनता के लिए मौलिक सुविधा पानी व शौचालय तक की व्यवस्था नहीं की गई थी. जिसके

हुआ हंगामा

- सभी पदाधिकारी कार्यक्रम से नदारत थे
- नोडल अधिकारी भी कई घंटे से गायब थे

कारण खास कर महिलाओं को काफी परेशानी झेलनी पड़ी. अबुआ आवास योजना, राशनकार्ड, आधार कार्ड आदि के लिए फार्म नहीं मिल रहा है. किसी भी टेबल पर सूचना तक नहीं है कि किस टेबल पर क्या काम हो रहा है. कार्यक्रम के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करने का काम किया जा रहा है. जनता के बीच कोई सूचना भी नहीं पहुंच पा रही, जिसके कारण लोग भी नहीं पहुंच पा रहे.

इस प्रकार अगर इसी तरह यह कार्यक्रम चलता रहा तो जनता के बीच गलत मेसेज जाएगा और हेमंत सरकार की बदनामी होगी. वहीं निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि प्रो. अरूण कुमार ने कहा कि वह सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर मौजुद रहे, अंचल, मेडिकल व बिजली विभाग के टीम के अलावे सभी नदारद रहे. वहीं खाद्य सुरक्षा से संबंधित कोई भी पदाधिकारी मौजूद नहीं थे.

पुटकी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे लोग

पुटकी । पुटकी माडा अंचल कार्यालय में शनिवार को झारखंड सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पुटकी के माडा अंचल कार्यालय मे किया गया. जिसमें मुख्य रूप से धनबाद नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, सीओ विकास आनन्द, सहायक आयुक्त प्रकाश कुमार, दीपक कुमार, रजनीश लाल को माडा अंचल प्रभारी अशलम ने फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया. वहीं नगर आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना आम जनता की सहूलियत के लिये लगाया गया है. जितनी भी आवेदन मिले हैं सभी पर विचार कर जल्द ही निष्पादन किया जायेगा. वहीं विभिन्न विभागों द्वारा दर्जनों स्टॉल लगाकर लोगों की समस्या का निदान किया गया. जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, पशु स्वास्थ्य, विधुत स्टॉल, ग्रामीणों को ऋण, सोना सोबरन, जलापूर्ति, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विकास योजना 15 वित्त आयोग, एनयूएलएम, स्ट्रीट लाइट आदि अन्य स्टॉल लगाया गया.

संकट इसके बनने से हाउसिंग कॉलोनी के 20 हजार लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध हो सकेगा

बागबेड़ा जलापूर्ति योजना के फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य बंद

संवाददाता । जमशेदपुर

आदित्यपुर मोड़ स्थित वोल्टास बिल्डिंग के समीप बन रहे बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना के फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य बंद कर दिया गया है. इससे लोगों में आक्रोश है. एक करोड़ 88 लाख 69 हजार 710 रुपये की लागत से इसका निर्माण किया जाना है. इसके बन जाने से हाउसिंग कॉलोनी के 1140 घरों में रहने वाले 20 हजार लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध हो सकेगा. बताया जा रहा है कि झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर 27 अप्रैल से फिल्टर प्लांट का कार्य चल रहा था. बीच में झारखंड सरकार के मंत्री बन्ना गुप्ता एवं विधायक संजीव सरदार के द्वारा

निर्माणाधीन फिल्टर प्लांट.

16 सितंबर को शिलान्यास करने के बाद अचानक ही कार्य को बंद कर दिया गया. इस पर न तो सम्बंधित विभाग के पास कोई जवाब है और ही जनप्रतिनिधि के पास. सभी मौन धारण किये हुए हैं.

लोग परेशान

- एक करोड़ 88 लाख 69 हजार की लागत से बनेगा
- 27 अप्रैल से फिल्टर प्लांट का कार्य चल रहा है

बंद कार्य को अविलंब शुरू करने की मांग

बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने कार्य बंद कर दिए जाने पर नाराजगी जताते हुए फिर से एक बार न्यायालय की शरण में जाने की घोषणा की है. उन्होंने आशंका जताई है कि इस योजना के लिए स्वीकृत राशि का गबन हो सकता है. उन्होंने मांग की है कि सम्बंधित विभाग द्वारा इस कार्य को अविलंब शुरू किया जाए और जो वादा न्यायालय में किया गया है, 15 महीना के अंदर फिल्टर प्लांट का निर्माण कर शुद्ध पेयजल, उपलब्ध कराने का उसे पूरा किया जाए. क्योंकि कार्य अवधि के आठ माह समाप्त हो चुके है. इस मामले पर जब पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कई बार रिंग होने के बावजूद फोन नहीं उठाया. इससे सरकारी बाबुओं की मनमानी साफ दिखाई देती है.

शिविर में सभी आवेदनों का निष्पादन होगा: विनोद कुमार

संवाददाता । गोविंदपुर

अमरपुर एवं जियलगढ़ा पंचायत सचिवालय में सरकार आपके द्वार शिविर लगा. प्रखंड के नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने कहा कि शिविर में आने वाले सभी आवेदनों का निष्पादन होगा. यदि आवेदनों के निष्पादन में कोई अधिकारी आनाकानी करते हैं तो जनता उनसे बेहिचक शिकायत कर सकती है. मामला लंबित रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी. इसके पूर्व बीडीओ जहीर आलम, जिप सदस्य सोहराब अंसारी एवं मुखिया सोनी खातून ने शिविर का विधिवत उद्घाटन किया. उधर जियलगढ़ा पंचायत सचिवालय में प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, सीओ रामजी वर्मा, मुखिया रेशम कुमारी, जिप सदस्य नाजिश रहमानी, श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, डॉ विशेश्वर कुमार, बैंक प्रबंधक रुस्तम अंसारी व पूजा राय आदि की उपस्थिति में शिविर का विधिवत उद्घाटन हुआ.

ब्रीफ खबरें

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को ठोका, घायल

घाटशिला । गालूडीह थाना क्षेत्र के बाघुरिया पंचायत अंतर्गत भुरुडांगा गांव निवासी विजय कुमार महतो अपने बाइक से धान कटनी कर बड़ाखुर्सी गांव लौट रहे थे. इस दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें धक्का मार दिया. इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना की सूचना मिलने पर उनके छोटे भाई कुशल सिंह मौके पर पहुंचे और उन्हें अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया. घायल का प्राथमिक उपचार कर चिकित्सक डॉ. मोगली मुर्मू ने एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया.

कार दुर्घटनाग्रस्त, महिला घायल

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बरसोल थाना अंतर्गत एनएच 49 पर अजंता होटल के समीप डिवाइडर से टकराकर होंडा मोबिलियो कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इसमें पांच लोग सवार थे. कार में सवार एक महिला कल्याणी खाबास गंभीर रूप से घायल हो गई है. वह कोलकाता साल्ट लेक की रहने वाली है. मौके पर पहुंची हाईवे पेट्रोलिंग पुलिस ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. वहां गंभीर स्थिति को देखते हुए कोलकाता रेफर कर दिया गया.

महिला का सिर कुचला शव बरामद

खूंटी । जिले के खूंटी थाना क्षेत्र स्थित बाजार टांड़ परिसर में शनिवार सुबह एक महिला का शव बरामद हुआ है. महिला का सिर कुचला हुआ है. प्रथम दृष्टया से लग रहा है कि महिला का सिर कूचकर हत्या कर दी गयी है. घटना की जानकारी मिलते ही खूंटी एसडीपीओ अमित कुमार, खूंटी थाना प्रभारी पिंकु कुमार यादव मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है.

पुलिसकर्मियों का होगा ट्रांसफर-पोस्टिंग

रांची । लोकसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड पुलिस में बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग होगी. पुलिसकर्मियों की दो से तीन चरणों में ट्रांसफर-पोस्टिंग की जाएगी. 20 दिसंबर तक पुलिसकर्मियों की ट्रांसफर पोस्टिंग की जाएगी. एक जिले में तीन साल से कार्यरत पुलिस पदाधिकारी और कर्मी को चुनाव आयोग के दिशा निर्देशानुसार ट्रांसफर पोस्टिंग की जाएगी. जिसे लेकर राज्य पुलिस मुख्यालय द्वारा तैयारी कर ली गई है.

करंट की चपेट में आकर राजमिस्त्री की मौत

जमशेदपुर । जमशेदपुर के उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर 5 में निर्माणाधीन भवन में काम करने के दौरान 28 वर्षीय सादिक शेख हाईटेंशन तार की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया. आनन-फानन में उसे सहकर्मियों ने इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया. वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सादिक मूल रूप से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का रहने वाला था और फिलहाल बोड़ाम के बोटा में रहता था. उसकी पत्नी और पांच बच्चे हैं.

दो बाइक में टक्कर व्यवसायी घायल

गोमो । हरिहरपुर थाना क्षेत्र के सतकिरा मोड़ के समीप एनएच टू पर शनिवार को दो बाइक के बीच टक्कर में गोमो तेली मोहल्ला के व्यवसायी सोनू गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए. उनके सिर में गंभीर चोट लगी है. सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस की मदद से घायल को स्थानीय अस्पताल में ले गए. वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एसएनएमएमसीएच धनबाद ले गए. व्यवसायिक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है. घायल सोनू ने हेलमेट नहीं पहनी थी.

चिरकुंडा में तालाब से क्षत-विक्षत शव बरामद

मैथन । चिरकुंडा थाना क्षेत्र के नेहरू रोड काली मंदिर के समीप विश्वनाथ मुखर्जी के तालाब से शुक्रवार की देर रात एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया. तालाब से आ रही तेज दुर्गंध से विश्वनाथ मुखर्जी को शक हुआ. रात के अंधेर में टॉर्च जलाकर देखा तो उनके होश उड़ गए. शव पानी सतह पर तैर रहा था. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना झामुमो नेता रंजीत बाउरी और चिरकुंडा थाना पुलिस को दी.

लड़कियों की आपत्तिजनक फोटो बनानेवाला मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार

- आरोपी के पास से लड़कियों के कई फोटो और इंस्टाग्राम के फेक आईडी का स्क्रीनशॉट बरमाद किया गया है

संवाददाता । रांची

लड़कियों के फोटो को एडिट कर आपत्तिजनक फोटो बनाने के आरोपी को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. विवेक कुमार नाम के युवक को बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया गया है. उसके पास से मोबाइल भी बरामद किये गये हैं, जिनमें लड़कियों के कई फोटो और इंस्टाग्राम के फेक आईडी का स्क्रीनशॉट पाया गया है. एसपी राजकुमार मेहता ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की जानकारी दी. **लड़कियों को फोटो भेज करता था परेशान :** एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि एडिट कर आपत्तिजनक फोटो बनाकर परेशान करने के मामले में लालपुर थाना में पास्को एक्ट और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. जिसमें एक शैक्षणिक संस्थान की कुछ लड़कियों को उनका एडिट कर बनाया गया आपत्तिजनक फोटो इंस्टाग्राम में भेज कर परेशान किया जा रहा था. इस मामले में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए बिहार के मुजफ्फरपुर से विवेक कुमार नाम के युवक को गिरफ्तार किया. विवेक कुमार फेसबुक में एक लड़की का दोस्त बन कर फोटो प्राप्त करता था और इस घटना को अंजाम देता था. **डीपफेक फोटो से न्यूड वीडियो में जोड़ कर उसे वायरल कर देता था :** सिटी एसपी मेहता ने बताया कि गिरफ्तार विवेक एक शातिर अपराधी है. विवेक ने सबसे पहले सोशल मीडिया पर अपने आप को अमीर बताते हुए अपनी एक प्रोफाइल क्रिएट की थी. उस प्रोफाइल के आधार पर ही उसने रांची की एक लड़की के साथ दोस्ती की और फिर उसे अपने जाल में फंसा कर उसकी आपत्तिजनक तस्वीर हासिल कर ली. इसके बाद विवेक ने उस लड़की को ब्लैकमेल करना शुरू किया. वह इस लड़की से उसकी दोस्तों की भी न्यूड फोटो मंगाया करता था और फिर उन्हें डीपफेक फोटो के जरिए न्यूड वीडियो में जोड़ कर वायरल कर देता था.

आओ जानें

पॉस्को एक्ट के तहत हुई गिरफ्तार

रांची	: 593	रामगढ़	: 157
खूंटी	: 138	कोडरमा	: 96
गुमला	: 238	गिरिडीह	: 341
लोहरदगा	: 250	धनबाद	: 186
सिमडेगा	: 131	बोकारो	: 253
चाईबासा	: 243	दुमका	: 255
जमशेदपुर	: 228	देवघर	: 243
सरायकेला	: 160	पाकुड	: 136
गढ़वा	: 406	साहेबगंज	: 232
पलामू	: 354	गोड्डा	: 229
लातेहार	: 240	जामताड़ा	: 58
हजारीबाग	: 333	रेल जमशेदपुर	: 05
चतरा	: 211	रेल धनबाद	: 19

पुलिस ने छह साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

27 मोबाइल फोन और 32 सिम कार्ड बरामद किया गया

संवाददाता । गिरिडीह

गिरिडीह पुलिस साइबर अपराध के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है. पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है. इस बार पुलिस ने बेंगाबाद और गांडेय थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर आधा दर्जन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने 27 मोबाइल फोन व 32 सिम कार्ड बरामद किया है. इस बात की जानकारी एसपी दीपक कुमार शर्मा ने शनिवार को पपरवाटांड़ स्थित पुलिस ऑफिस में प्रेस वार्ता कर दी.

उन्होंने बताया कि साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए गिरिडीह पुलिस के द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इसी अभियान के तहत गांडेय और बेंगाबाद थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. छापेमारी दल में मुख्य रूप से पुलिस निरीक्षक सह साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, पुअनि गौरव कुमार, पुअनि सुबल दे, पुअनि श्याम बाबू राठौर, साकेत वर्मा, जितेंद्र नाथ महतो, विकास कुमार सिंह, सुरेश यादव आदि शामिल थे. **इन अपराधियों की हुई गिरफ्तारी :** गिरफ्तार साइबर अपराधियों में बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मानसिंहडीह निवासी राहुल कुमार मंडल, चंदन कुमार, मंडाडीह निवासी कृष्णा साव और गांडेय थाना क्षेत्र के मरगोडीह निवासी भीम मंडल, आसानबोनी निवासी बिनोद मंडल और मुकेश मंडल शामिल है. इन 6 साइबर अपराधियों के पास से पुलिस ने 27 मोबाइल फोन और 32 सिम कार्ड बरामद किए हैं. **मातृत्व लाभ का लालच देकर करते थे ठगी :** एसपी ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी गर्भवती महिलाओं के मोबाइल नंबर पर कॉल करके उन्हें मातृत्व लाभ की राशि के रूप में 6300 दिलाने का झांसा देकर ठगी करते थे. इसके अलावा उन लोगों के द्वारा फर्जी बिजली विभाग का अधिकारी बनकर बिजली बिल का बकाया भुगतान राशि जमा करने के लिए डराते थे और फिर उन लोगों से बकाया बिजली बिल जमा करने के नाम पर ठगी करते थे. इसके अलावा ये सभी साइबर अपराधी बिजली मित्र एप के माध्यम से भी लोगों के वॉलेट का नंबर प्राप्त कर उन्हें कॉल कर पैसों की ठगी करते थे. वहीं, साथ ही साथ ये सभी साइबर अपराधी गलफ्रेंड व्हाट्सएप ऐप एवं डाक पे के माध्यम से इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के खाता धारकों के साथ भी ठगी करते थे.

प्रतिबिंब पोर्टल से साइबर अपराध कम करने की दी गई जानकारी

संवाददाता । रांची

प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर अपराध कम करने के लिए जिलों के एसपी को जानकारी दी गई. एडीजी अभियान के आदेश पर शनिवार को जामताड़ा एसपी के द्वारा सभी जिले एसपी के साथ प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर अपराध को कम करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रस्तुतिकरण के संबंध में एक बैठक आयोजित किया गया. बताते चलें कि साइबर अपराध को रोकने के लिए सीआईडी झारखंड का ऐप 'प्रतिबिंब' पूरे देश के लिए मॉडल बनेगा. केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली संस्था आई4सी की पहल पर झारखंड सीआईडी ने 'प्रतिबिंब' के इस्तेमाल की अनुमति दूसरे राज्यों को भी दी है. इन राज्यों की पुलिस को इसका लॉगिन व आईडी दिया गया है.

14 जिलों में सड़क हादसों में मृतकों की संख्या बढ़ी, रांची पहले नंबर पर

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड के 14 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है. जबकि दस जिलों में कमी आयी है. झारखंड पुलिस मुख्यालय के रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में साल 2022 की तुलना में 2023 में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है. साल 2022 में जहां हर दिन सड़क दुर्घटना में 10 लोगों की मौत होती थी, वहीं साल 2023 में यह संख्या बढ़कर 12 हो गयी है. झारखंड के जिन 14 जिलों में सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ी है, उन सभी जिलों में खनन का कार्य होता है. क्या सड़क दुर्घटना में मौत की संख्या बढ़ने की यह भी एक वजह हो सकती है? **पिछले नौ माह में 3,176 सड़क दुर्घटनाएं :** झारखंड में पिछले नौ महीने के दौरान 3,176 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 3021 लोगों की जान गयी है. वहीं 2,094 लोग घायल भी हुए. सड़क दुर्घटना मामले में रांची शीर्ष पर है, यहां पिछले नौ महीने में 534 सड़क हादसे हुए, जिसमें 366 लोगों की जान चली गयी. जबकि 349 लोग घायल हुए.

इन 14 जिलों में सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ी

जिला	2022	2023
गढ़वा	85	146
दुमका	140	192
रामगढ़	118	157
गुमला	115	146
कोडरमा	54	66
देवघर	104	123
रांची	327	366
धनबाद	210	235
लातेहार	86	95
लोहरदगा	50	55
साहिबगंज	40	43
सिमडेगा	77	81
गिरिडीह	158	161
हजारीबाग	187	190
खूंटी	89	88
जमशेदपुर	148	142
सराइकेला	138	131
गोड्डा	76	72
पलामू	157	146
बोकारो	166	145
चाईबासा	115	90
चतरा	96	75
पाकुड़	76	47

इन दस जिलों में दुर्घटनाएं हुईं कम

जिला	2022	2023
जामताड़ा	32	32

नवडीहा में टाटा मैजिक से दो लाख की नकली शराब बरामद, एक गिरफ्तार

धनवार (गिरिडीह)। गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा के निर्देश पर नवडीहा ओपी प्रभारी राधेश्याम पांडे के नेतृत्व में शनिवार को वाहनों की जांच के दौरान टाटा मैजिक वाहन से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है. यह जानकारी खोरी महुआ एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने खोरी महुआ अनुमंडल कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. एसडीपीओ ने बताया कि वाहन जांच की गई तो उसमें से 22 पेटी नकली शराब की कुल 528 बोतल बरामद की गई. गिरफ्तार संदीप मंडल को न्यायिक हिरासत में गिरिडीह जेल भेज दिया गया है.

अपराध पर लगाम लगाने के मकसद से ग्रामीण एसपी ने किया पैदल मार्च

संवाददाता । जमशेदपुर

अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पैदल पेट्रोलिंग की शुरुआत एसएसपी किशोर कौशल ने की. थी. जिसे लेकर ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग के द्वारा पटमदा थाना क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में अंचल निरीक्षक और थाना प्रभारी पटमदा के साथ पैदल गश्ती किया गया. ग्रामीण एसपी ने बताया कि लोगों में पुलिस के प्रति सुरक्षा का भाव बढ़ाने और असामाजिक तत्वों में भय का माहौल पैदा करने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया गया है. इसके तहत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में सप्ताह में दो से तीन दिन एक से डेढ़ किलोमीटर पैदल गश्त करेंगे. इसके लिए पहले से ही एक माह का समय-सारिणी एसपी कार्यालय से जारी कर दिया जाएगा. फिलहाल शहर के कुल 153 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां पुलिस पैदल गश्त करेगी.

मारपीट मामले में किन्नरों के दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

जमशेदपुर । जमशेदपुर के टेल्को थाना अंतर्गत तार कंपनी मैदान के पास शुक्रवार को किन्नरों के दो गुटों के बीच हुए हिंसक झड़प के बाद टेल्को थाना में दोनों पक्षों ने प्राथमिकी दर्ज कराई है. एक पक्ष की ओर से नीलू किन्नर ने माही, रजिया, तमन्ना, करीना, संजू और अन्य को आरोपी बनाते हुए बताया है कि वो अपने अन्य किन्नरों के साथ बधाई लेने पहुंची थी तभी मौके पर मौजूद आरोपी पक्ष ने उनपर जानलेवा हमला कर दिया. वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से रजिया किन्नर ने प्राथमिकी दर्ज कराई है. प्राथमिकी में लक्ष्मी, सोनी, बिजली, संतोषी, कैटरीना, जीतू, प्रियंका और अन्य को आरोपी बनाया गया है. प्राथमिकी में बताया गया है कि सभी तार कंपनी के पास बधाई लेने के लिए पहुंची थी कभी आरोपी पक्ष ने उनपर तलवार और लाठी डंडे से हमला कर दिया. बता दें कि शुक्रवार को तार कंपनी मैदान के पास बधाई लेने पहुंचे किन्नरों के दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई.

मृतका कविता कुंभकार का प्रेमी गोराई बंगाल से गिरफ्तार

संवाददाता । निरसा

कालूबथान पुलिस ने कलियासोल प्रखंड के बांद्राबाद गांव की मृतका कविता कुंभकार के कथित प्रेमी गोवर्धन गोराई को शनिवार को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार गोवर्धन भी बांद्राबाद गांव का रहने वाला है. कविता दो बच्चों की मां थी, जबकि गोवर्धन अविवाहित है. ग्रामीणों के अनुसार, घर आसपास रहने के कारण दोनों एक-दूसरे से प्रेम करने लगे. इसकी चर्चा गांव में तेजी से होने लगी. इसी बीच गोवर्धन के परिजन उसकी शादी के लिए लड़की की खोजबीन शुरू कर दी. कविता ने इसका विरोध किया. कविता किसी भी कीमत पर गोवर्धन को खोना नहीं चाहती थी. गोवर्धन के माता-पिता को अपने रास्ते का रोड़ा समझकर कविता ने दोनों को खाने में जहर देकर जान से मारने की कोशिश भी की परंतु वह सफल नहीं हो पायी.

खास बातें

- कविता ने 3 माह पहले फांसी लगा कर ली थी आत्महत्या
- पीड़िता को लेकर गांव में पंचों को भी बैठाया गया था

इसके बाद गांव में सोलहआना की बैठक (पंचायत) हुई. बैठक में कविता को दोषी ठहराते हुए पंचों ने कविता और उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार करते हुए जुर्माना के रूप में एक मुश्त राशि देने का निर्णय सुनाया. इससे नाराज कविता ने पंचायत के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया. काफी मान-मनौव्वल के बाद पंचायत ने जुर्माना व सामाजिक बहिष्कार का निर्णय वापस ले लिया था. इसी दौरान कविता ने करीब तीन माह पहले अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. इस मामले में नाम आते ही गोवर्धन पुलिस की नजरों से फरार हो गया था.

नकली शराब बनाने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

संवाददाता । लातेहार

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मो अब्दुल नासिर की अदालत ने नकली शराब बनाने के आरोपी मनीष कुमार गुप्ता की ओर से दायर जमानत याचिका को सुनवाई के उपरांत उसे खारिज कर दिया है. आरोपी के अधिवक्ता सुनील कुमार ने अदालत के समक्ष तथ्यों को रखते हुए बताया कि अवैध शराब निर्माण से संबंधित कोई भी सामग्री पकड़ी नहीं गई है. जो भी सामग्रियां पकड़ी गई है वह बिल्कुल बनावटी है. अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि पुलिस अधिकारी बिना उत्पाद विभाग के अधिकारियों को सूचित किये शराब की बात कह कर मुकदमा दायर कराया है, जो उत्पाद अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है. इसलिए उनके मोवक्किल को जमानत दी जाए. उधर, सहायक लोक अभियोजक अशोक कुमार दास एवं विपुल रौनियार ने मामले की गंभीरता को बताते हुए जमानत नहीं देने की अपील किया.

वाहनों में आगजनी व मुठभेड़ में शामिल था माओवादी बबन भोक्ता

भाकपा माओवादी संगठन का सबजोनल कमांडर गिरफ्तार, विस्फोटक भी बरामद

- कमांडर के पास से दो आईईडी, 20 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, फ्लैश हेडर और बैट्री भी बरामद किए गए हैं

संवाददाता । चतरा

चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहनों और मशीन में आगजनी करने वाले भाकपा माओवादी संगठन के सबजोनल कमांडर बबन भोक्ता को गिरफ्तार कर लिया है. उसके पास से दो आईईडी, 20 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, फ्लैश हैडर और बैट्री भी बरामद किए गए हैं. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने छापेमारी करते हुए यह कार्रवाई की है.

बबन भोक्ता इस साल अगस्त महीने में पलामू जिले के छतरपुर के महुडर में सड़क निर्माण कार्य में लगे आठ वाहनों और मशीन को आग के हवाले कर दिया था. इसके अलावा वह इस साल जून महीने में बिहार के गया जिले के बीकोपुर जंगल में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में भी शामिल था. बबन भोक्ता के खिलाफ चतरा जिले के सदर, कुंदा हंटरगंज और प्रतापपुर थाना में कुल पांच मामले दर्ज हैं. **एसपी ने की अपील :** चतरा एसपी ने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा है कि वह हिंसा की विचारधारा छोड़कर आत्मसमर्पण करें. उन्होंने नक्सलियों को झारखंड सरकार की नयी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का लाभ लेकर मुख्य धारा से जुड़ने को कहा. कहा कि झारखंड सरकार के द्वारा आत्मसमर्पण नीति को और अधिक सुगम बनाया गया है. जिसके तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली को 24 घंटे के अंदर ओपन जेल में शिफ्ट किया जा सकेगा.

बची जान जिले के छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में कार्यरत है सकेंद्र राम

पलामू में स्वास्थ्यकर्मी की गर्दन रेतकर हत्या की कोशिश

संवाददाता । पलामू

जिले के छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में कार्यरत एक कर्मी की शनिवार सुबह गला रेतकर हत्या करने की कोशिश की गई. बताया जाता है कि एक बाइक के आ जाने के कारण अपराधी स्वास्थ्यकर्मी को छोड़कर भाग गए, जिससे उसकी जान बच गयी. पीड़ित स्वास्थ्यकर्मी सकेन्द्र राम छतरपुर थाना क्षेत्र के चराई का रहने वाला है. उसने शनिवार को बताया कि वह अनुमंडलीय अस्पताल का अनुबंध कर्मी है और रात में डयूटी पर था. शनिवार सुबह चार बजे के करीब वह अस्पताल के पीछे खेत में शौच के लिए गया था. इसी दौरान दो अपराधी हमला करते हुए उसका मुंह बंद कर दिये. दूसरा अपराधी चाकू से गर्दन रेतने की कोशिश करने लगा. इसी बीच एक बाइक सवार आ रहा था जिसे देख दोनों अपराधी उसे छोड़ कर भाग गए, जिस कारण उसकी जान बच गई. सकेन्द्र ने कहा कि वह एक अपराधी को शक्ल देख कर पहचान जायेगा जबकि दूसरा जो पीछे खड़ा था, उसे वह देख नहीं पाया. फिलहाल घटना की लिखित जानकारी थाना प्रभारी को दी गई है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

हुसैनाबाद : रेल पटरी पर मिला मजदूर का शव

हुसैनाबाद (पलामू) । हैदरनगर स्टेशन के समीप रेल पटरी पर शनिवार को 50 साल के एक मजदूर का शव मिला. आशंका जताई जा रही है कि मजदूर की मौत ट्रेन के धक्के लगने से हो गई. मृतक काला जैकेट व चेक लुंगी पहने हुए था. शव के पास एक टार्च भी मिला है. स्टेशन प्रबंधक मो. सलाउद्दीन की सूचना पर जीआरपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. मृतक की पहचान बिहार के कटिहार निवासी शिवचरण ऋषि के रूप में हुई है. वह मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था.

ट्रक में आग लगाने के आरोपी उज्जवल मंडल को भेजा जेल

सिंदरी । विगत 11 अगस्त की रात पाथरडीह थाना क्षेत्र के आफिसर कॉलोनी के समीप हुई सड़क दुर्घटना में अज्ञात वाहन की चपेट में आकर कांड्रा निवासी संदीप सुमन राय की मौत हो गई थी. वह अपने कार्यस्थल से कांड्रा अपने घर लौट रहे थे. घटना के बाद आक्रोशित कांड्रा के ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया था. इस दौरान ग्रामीणों ने गौशाला ओपी क्षेत्र के कांड्रा में सड़क पर खड़ी ट्रक को आग के हवाले कर दिया था. इस मामले में गौशाला ओपी में 12 नामजद आरोपी सहित तीस से अधिक अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया था. गौशाला ओपी प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि इस मामले में आरोपी उज्जवल मंडल को उसके आवास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है.

मानगो में फोन चोर पकड़ाया ठंड से दो की हो गई मौत

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर की मानगो पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोप में जाकिरनगर रोड नंबर 16 निवासी तौसिफ अंसारी और एक नाबालिग को पकड़ा है. इस संबंध में बलराम सोरेन ने मानगो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. बलराम ने पुलिस को बताया कि वह पारडीह स्थित पेट्रोल पंप में काम करता है. शुक्रवार रात पेट्रोल पंप से मोबाइल की चोरी कर ली गई थी. शिकायत दर्ज होते ही पुलिस जांच में जुटी और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

इधर, गोलमुरी पुलिस ने हावड़ा ब्रिज के पास से एक 70 वर्षीय वृद्ध का शव बरामद किया है. मृतक इलाके में भीख मांगकर गुजारा करता था. वहीं, कदमा पुलिस ने भी एक 30 वर्षीय युवक का शव बरामद किया है. दोनों की मौत ठंड के कारण होना बताया गया है. दोनों शव को पोस्टमार्टम हाउस के शव गृह में रखवा दिया गया है.

अज्ञात वाहन के धक्के से महिला की मौत

सोनारी थाना अंतर्गत मरीन ड्राइव पर शनिवार देर शाम अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रही एक महिला को अपनी चपेट में ले लिया. मौके पर मौजूद पुलिस ने महिला को एमजीएम अस्पताल पहुंचाया जहां महिला की मौत हो गई. शव को एमजीएम अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया है. मृतका की पहचान कर ली गई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. रुके कार्य पूर्ण होंगे. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. राहु के मंत्रों का जाप करें.

वृषभ विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं. दान के रूप में कंबल और चावल किसी जरूरतमंद को दें.

मिथुन आय अच्छी होगी . साथ ही आय के लिए किया गया प्रयास भी सफल होगा. घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी. कार्यसिद्धि होगी. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं.

कर्क धर्म में मन लगेगा. कोई अच्छी खबरें मिलेंगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा. मानसिक तनाव कम करने के लिए दुर्गा के मंत्रों से हवन करे.

सिंह लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. सूर्य को जल दे.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है. पितरों के नाम पर भोजन दान करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचें. छोटी यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा.

वृश्चिक संतान के कार्य में गति मिलेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

धनु शेयर बाजार में लाभ मिलेगा. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा.

मकर माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी.

कुंभ पराक्रम से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. अन्न और मिठाई का दान करें.

मीन आय का नया द्वार खुलेगा. संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं. बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. खर्चों में कमी करनी होगी.

भाषायी संस्कृति से रूबरू हो रहे बच्चे

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों में भारतीय भाषा उत्सव मनाया जा रहा है. 11 दिसंबर तक चलने वाले इस भारतीय भाषा उत्सव में बच्चे बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं. कार्यक्रम के तहत स्कूल के बच्चों को भारत की समृद्ध भाषायी संस्कृति से रूबरू करवाया जा रहा है. छात्र-छात्राओं को दूसरे राज्यों की भाषाओं को सिखा कर उन्हें एक भारत-श्रेष्ठ भारत का अनुभव कराया जा रहा है. इसके तहत स्कूलों में सप्ताह में एक दिन किसी एक भारतीय भाषा में एक गीत प्रार्थना सभा में गाया जा रहा है. बच्चों को भारत के विभिन्न राज्यों के अनाज, बाजार, फल, वनस्पतियों, मौसम, पोशाक और त्योहार ते बारे में बताया जा रहा है.

आईएचएम में वार्षिक खेल महोत्सव का आगाज

रांची। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची में 'स्पर्धा' थीम पर शनिवार को वार्षिक खेल महोत्सव 2 के 23 का शानदार आगाज हुआ. 5 दिसंबर तक चलनेवाले इस वार्षिक खेल महोत्सव में कैरम, क्रिकेट, टेबल टेनिस, शतरंज, वॉलीबाल, फुटबाल, बैडमिंटन प्रितयोगिता का आयोजन किया जाएगा.खेल महोत्सव की शुरुआत शतरंज व कैरम से की गयी, जिसमें शतरंज का निर्णायक मुकाबला लड़कियों में आदिति व अराध्या, लड़कों में अभिषेक और नयुम के बीच खेला जाएगा. कैरम का निर्णायक मैच लड़कियों में रीतिका एवं रुहामा और सादगी व पूजा और लड़कों में रेहान अली व नाबिल और अमृत रंजन व फरदीन के बीच होगा.

प्रकाशोत्सव : गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर सजा दीवान, झूम कर निकली नगर संकीर्तन शोभायात्रा

नानकमय हुई राजधानी

फोटो : रमीज

राजन बॉबी। रांची

श्रीगुरुनानक देव जी के 554वें प्रकाश पर्व पर शनिवार को विशेष दीवान सजा कर भव्य नगर संकीर्तन शोभायात्रा निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबियों और श्रद्धालुओं संग माननीयों ने भी हिस्सा लिया. सुबह नौ बजे श्रीगुरु ग्रंथ साहिब को पालकी में विराजमान कर गुरुद्वारा मैदान में बने भव्य दरबार में सुशोभित किया गया. इस दौरान गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह की अगुवाई में श्रद्धालु रास्ते भर पुष्प वर्षा और शबद गायन करते रहे. दिन के दस बजे दीवान की शुरुआत स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल ने शबद गायन से किया. इनके बाद हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने कल तारण गुर नानक आया.... शबद गायन कर संगत को निहाल किया. हेड ग्रन्थी ज्ञानी जिवेंदर सिंह जी ने कथा वाचन करते हुए गुरमत विचारों को आत्मसात करने की बात कही. फिर पर्व में विशेष रूप से शिरकत करने अमेरिका से आये प्रसिद्ध सिख पंथ के कीर्तनी जत्था भाई अमरजीत सिंह जी तान ने सूर छेड़ी तो भक्ति रस से संगत सराबोर हो गयी. सतगुर नानक परगट्या मिट्टी धुंध जग चानन होआ.... और नाम मिले ता जिंवा नानक नाम मिले ... जैसे शबद गायन कर अमरजीत सिंह ने महौल को नानकमय बना दिया. पौने तीन बजे श्रीअनंद साहिब जी के पाठ, अरदास, हुकुम नामा और कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ दीवानन की समाप्ति हुई. सवा तीन बजे जयकारे के बीच गुरुग्रंथ साहित को पुष्प सवारी में सुशोभित किया गया. इसके बाद झूम कर शोभायात्रा निकली. ऐसा लगा मानो राजधानी नानकमय हो गयी हो.

सेवा के लिए उठे हजारों हाथ

रांची। श्रीगुरुनानक देव जी के 554वें प्रकाश पर्व पर निकाली गई शोभायात्रा में शामिल लोगों की सेवा के लिए सेवा भाव के साथ हजारों हाथ उठे. विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों की ओर से जगह-जगह शिविर लगाकर चाय-पानी, जूस, शरबत, नमकीन, चाकलेट, ऑइसक्रिम आदि का वितरण किया. अल्बर्ट एक्का चौक से सुजाता चौक तक श्री महावीर मंडल, आरआर स्पोर्टिंग क्लब, स्व किशोरी यादव स्मारक समिति, पार्षद सुनीता देवी व पंजाबी हिन्दू बिरादरी ने चाय का वितरण किया, जिनमें राजेश मेहता , रवि प्रसाद, दीपक, शमीर, अरुण चावला, मीना मेहरा, प्रो. मनोहर लाल, चंदू शर्मा शामिल रहे.

शस्त्री मार्केट तिष्या सूट पीस के राहुल मिड्ढा ने आलूचाप, सेव -बुंदिया और जूस की सेवा दी. अग्रवाल सभा के अशोक, किशन पोद्दार, राजेश, राजकुमार मित्तल, नरेश बंका, नंदकिशोर पाटोदिया, मनोज चौधरी ने संयुक्त रूप से सेवा दी.

चडरी सरना समिति ने भी धर्म जाति से आगे बढ़कर जूस और पानी की सेवा दी, जिनमें जितेंद्र सिंह, सबलू मुंडा, बबलू मुंडा, सुरेंद्र लिंडा विनोड कुमार मुंडा, सागर भगत, सचिन लाल शामिल रहे. **चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति** की ओर से राकेश सिंह ने चॉकलेट, सेव, बुंदिया, आईक्रीम आदि का वितरण किया. रातू रोड से निकली नगर कीर्तन का **पूर्व वार्ड पार्षद सुनीता देवी** की ओर से रातू रोड कब्रिस्तान के समीप स्वागत किया गया. शिविर के आयोजन में रजनी देवी, सुनीता, मधु सिंह, सुनीता श्रीवास्तव, धर्मेंद्र, आदित्य, ऋत्विक, छोटी समेत अन्य की भागीदारी रही.

झारखंड थोक वस्त्र विक्रेता संघ, द्वारा रातू रोड गुरुद्वारा से निकली शोभा यात्रा का स्वागत शिविर लगाकर स्वागत किया गया. शिविर में संघ के अध्यक्ष विक्रम खेतावत, मानद सचिव प्रमोद सारस्वत, अंचल किंगर, विनय मिड्ढा, विमल जैन , ओमप्रकाश खेतावत, अनिल जालान, प्रकाश अरोड़ा, मुन्ना कुमार, राजेश कुमार आदि मौजूद थे.

43 ने किया रक्तदान

गुरुनानक स्कूल मैदान में दीवान सजा है. यहां दस महिला सहित 43 लोगों ने रक्तदान किया. गुरुनानक सेवक जत्था की ओर से शिविर लगाया गया था. रक्तदान के बाद ब्लड डोनर्स को प्रोत्साहन स्वरूप मोमेंटो प्रदान किया गया. डॉ अजय छाबड़ा की टीम ने भी शिविर लगा कर 2148 लोगों की नि:शुल्क शुगर,ब्लड प्रेशर,थायराइड,कोलेस्ट्रॉल,यूरिक एसिड की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया.

आइक्रीम और चाय सेवा : श्रीराधाकृष्ण मंदिर कमेटी की ओर से चाय-बिस्किट,बहावलपुरी पंजाबी समाज द्वारा पेयजल और श्रीश्री शिव बारात आयोजन समिति द्वारा शिविर लगाकर आइसक्रीम का वितरण किया गया.

श्रद्धालुओं संग माननीयों ने भी टेका मत्था

सजे दीवान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं संग माननीयों ने भी मत्था टेक श्रीगुरुनानक देव जी के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. सांसद संजय सेठ, झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय, भाजपा की पूर्व मेयर आशा लकड़ा, भाजपा नेता रमेश सिंह, गुरविंदर सिंह सेठी, वार्ड पार्षद अशोक यादव सहित डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन सिन्हा ने दीवान में खास तौर से हिस्सा लिया. सभा के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल और सचिव अर्जुन देव मिड्ढा ने सभी अतिथियों को सरोपा देकर नवाजा. अर्जुन देव मिड्ढा ने प्रकाश पर्व की बधाई दी.

जमकर हुई आतिशबाजी

शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह जमकर आतिशबाजी की गयी. युवा और बच्चे रास्तेभर बम-पताका और फूलझडी जलाने में जुटे रहे.

आज गुरुद्वारा में सजेगा दीवान

गुरुद्वारा श्रीगुरुनानक सत्संग सभा की ओर से रविवार को दिन के दस बजे से दीवान सजाया जाएगा. गुरुद्वारा साहिब, कृष्णा नगर कॉलोनी में इसका आयोजन किया जा रहा है. स्त्री सत्संग सभा, हजूरी रागी और सिख पंथ के प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई अमरजीत सिंह जी तान, भाई अमनदीप सिंह जी लुधियाना वाले और भाई ओंकार सिंह जी दरबार साहिब अमृतसर वाले शिरकत कर एक से बढ़ कर एक शबद कीर्तन प्रस्तुत करेंगे. नरेश पपनेजा ने बताया कि गुरु का अटूट लंगर भी बरतेगा. गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा मेन रोड आदि में संध्याकालीन दीवान सजाया जाएगा.

गुरुनानक बाल मंदिर के प्रतिभावान बच्चों को मिला अवॉर्ड

प्रकाश पर्व पर गुरुनानक बाल मंदिर स्कूल के प्रतिभाशाली बच्चों को स्वर्गीय मुखी मोहन लाल मिड्ढा स्मृति अवॉर्ड, स्वर्गीय गुरमुख दास मिड्ढा स्मृति अवॉर्ड, स्व: विशन सिंह सुखीजा एसेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड , स्व: रणजीत सिंह बेदी मेमोरियल अवार्ड, स्वर्गीय ओम प्रकाश छाबड़ा और स्वर्गीय कांता देवी छाबड़ा स्मृति अवार्ड देकर सम्मानित किया गया. गुरुनानक स्कूल,पीपी कंपाउड के पूर्व प्रिंसिपल मनोहर लाल मिड्ढा, गुरुनानक बाल मंदिर स्कूल कमेटी के अध्यक्ष नीरज गखड, सचिव अश्विनी सुखीजा,हरविंदर सिंह बेदी,स्कूल कमेटी सदस्य डॉ अजय छाबड़ा,मोहन लाल अरोड़ा,रमेश गिरधर,मिक्की मिड्ढा और सागर थरेजा ने बच्चों को अवार्ड दिया.

प्रकाश पर्व का मुख्य समारोह कल

श्रीगुरुनानक देव जी का प्रकाश पर्व 27 नवंबर को मनाया जाएगा. इस अवसर पर गुरुनानक स्कूल पीपी कंपाउंड में मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा. विशेष दीवान सजेगा. स्थानीय और बाहर से आए रागी जत्था दिन के ढाई बजे तक शबद कीर्तन करेंगे. गुरु का अटूट लंगर भी बरतेगा.

गतका पार्टी ने दिखाए करतब : पंजाब से आयी गतका पार्टी द्वारा वीर रस से जुड़ी हैरत अंगेज खेल का प्रदर्शन किया गया. पार्टी में ग्यारह लड़के शामिल थे. गुरुनानक स्कूल बच्चों ने भी हैरत अंगेज खेल दिखाये.

प्रकाश पर्व के आलोक में निकाली गई नगर कीर्तन यात्रा में बिखरी सतरंगी छटा

प्रकाश पर्व पर निकली नगर कीर्तन शोभायात्रा की सतरंगी छटा देखते ही बन रही थी. पुष्प वाहन में सुशोभित श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई करते निशानची और पंच प्यारे, डोल-बाजे के साथ गुरवाणी गायन करती संगतों की टोली. करतब दिखाते गतका पार्टी, मनोहारी झांकी और बड़े-छोटे वाहनों की कतार. यात्रा जिधर से गुजरती वातावरण धन गुरुनानक धन गुरुनानक ..., सत् नाम वाहे गुरु ,सत् नाम वाहे गुरु.... और जो बोले सो निहाल ... जयघोष की मधुर स्वरलहरियों ... से गूंज उठता. गुरुनानक स्कूल और गुरुगोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के बच्चे अलग अंदाज में बैंड बजा सब को आकर्षित कर रहे थे तो भजन गायक विक्की छाबड़ा भी साथी कलाकारों संग भक्ति रंग बिखेर रहे थे. बैंड बाजा और पंजाबी ढोल वाले भी अपनी प्रस्तुति से सब को लुभा रहे थे. रागी जत्था शबद गायन कर सब को निहाल कर रही थी. यात्रा रातू रोड,महावीर चौक, गांधी चौक, शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक के रास्ते मेन रोड होते हुए पीपी कंपाउंड पहुंच कर संपन्न हुई.

खेल शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा

संवाददाता। रांची

खेल शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे हम अपने स्कूल में उच्च कोटि के शिक्षा के साथ खेलों को भी प्रोत्साहित करते हैं. हमारे स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं. अकादमी में भी इस वर्ष हमारे छात्र अर्थव कुमार ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए झारखंड के टॉप टेन में स्थान बनाया. छात्रों में टीम वर्क की भावना के बारे में प्रोत्साहित करने के लिए हम वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन करते हैं. ये बातें बिशप वेस्टकॉट ब्वॉयज स्कूल के प्राचार्य जेजे एडविन ने कहीं.

बिशप वेस्टकॉट ब्वॉयज स्कूल के क्लास प्री से 12वीं के स्टूडेंट्स ने वार्षिक एथलेटिक मीट में हिस्सा लिया. कक्षा लोअर प्रेप के बच्चों ने एक्वेटिक वर्ल्ड और क्लास 1 से लेकर 12वीं तक के स्टूडेंट्स ने ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता में हिस्सा लिया. इसमें 100 मीटर, 200 मीटर स्प्रिंट, 400 मीटर रिले, लंबी कूद और शॉटपुट प्रतियोगिता हुई. लेफ्टिनेंट कर्नल अमित कुमार क्षेत्री व आई जैकब वार्षिक एथलेटिक मीट के मुख्य अतिथि थे. मौके पर बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल नामकुम की प्रिंसिपल एन जेकब, बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल डोरंडा की प्रिंसिपल जे एडविन कार्यक्रम में उपस्थित रहे. वार्षिक एथलेटिक मीट की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई. इसके बाद गुब्बारे उड़ाए गए. अंब्रेला रेस, कराटे, मैक्स रिले, हर्डल रेस आकर्षण का केंद्र रहा.

बॉलीवुड अभिनेता शशि वर्मा ने किया जेएफटीए का दौरा

रांची। बॉलीवुड अभिनेता व निर्देशक शशि वर्मा ने दूसरी बार कडरू स्थित "झारखंड फिल्म एंड थिएटर एकेडमी" का दौरा किया, इससे पहले 2021 के नवंबर के महीने में वेब सीरीज "एके 47" की शूटिंग रांची में संपन्न करने के बाद अब शशि वर्मा अपने दूसरे प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हैं. इस दौरान वर्मा ने जेएफटीए के स्टूडेंट्स को प्रोफेशनल एक्टिंग के कई टिप्स दिए, मौके पर जेएफटीए के निदेशक राजीव सिन्हा और लाइन प्रोड्यूसर जयराम महतो भी मौजूद थे. गौरतलब है कि वेब सीरीज 'एके 47' एंडेमोल शाइन इंडिया के बैनर तले जल्द ही ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी, जिसमें शेखर सुमन और रवि किशन जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है.

सृजनात्मक विकास के लिए साहित्य जरूरी : मेरी ग्रेस

संवाददाता। रांची

सृजनात्मक विकास के लिए साहित्य जरूरी है. साहित्य से बच्चों के ज्ञान में विविधता आती है. ज्ञान के साथ विकास के लिए जीवन में साहित्य का संबंध जरूरी है. उक्त बातें उर्सुलाइन इंटर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मेरी ग्रेस ने कही. वह शनिवार को कॉलेज के सभागार में आयोजित सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रही थीं. इस अवसर पर झारखंड के चिंतक और लेखक डॉ. मयंक मुरारी को सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान प्रदान किया गया. इसके अलावा नंदा पांडेय, अंकिता सिन्हा और मनोज कपरदार को स्पेनिन गौरव सम्मान दिया गया. साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि साहित्य सम्मान से युवाओं में रचनात्मक लेखन का विकास होता है. युवा इससे प्रेरित होते हैं और उनमें कुछ बेहतर करने का विश्वास आता है. झारखंड में सिद्धनाथ कुमार का योगदान अविस्मरणीय है. मुख्य वक्ता डॉ. कमल कुमार बोस ने कहा कि सिद्धनाथ कुमार देश के विशिष्ट साहित्यकार थे. उन्होंने अपना पूरा जीवन नाटक के विविध शिल्प और उसके पहलुओं के अध्ययन पर व्यतीत किया. डॉ माया प्रसाद ने कहा कि साहित्य के विकास में स्पेनिन का यह प्रयास काफी सराहनीय है. स्पेनिन के डायरेक्टर डॉ कुमार संजय ने कहा कि इस सम्मान के माध्यम से झारखंड के उत्कृष्ट साहित्यकार एवं सृजनधर्मी व्यक्तित्व को समाज के समक्ष लाया जाता है. पिछले 18 साल से यह प्रयास चल रहा है और यह आगे भी जारी रहेगा. इस अवसर पर मंच संचालन निर्मला मुंडा, संजना भटटाचार्या ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शेफालिका सिन्हा ने किया.

प्रोत्साहन छात्रों में आरंभिक वर्षों से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की जरूरत : फादर इग्नेश

संत जेवियर स्कूल डोरंडा में आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी

संवाददाता। रांची

संत जेवियर स्कूल डोरंडा के जूनियर सेक्शन के बच्चों द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन शनिवार को किया गया. एग्जिबीशन में केजी से पांचवीं क्लास तक के बच्चों ने हिस्सा लिया. प्रदर्शनी में आर्ट एंड क्राफ्ट थीम बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से बनाने थे. संत जेवियर स्कूल के उपप्राचार्य फादर रोशन बागे ने प्रार्थना कर की. क्लास केजी और टू के बच्चों ने विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां का प्रदर्शन किया. रांची के विभिन्न स्कूलों के छात्र - छात्राओं को भी आमंत्रित किया गया था. अभिभावक, दूसरे स्कूलों से आये छात्र-छात्राएं व अतिथि छात्रों की रचनात्मक कला को देखने के लिए मौजूद रहे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संत जेवियर कॉलेज रांची के प्राचार्य फादर डॉ नाबोर लकड़ा और विशिष्ट अतिथि जैप कमांडेट वाईएस रमेश उपस्थित थे. मुख्य अतिथि फादर नाबोर लकड़ा ने छात्रों को थॉमस एडिशन की तरह परिश्रमी एवं क्रियात्मक बनने को प्रेरित किया. उन्होंने सूर्योदय के पूर्व जागने के साथ समय का सदुपयोग कर अपने सपनों को उड़ान देने के लिए प्रेरित किया.

क्लास केजी से टू तक के बच्चों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट थीम को ध्यान में रखते हुए अपने हाथों से प्लास्टिक बोतल, नारियल के छिलके, पुराने मोजे, पेपर कप, थर्मोकोल प्लेट, सीडी आदि का प्रयोग कर सुंदर कलाकृतियां तैयार कीं. विज्ञान प्रदर्शनी में क्लास श्री से पांच तक के बच्चों ने तरह- तरह के मॉडल जैसे- सुरक्षा अलार्म, हेलमेट, स्पीड ब्रेकर सिस्टम, चंद्रयान, वाटर एंड एयर प्यूरीफायर, स्मार्ट सिटी, ऊर्जा संरक्षण से संबंधित मॉडल तैयार कर प्रदर्शनी लगायी थी. बेस्ट डेकोरेशन, बेस्ट साइंस मॉडल के लिए सभी क्लास से प्रथम, द्वितीय व तृतीय का चयन कर पुरस्कृत किया गया. प्राचार्य फादर इग्नेस लकडा , फादर रविभूषण खेस और उपप्राचार्य (प्राइमरी सेक्शन) फादर रोशन बागे ने सभी विशिष्ट अतिथियों व विद्यालयों से आए निर्णायक दल के शिक्षक, अभिभावकों व छात्रों का स्वागत किया.

संत जेवियर के प्राचार्य फादर इग्नेश लकड़ा ने छात्रों को विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन के महत्व को बताया. कहा कि छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण छात्र जीवन के आरंभिक वर्षों में ही विकसित करने का प्रयास करना चाहिए .

खास बातें

- बच्चों ने विभिन्न कलाकृतियों का सराहनीय प्रदर्शन किया
- प्राचार्य ने छात्रों को बताया विज्ञान प्रदर्शनी का महत्व

झारखंड शिक्षा परियोजना ने किया मुखिया सम्मेलन

रांची। जिला स्कूल में झारखंड शिक्षा परियोजना रांची ने जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया. जिसमे रांची जिला के सभी प्रखंडों के मुखिया और प्रखंड प्रमुख भाग लिए. इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया.उप विकास आयुक्त ने कहा कि शिक्षा में स्थानीय प्राधिकार की भूमिका अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा को आगे बढ़ाने में पंचायत स्तर पर सभी मुखिया और प्रखंड स्तर पर प्रमुख को आगे आना होगा। विद्यालय का सतत अनुश्रवण करते हुए उनकी आवश्यकताओं का आकलन भी करना होगा जिससे कि बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराया जा सके। उनके द्वारा केरल राज्य का भी उदाहरण दिया .कार्यक्रम की उद्देश्य व रूपरेखा की जानकारी एडीपीओ ने विस्तार से दी.

60 महिला कैदियों को ब्यूटीशियन और ब्राइडल मेकअप का मिला सर्टिफिकेट

संवाददाता। रांची

श्री श्री रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम ट्रस्ट आर्ट ऑफ लिविंग और एचसीएल फाउंडेशन के द्वारा बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में प्रोजेक्ट सृजन चलाया गया. जिसके माध्यम से महिला ब्युटीशियन और ब्राइडल मेकअप का ट्रेनिंग दिया गया. साथ ही व्यवहार कुशलता, खेल, योगा, मेडिटेशन और सुदर्शन क्रिया के माध्यम से मानसिक तनाव, अवसाद, गुस्सा और दुःख से बाहर निकलने में मदद की गई. इसके साथ ही क्ले आर्ट थेरेपी के माध्यम से मिट्टी से नई नई खिलौने बनाना सिखाया गया जिससे उनमे सृजनात्मकता का विकास हो सके. प्रोजेक्ट सृजन के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर रूपेश कुमार ने बताया ये अद्भुत प्रोजेक्ट है जिसमे शरीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास का समनव्य हैं.

• किसी भी विकसित राज्य के लिए सुरक्षा पहली प्राथमिकता

• रोज बढ़ रही हैं छिनतई, लूट, डकैती, हत्या, दुष्कर्म, साइबर अपराध की घटनाएं

• घर हो या बाहर हर कोई सुरक्षा को लेकर सशंकित, घटनाओं से चिंता बढ़ी

• दस साल में आबादी में काफी इजाफा पर सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ी ही नहीं

• सृजित पद से भी कम है सुरक्षाबलों की संख्या

सरकार मामले को गंभीरता से ले, आबादी के हिसाब से हो पुलिस बल की बहाली

कैसे होगी सुरक्षा, जब पुलिस के अफसर-जवान ही इतने कम

सुरक्षा की कसौटी पर झारखंड खरा नहीं

सुरक्षा किसी विकसित राज्य की पहली प्राथमिकता है. घर हो या बाहर हम सुरक्षा को लेकर हमेशा सशंकित रहते हैं. आए दिन होने वाली घटनाएं हमें भयभीत करती हैं और हमारी चिंता का प्रमुख कारण बनकर हमें सालती रहती है. माताएं स्कूली बच्चों के निर्धारित समय पर सुरक्षित घर लौटने को लेकर चिंतित रहती है. घर, मुहल्ला, शहर सभी जगह हमें सुरक्षा की तलाश रहती है. हर कोई वैसी जगह जाना, आना या काम करना चाहता है जहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं या वह स्थान सुरक्षित है. लेकिन गौर करें तो हाल के दिनों में राज्य में अपराध दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं. छिनतई, लूट, डकैती, दुष्कर्म, हत्या जैसी घटनाओं में इजाफा हो रहा है. इसकी सबसे महत्वपूर्ण वजह आबादी के हिसाब से हमारे सुरक्षा इंतजाम कम हैं. संदेह नहीं कि हमारी आबादी दिनों दिन बढ़ती जा रही है. नए नए मुहल्ले बनते जा रहे हैं. शहरों का विस्तार हो रहा है. लेकिन उस हिसाब से समय के साथ सुरक्षाबलों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है. जिसकी वजह से दिन दहाड़े आपराधिक घटनाएं हो रही है. हम असुरक्षित होते जा रहे हैं. उदाहरण के तौर पर रांची जिले को ही देखे तो पिछले दस साल में जितनी आबादी बढ़ी है उस लिहाज से सुरक्षाबलों की संख्या नहीं बढ़ी है. यह हाल राज्य के हर जिले का है. गांव हो या शहर सुरक्षाबलों की कमी का असर घटनाओं के तौर पर हर जगह देखा जा रहा है. आश्चर्य की बात यह है कि सृजित पद से भी कम है सुरक्षाबलों की संख्या. जब तक पर्याप्त मात्रा में सुक्षाबल नहीं होंगे बढ़ती आपराधिक घटनाओं को नियंत्रित करना मुश्किल ही है. सरकारी स्तर पर इस दिशा में पहल होनी चाहिए. आबादी के अनुसार पद सृजित कर सुरक्षाबलों की बहाली होनी चाहिए. सरकार इसे गंभीरता से ले और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करे. तभी उसके विकास की अपधारणा पूरी हो पाएगी. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न जिलों में सुरक्षा के इंतजाम का आंकलन किया है. पेश है रिपोर्ट...

सेवा ही लक्ष्य

झारखंड पुलिस

बोकारो

बढ़ रहे हैं अपराध, कार्यों के निष्पादन में हो रहा विलंब

पुलिस विभाग में अलग अलग पदों में संख्या बल की कमी के कारण बोकारो शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों में दिनों दिन अपराध बढ़ते जा रहे हैं. लूट, चोरी, छिनतई समेत अन्य घटनाओं में इजाफा हो रहा है. वहीं कर्मियों की कमी के कारण पुलिस को भी उनकी भरपाई में ज्यादा ड्यूटी निभानी पड़ रही है. बोकारो जिला पुलिस मेस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीत महतो एवं सचिव (मंत्री) सुभाष चंद्र शुक्ला ने बताया कि वर्तमान स्थिति के अनुसार पुलिस की संख्या बल एवं संसाधनों में अत्यधिक बढ़ोतरी की जरूरत है. संख्या बल कम रहने से कार्य का निष्पादन समय पर नहीं हो पा रहा है. जिसके कारण ज्यादा ड्यूटी से कर्मी मानसिक तनाव में भी रहते हैं. इसके साथ ही सुविधाओं में भी बढ़ोतरी की जरूरत है.

रैंक	एसपी	डीएसपी	इंस्पेक्टर	दारोगा	एएसआई	हवलदार	सिपाही	ड्राइवर	रसोइया
कितने हैं	01	04	19	210	288	148	194	68	19
कितने की कमी	00	02	00	179	132	211	135	00	03

जमशेदपुर

कर्मियों की कमी, 10 से 12 घंटे ड्यूटी कर रहे पुलिस के जवान

जरूरत से कम हैं सुरक्षा कर्मी, कैसे चलेगा काम

जमशेदपुर में पुलिस कर्मियों की कमी ड्यूटी पर तैनात जवानों के कार्यों पर असर डाल रही है. जवानों को 10 से 12 घंटे तक की ड्यूटी करनी पड़ रही है. आलम यह है कि पर्व त्योहारों में भी जवानों को छुट्टी नहीं मिल पाती. पुलिस मेस एसोसिएशन के सचिव छोटेलाल महतो कहते हैं कि जिले में जितने पुलिस कर्मियों की जरुरत है उससे बहुत कम जवान मौजूद हैं. इसमें भी कई वीआईपी ड्यूटी में तैनात कर दिए जाते हैं. ऐसे में सुरक्षा के बड़े हिस्से का सारा भार थोड़े से जवानों पर ही आ जाता है. कई बार जिले में पुलिस कर्मियों को आठ घंटे की शिफ्ट को लेकर भी बात उठाई गई. पर कर्मियों की कमी का हवाला देकर इसे लागू नहीं किया गया. पर्व त्योहार में तो स्थिति और भयावह हो जाती है. जवानों की छुट्टी तक रद्द कर दी जाती है. छठ पूजा के दौरान कई कर्मियों की छुट्टी रद्द कर दी गई. इसके अलावा किसी को अगर 10 दिन की छुट्टी चाहिए तो उसे महज 6 से 7 दिन ही छुट्टी मिल पाती है.

जिले में कितने पुलिसकर्मी मौजूद (अक्टूबर 2023 तक)

रैंक	कितने चाहिए	कितने हैं	कितने की कमी
एसएसपी/एसपी	03	03	00
एएसपी/डीएसपी	09	06	03
इंस्पेक्टर	40	39	01
दारोगा	486	283	203
एएसआई	592	423	169
हवलदार	462	299	163
सिपाही	2201	1912	289

58 हजार की आबादी के लिए एक निरीक्षक

जमशेदपुर की आबादी की बात करें तो यहां सरकारी आंकड़ों के अनुसार 22,93,919 की आबादी है, जिसके लिए जिले में कुल 39 निरीक्षक हैं. मतलब 58 हजार की आबादी पर एक निरीक्षक. इसके अलावा अवर निरीक्षक और सहायक अवर निरीक्षकों की भी काफी कमी है. जिले में कुल 36 थाने हैं. जिनमें शहरी क्षेत्र में 16 थाने और एक ओपी है. वहीं एक महिला थाना और एक साइबर थाना भी मौजूद है.

डीएसपी के तीन पद प्रभार पर

जिले में डीएसपी के कुल 9 पद हैं, जिनमें से तीन पद प्रभार पर ही चल रहे हैं. जिले में डीएसपी के लिए मुख्यालय- 1, मुख्यालय-2, सीसीआर, लॉ एंड ऑर्डर, सिटी, पटमदा, घाटशिला, मुसाबनी और यातायात पद स्वीकृत है जिसमें डीएसपी मुख्यालय-2 और यातायात का प्रभार डीएसपी सीसीआर अनिमेष गुप्ता और डीएसपी सिटी का प्रभार एएसपी लॉ एंड ऑर्डर सुश्रिता अग्रवाल को सौंपा गया है. डीएसपी यातायात का पद बीते दो सालों से खाली पड़ा है. हालांकि जिले को तीन नए डीएसपी मिले हैं जो अभी ट्रेनिंग में है.

रांची

स्वीकृत पद से 609 पुलिसकर्मी कम

हाल के दिनों पर गौर करें तो रांची जिले में आपराधिक गतिविधियां बढ़ी हैं. उसकी वजह सुरक्षाकर्मियों की कमी बताई जाती है. रांची जिले में स्वीकृत पद से 609 पुलिसकर्मी कम हैं. रांची जिला बल में एसपी, डीएसपी, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, एएसआई, हवलदार, सिपाही और चौकीदार के कुल 5,790 पद स्वीकृत हैं. हालांकि वर्तमान में रांची जिला बल में 5,181 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी पदस्थापित हैं. जिनमें एसपी के 04, डीएसपी के 10, इंस्पेक्टर के 37, दारोगा के 382, एएसआई के 638, हवलदार, सिपाही और चौकीदार के 4,110 पदस्थापित हैं.

सवा छह लाख से ज्यादा बढ़ गयी आबादी

पिछले 10 साल में रांची जिले की आबादी में छह लाख 28 हजार 313 की वृद्धि हुई है. 2011 की जनगणना के अनुसार रांची की जनसंख्या 29,14253 थी, जबकि वर्ष 2021 में अनुमानित जनसंख्या बढ़ कर 35,42566 हो गयी है. वहीं, कुल जनसंख्या में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों की संख्या 16303 बढ़ गयी हैं.

10-12 घंटे जवान कर रहे ड्यूटी

पुलिस कर्मियों को 10 से 12 घंटे ड्यूटी करनी पड़ रही है. पुलिस कर्मियों की संख्या कम होने के कारण उन्हें छुट्टी भी नहीं मिल पाती है. यहां तक कि चौकली ऑफ भी अवतक लागू नहीं की गई है. इसके अलावा जिस स्थान पर जवानों की तैनाती होती है, उसकी भी हालत जर्जर है. तिरपाल, टेंट, बोरा, प्लास्टिक, फ्लैक्स आदि की मदद से जुगाड़ टेक्नोलॉजी के जरिए जवानों ने अपने लिए शेड बना रखा है. आराम करना हो या लंच करना हो इसी टेंट के नीचे बैठकर पुलिसकर्मी खाना खाते हैं.

जाने कितने पद हैं स्वीकृत

हवलदार, सिपाही और चौकीदार के 4,379, एएसआई के 733, एसआई के 641 और इंस्पेक्टर के 37 पद रांची जिला बल में स्वीकृत हैं.

रामगढ़

जनसंख्या के अनुपात में पुलिस बल है ही नहीं

रामगढ़ जिले की जनसंख्या 10 लाख के करीब है. इतनी बड़ी जनसंख्या को देखने के लिए जिले में पुलिस बल पर्याप्त संख्या मे नहीं है. अभी भी जिले में कई पुलिस कर्मियों के पद रिक्त हैं .जिले में पांच इंस्पेक्टर रैंक के कर्मी की तैनाती है. जिसमें तीन ही यहां कार्यरत हैं. बाकी दो इंस्पेक्टर की कमी है. उसी प्रकार दारोगा की कुल पोस्टिंग 113 है. जबकि यहां 88 कार्यरत हैं. बाकी 25 की कमी है. एएसआई के लिए 140 की पोस्टिंग है. जबकि 92 ही यहां कार्यरत है. बाकी 48 एएसआई की कमी है . जिले में 10 की संख्या में ही हवलदार हैं. जबकि यहां 200 की संख्या में हवलदार होनी चाहिए. 190 हवलदार की कमी है. जानकारी के अनुसार मैट्रिक पास बहाल पुलिसकर्मी सीधे जमादार बन रहे हैं. इसलिए हवलदार के पद खाली होते जा रहे हैं. पुलिस के सामने विधि व्यवस्था या पर्व त्यौहार की ड्यूटी में पर्याप्त पुलिस बल की जरूरत पड़ती है. ऐसी स्थिति में रामगढ़ जिला दूसरे जिले से डेपुटेशन पर सुरक्षाकर्मियों से काम कराता है. कम पुलिस बल रहने के कारण पुलिस को काफी कठिनाइयों से गुजरना होता है. इधर चार-पांच सालों से पुलिस की बहाली नहीं हो रही है. जिसका यह नतीजा है कि जो रिटायर हो रहे हैं उनकी भरपाई नहीं हो रही है. पुलिस जवानों के सामने पुलिस बल की कमी के कारण ड्यूटी, छुट्टी, वीवीआइपी की सुरक्षा देने जैसी कई समस्याएं खड़ी होती है.

जिले में सुरक्षाबलों की स्थिति

रैंक	उपलब्ध	कमी	रैंक	उपलब्ध	कमी
एसपी	01	00	एएसआई	92	48
डीएसपी	03	00	हवलदार	10	190
इंस्पेक्टर	05	02	सिपाही	400	200
दारोगा	88	25			

धनबाद

228 दरोगा और 64 जमादार की कमी, परेशानी में महकमा

धनबाद जिले की साढ़े सोलह लाख की आबादी के लिए 2957 पुलिस कर्मियों की तैनाती है. स्वीकृत पदों की संख्या 3826 है यानी 869 पद रिक्त पड़े हैं. यहां डीएसपी से लेकर दरोगा, जमादार और सिपाही सभी की कमी है. विभाग द्वारा महीने में एक बार मुख्यालय को सूचित करने की परंपरा का हर माह बखूबी से निर्वहन होता है. रिक्त पदों की कमी का भार तैनात पुलिस कर्मियों को ही उठाना पड़ता है. ऐसे में अतिरिक्त ड्यूटी और जरूरत पर छुट्टी न मिलना पुलिस कर्मियों के लिए अवसाद का मुख्य कारण बनता है. साथ ही अपराध नियंत्रण समेत अन्य पुलिस सेवाओं के लिए प्रभावित होने से इंकार नहीं किया जा सकता है. कुल मिलाकर 9000 की आबादी के लिए सिर्फ एक पुलिस वाले की तैनाती है. धनबाद में पुलिस बलों की कमी की समस्या पुरानी है. डीएसपी से लेकर जमादार व सिपाही तक के पद रिक्त पड़े हैं. बात सामान्य आरक्षी से शुरू करते हैं. आरक्षी के लिए यहां 2044 पद स्वीकृत हैं जबकि यहां फिलहाल 1707 तैनाती है और 337 पद रिक्त हैं. पुलिस सेवा की सबसे मजबूत कड़ी दारोगा होते हैं. यहां 504 पद में 276 ही उपलब्ध है जबकि 228 की कमी है. सहायक अवर निरीक्षक पद में 64 की रिक्ति है. डीएसपी के छह पदों में दो पद खाली हैं. इंस्पेक्टर पदों में भी दो की ही कमी है.

सिमट रहे पुलिस पद, बढ़ रही आबादी

पांच वर्ष पूर्व धनबाद जिला बल में स्वीकृत पदों की संख्या 4206 थी. इस वर्ष यह संख्या सिमट कर 3826 हो गई. वहीं दूसरी तरफ शहर व ग्रामीण क्षेत्र में लगातार नई आबादी बसती जा रही है. इन क्षेत्रों में पुलिस का काम ज्यादा कठिन हो जाता है. क्योंकि नई आबादी वाले अधिकांश मुहल्ले मूल आबादी से थोड़ी दूरी पर बसते हैं. ऐसे इलाके अपराध कर्मियों को खासा रास आते हैं. चोरी- डकैती से लेकर अन्य अपराध भी इन क्षेत्रों में आसानी से घटित होते हैं और पुलिस की पकड़ में आने से भी बचने की उम्मीदें यहां अधिक है.

रैंक	स्वीकृत पद	तैनाती
एसपी	03	03
डीएसपी	08	06
इंस्पेक्टर	37	35
दारोगा	504	276
एएसआई	522	488
हवलदार	478	329
सिपाही	2044	1707

सरायकेला

पुलिसकर्मियों पर अतिरिक्त काम का दबाव

सरायकेला-खरसावां जिला में पुलिस अधिकारियों के साथ कर्मियों की भी कमी है. सबसे अधिक कमी पुलिस के जवान और चालकों की है. ऐसे में क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने के साथ सबकों सुरक्षा प्रदान करना पुलिस के लिए चुनौती बन गयी है. जिले की जनसंख्या रोज बढ़ती जा रही है, नए-नए आवासीय परिसर बना रहे हैं, मुहल्लों का विस्तार हो रहा है. ऐसे में जिले की विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिक पुलिसकर्मियों की जरूरत होगी. वहीं आदित्यपुर क्षेत्र में ब्राउन शुगर समेत अन्य गैर कानूनी धंधे, एनएच किनारे अवैध कारोबार, बालू का अवैध कारोबार आदि के कारण आपराधिक गतिविधियां होती रहती हैं. ऐसे में पर्याप्त संख्या बल नहीं रहने के कारण पुलिस को दबाव में रहकर काम करना पड़ता है.

जामताड़ा

साइबर सहित अन्य आपराधिक मामले बढ़े

जामताड़ा जिला भी सुरक्षा बलों की कमी से जूझ रहा है. इस कारण यहां भी पुलिस कर्मियों को अतिरिक्त काम का दबाव रहता है. थानों में बहुत से मामले लंबित पड़े हैं. इधर हाल के दिनों में जिले में आपराधिक गतिविधियां बढ़ी है. जामताड़ा में साइबर क्राइम के मामले सबसे ज्यादा है. इस संबंध में बहुत से मामलों का खुलासा नहीं हो पाया है.

रैंक	एसपी	डीएसपी	इंस्पेक्टर	दारोगा	एएसआई	हवलदार	सिपाही	ड्राइवर	रसोइया
कितने हैं	01	02	12	71	74	109	477	-	-
कितने की कमी	00	01	03	20	19	48	52	-	-

साहिबगंज

सुरक्षा बल की कमी के कारण शहरी और ग्रामीण इलाकों में बढ़ रहीं अपराधिक घटनाएं

रैंक	एसपी	डीएसपी	इंस्पेक्टर	दारोगा	एएसआई	हवलदार	सिपाही	ड्राइवर	रसोइया
कितने हैं	01	02	06	86	111	74	469	01	01
कितने की कमी	00	02	02	55	41	74	142	01	02

जिला पुलिस विभाग में इन दिनों डीएसपी से लेकर इंस्पेक्टर, दारोगा, एएसआई,सिपाही,हवलदार तक की जिला भर में घोर कमी है. पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की कमी के चलते जिला के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में दिनों दिन हिंसा, लूट, चोरी, छिनतई समेत अन्य घटनाएं बढ़ती जा रही है. समय पर पुलिस बल नहीं पहुंच पाने के कारण अपराधी अपराध कर फरार हो जाते हैं. वहीं पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की कमी के कारण अन्य पुलिस कर्मियों को ज्यादा ड्यूटी करनी पड़ती है. वहीं साहिबगंज जिला पुलिस एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राम प्रसाद ने बताया कि वर्तमान में पुलिस पदाधिकारी,पुलिस बल की बढ़ोतरी की जरूरत है. उधर जिला पुलिस एसोसिएशन सचिव नवीन मुर्मू ने बताया कि पुलिस बल की संख्या कम रहने से कार्य का निष्पादन ठीक समय पर नहीं हो पा रहा है. पुलिस मानसिक तनाव के कारण अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं.

साहिबगंज जिला पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष राम प्रसाद.

साहिबगंज जिला पुलिस एसोसिएशन के सचिव नवीन मुर्मू.

लातेहार

थानों में बड़ी संख्या में मामले लंबित, अपराध नियंत्रण का दबाव

साल 2001 लातेहार जिला पलामू से अलग होकर नया जिला बना. प्रारंभ में जिले में मात्र एक अनुमंडल था. बाद में महुआडांड़ को एक अलग अनुमंडल बनाया गया. वर्तमान में जिले में दो अनुमंडल हैं. जबकि थानों की संख्या 12 है. जिले में बतौर पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन पदस्थापित हैं. जिले में पुलिस उपाधीक्षक के पांच पद सृजित हैं. लेकिन जिले वर्तमान में मात्र दो पुलिस उपाधीक्षक ही कार्यरत हैं. डॉ कैलाश करमाली के तबादले के बाद से यहां मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक का पद रिक्त है. इसी प्रकार जिले में कुल नौ पुलिस निरीक्षक के पद सृजित हैं. जबकि जिले में वर्तमान में मात्र चार पुलिस निरीक्षक ही पदस्थापित हैं. यही कारण है कि जिले में मुकदमों के अनुसंधान में अपेक्षानुरूप तेजी नहीं आई है. थानों में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं. अब तक कई बड़ी घटनाओं का उदभेदन पुलिस नहीं कर पाई है. लातेहार उग्रवाद व नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र है. पुलिस पदाधिकारियों की कमी के कारण अपराध नियंत्रण में भी मुश्किल हो रही है. लातेहार जिले को नक्सलवाद व उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है. हालांकि अर्द्धसैनिक बलों एवं जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से जिले में उग्रवाद व नक्सलवाद में कमी जरूर आयी है. पुलिस अधीक्षक के प्रयास से हाल के दिनों में कई दुर्दांत व शीर्ष माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है.

हजारीबाग

सुरक्षाबलों की कमी का खामियाजा भुगत रहे हैं आमजन

हजारीबाग जिला इस समय करीब 25 फीसदी पुलिस कर्मियों की कमी से जूझ रहा है. स्वीकृत पद से करीब 25 फीसदी कम स्ट्रेंथ पर हजारीबाग जिला पुलिस बल कार्य कर रहा है. हाल के वर्षों में जनसंख्या में वृद्धि को ध्यान में रखे तो यह आंकड़े और भी बढ़ सकते हैं. क्योंकि जनसंख्या में वृद्धि के औसत से जिला बल को नहीं बढ़ाया गया है .इसका खामियाजा आम जनों को भुगतना पड़ रहा है. सबसे अधिक परेशानी ट्रैफिक को लेकर होती है. साथ ही जिले में हाल के वर्षों में कई कोल खनन कंपनियों के आने से उनकी सुरक्षा व्यवस्था में भी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी लगाए गए हैं. जो कि जिला बल पर अतिरिक्त भार है.

जवानों की शीघ्र आवश्यकता: इस संबंध में पुलिस मेस संगठन के एक अधिकारी ने बताया कि हजारीबाग जिले में और पुलिस जवान की अति शीघ्र आवश्यकता है .यहां काम करने में जवानों को काफी परेशानी हो रही है. जिस जगह पांच जवान को लगाना चाहिए था वहां 2से 3 जवान से काम करवाना पड़ रहा है . सरकार को स्वीकृत पद के अनुसार बहाली करनी चाहिए. इससे जिले को और भी मजबूती मिलती और बेरोजगार युवक को भी रोजगार से जोड़ा जा सकता था.

मेदिनीनगर

सुरक्षाबलों की कमी का दिख रहा असर

पलामू जिले की जनसंख्या करीब 1936319 है. यहां पर 1 एसपी और 5 एसडीपीओ के पद हैं. जिसमें 3 एसडीपीओ ही तैनात हैं. 2 पद खाली हैं. कुछ महीनों से दोनों प्रभार में चल रहे हैं. इंस्पेक्टर 16 हैं. दारोगा की संख्या 198 है.एएसआई की संख्या 257 है. 273 हवलदार हैं. सिपाही 1400 के करीब हैं. 300 से अधिक सिपाही की कमी है. जिले में अधिकारी और सिपाही की कमी होने के कारण 10 घंटे से ज्यादा सिपाहियों को काम करना पड़ रहा है. इतना ही नहीं सुरक्षाबलों की कमी के कारण थानों में बहुत सारे मामले लंबित हैं.

ब्रीफ खबरें

सांसद ने पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नामकुम। सांसद संजय सेठ ने 22वीं एशियाई मास्टर गेम में गोला फेकने में रजत पदक विजेता नामकुम के पतराटोली निवासी 62 वर्षीय राजकुमार बाल्मीकि, ज़ेबलीन थ्रो में प्रभा लकड़ा ने रजत पदक विजेता व झारखंड एथेलिट मास्टर गेम के सचिव लक्ष्मण राम को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया.विजेता खिलाड़ियों ने सांसद सजय सेठ से एथलीट खेल में हो रही परेशानियों से अवगत कराया और इस संबंध मे सरकार से बात करने का आश्वसन दिया.

मदन मोहन मंदिर में 27 को कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

कांके। बोरिया के ऐतिहासिक श्री मदन मोहन मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव 27 नवंबर को धूमधाम से मनायी जाएगी. इस विशेष अवसर के लिए मंदिर को खूबसूरत तरीके से सजाया जा रहा है. मंदिर को विद्युत एवं फूलों की आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है. आयोजन को सफल बनाने के लिए सुधांशु नारायण तिवारी, मनोज तिवारी , राकेश नारायण तिवारी, मुरारी तिवारी, एवं मंदिर समिति के सभी सदस्यों का विशेष योगदान है.

शहीद कृष्णा महतो का शहादत दिवस मनाया

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में शनिवार को शहीद कृष्णा महतो का शहादत दिवस मनाया गया.इस मौके पर शहीद कृष्णा महतो के पैतृक गांव बिलारी के ग्रामीणों द्वारा शहादत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सभी लोग जुलूस की शक्ल में बचरा चार नंबर चौक स्थित शहीद कृष्णा महतो के प्रतिमा पर लोगों ने माल्यार्पण किया. मौके पर बसंत नारायण, नागेश्वर, बालकृष्ण, प्रीतम, जितेन्द्र, टिकेश्वर, मुखिया संगीता देवी आदि शामिल थे.

नागपुरी शॉर्ट फिल्म समाधान का हुआ प्रीमियर

रांची। ड्रीम वर्ल्ड सिनेमा के बैनर तले बनी नागपुरी शॉर्ट फिल्म समाधान का प्रीमियर मिनी सुजाता में किया गया. फिल्म की निर्मात्री श्वेता साहू हैं, जबकि इसका निर्देशन नारायण साहू ने किया है. नारायण साहू ने झारखंड में बनी फीचर फिल्म फेसबुक वाला प्यार का निर्देशन किया था जिसमें बॉलीवुड के कलाकारों ने काम किया था . नारायण साहू ने बताया कि ये शॉर्ट फिल्म समाधान पति पत्नी के रिश्ते पर आधारित है .

बोरबेल गाड़ी पलटने से दो घायल, रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर शनिवार की अपराह्न लगभग एक बजे जनता हाई स्कूल दिघिया के समीप ऑटो सवार को बचाने में एक बोरवेल गाड़ी पलट गई. इससे बोरवेल गाड़ी के चालक व एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें इलाज के लिए 108 एम्बुलेंस से ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया गया. घायलों में अनगड़ा निवासी चालक जनार्दन मुंडा व सिमलिया रातू निवासी 2 सुनील महतो शामिल हैं.

विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

ओरमांझी। विकास सेवा निकेतन विकास की ओर से संचालित विकास इंस्टीच्यूट आफ पारा मेडिकल साइंस नेवरी में शनिवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया.इस में जूनियर छात्र-छात्राओं ने सीनियर छात्र-छात्राओं को विदाई दिया.समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर विकास इंस्टीच्यूट आफ पारा मेडिकल साइंस नेवरी विकास के निदेशक राधा चरण सिंह ने सभी छात्रों के बेहतर भविष्य की कामना की.

खेल से शरीर स्वस्थ रहता है : सन्नी टोप्पो

चान्हो : एवरग्रीन छोटनागपुर क्लब के द्वारा5 दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसके फाइनल मैच के मुख्य अतिथि मांडर विधानसभा के भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो, उपस्थित हुए. फाइनल मैच लकड़ा ब्रदर्स सरना बाल विकास 2 विधालय पोड़ाटोली बनाम एनएफसी पोखरटोली मांडर के बीच हुआ. एनएफसी पोखरटोली ने टॉस जीतकर खिताब पर कब्जा किया. सन्नी टोप्पो ने कहा कि किसी भी खेल को सीखना कोई आसान काम नहीं है.

रघुनाथपुर पंचायत में आयोजित आपकी योजना -आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे डीसी, बोले

भविष्य में बेहतर नीति के लिए फीडबैक जरूरी है

संवाददाता। रांची

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दूसरे दिन रांची जिला के विभिन्न प्रखंडों के पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया है. रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा चान्हो प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में आयोजित शिविर में पहुंचे. कार्यक्रम में लगे सभी विभागीय स्टॉल का बारी-बारी से निरीक्षण किया और संबंधित कर्मियों को नियमानुसार योग्य व्यक्ति को लाभ देने का निर्देश दिया. इस दौरान विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, मुखिया, जिला परिषद सदस्य, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे.

डीसी ने कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है ताकि आम लोगों से संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं को जाना जा सके और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन उनके दरवाजे तक पहुंचे सके. उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी जिला प्रशासन का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा आवेदन कैंप में प्राप्त किया जाए. भविष्य में बेहतर तरीके से नई नीति बनाई जा सके और प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके इसके लिए फीडबैक जरुरी है.

आयोजित शिविर में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की एवं रांची डीसी ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी. डीसी ने विशेषकर अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, ग्राम गाड़ी योजना के बारे में बताया. उन्होंने उपस्थित लोगों को योजना के लाभ की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी. इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया. कल्याण मंच से सावित्री बाई फुले किशारी समृद्धि योजना, सोना सोबरन धोती-लुंगी साड़ी योजना, साईकिल वितरण, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, सिंचाई संयंत्र, मनरेगा जॉब कार्ड आदि का वितरण लाभुकों के बीच किया.

खास बातें

- सभी स्टॉल का बारी-बारी से उपायुक्त ने निरीक्षण किया
- लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया

सीसीएल का 49वां स्थापना दिवस समारोह : अबकी बार 90 मिलियन टन पार का नारा

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 115 कर्मी हुए सम्मानित

शुभम किशोर। रांची

शनिवार को सीसीएल मुख्यालय के कंवेंशन सेंटर में सीसीएल के 49 वां स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मान-सह-पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय सहित कमान क्षेत्र में विभिन्न श्रेणीयो में कार्यरत कर्मियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कुल 115 पुरस्कार प्रदान किया गया. कार्यक्रम की शुरुवात एवं मुख्य अतिथि तथा गणमान्य अतिथिगण द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया. वहीं डीएवी स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर मन मोह लिया.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने सभी को सीसीएल के 49वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कंपनी 2023-24 का 84 मिलियन टन के लक्ष्य हासिल करने की ओर अग्रसर है. उन्होंने आगे कहा कि सीसीएल 200 मिलियन टन कोयला उत्पादन का क्षमता रखता है अगर हम अपनी संसाधनों का समुचित उपयोग करें. उन्होंने सीसीएल के भूमिगत उत्पादन पर बल देते हुए कहा कि आने वाले समय में कंपनी भूमिगत खदानों में भी उत्पादन होगा जिससे पर्यावरण का न्यूनतम नुकसान हो। डॉ. रेड्डी ने कोल इंडस्ट्री के चुनौतियों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की और कहा कि सीसीएल के सभी खनन क्षेत्रों में प्रॉफिट होना अनिवार्य है जिससे कंपनी और बेहतर प्रदर्शन करते रहे और अगले वित्तीय वर्ष में (2024-25) 107 मिलियन टन का कोयला उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर सके.

निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र ने सभी का स्वागत किया एवं विजेताओं सहित सभी को स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि सीसीएल के कर्मियों में काफी क्षमता है जिसके बदौलत कंपनी कोयला उत्पादन के वर्तमान लक्ष्य को अवश्य हासिल करेगा.

निदेशक (तक./संचा.) आर. बी. प्रसाद ने सभी को इस बात से अवगत कराया कि हमारी कंपनी अर्धवार्षिक अवधि में कोयला के उत्पादन, प्रेषण एवं ओबी रिमूवल उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. उन्होंने कहा की इस वर्ष 84 मिलियन टन कोयला का लक्ष्य है, लेकिन जिस तेजी से काम हो रहा है उससे अबकी बार 90 मिलियन टन पार का करने का लक्ष्य रखना है. उन्होंने कहा की पिछले वर्ष के मुताबिक 22 प्रतिशत ग्रोथ पर है. वहीं 6 महिनों में कंपनी ने 2246 करोड़ को प्रोफिट हासिल कर लिया है.

जेसीएससी के वरीय सदस्य रमेन्द्र कुमार ने कहा कि कॉन्ट्राक्टुअल वर्कर्स पर भी कंपनी को विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि कोयला उत्पादन में लगभग 80 फिसदी उत्पादन में उनकी अहम् भूमिका है.

इस अवसर पर सीएमडी सीसीएल डॉ. बी. वीरा रेड्डी मुख्य अतिथि थे. मौके पर निदेशक (तक./संचा.) आर. बी. प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तक./यो. एवं परि.) बी. साईराम, निदेशक (वित्त) पी. के. मिश्रा एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित जेसीएससी तथा ऑफिसर एसोसिएशन के सदसयगण, क्षेत्र के महाप्रबन्धकगण, मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक/ विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे.

खास बातें

- कंपनी भविष्य में भूमिगत खदानों से उत्पादन करेगा
- कंपनी छह माह में 2246 करोड़ का लाभ अर्जित किया

नामकुम लैंप्स की अध्यक्ष बनी आरती

नामकुम। नामकुम लैंप्स की विशेष आम सभा (निर्वाचन) संपन्न हुई. जिसमे नामकुम लैंप्स के निर्वाचन पदाधिकरी रितेश पन्ना द्वारा विशेष आम सभा (निर्वाचन) कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ तथा इनके द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र वितरण किया गया. भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आरती कुजूर निर्विरोध अध्यक्ष के रुप में निर्वाचित हुई. साथ ही कुल 10 अन्य सदस्य निदेशक के रुप में निर्वाचित हुए.

मांडर: तालाब में डूबने से अधेड़ की मौत

मांडर। थाना क्षेत्र के गुड़गुड़जाड़ी गांव निवासी 50 वर्षीय जोना उरांव की शनिवार को तालाब में डूबने से मौत हो गयी. घटना सुबह करीब 9 बजे की है. बताया जा रहा है वह गांव के नजदीक ही स्थित तालाब के मेड़ से पैदल ही दूसरी ओर जा रहे थे. इसी क्रम में असंतुलित होकर तालाब में गिर गये और पानी में डूब गये. वहां मौजूद लोगों ने उन्हें तालाब में गिरते देख फौरन ही पानी से बाहर निकाला और मांडर रेफ़रल अस्पताल ले गये. लेकिन इससे पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी.

किराना दुकान में सात दिन में दूसरी बार चोरी

बेड़ो। बेड़ो में नहीं रुक रही चोरी की घटनाएं, बेड़ो थाना से महज 100 मीटर की दूरी स्थित जनता जेनरल स्टोर्स से एक सप्ताह में चोरों ने दो बार चोरी की घटना को अंजाम देते हुए हजारों रुपए समेत किराना के सामान अपने साथ ले उड़े. इधर किराना दुकान में हुई चोरी की घटना के बाद भुक्तभोगी किराना दुकान संचालक रौशन आलम ने बताया कि प्रत्येक दिन की तरह बुधवार की रात 8:00 बजे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे.

बरौदी मेला में लोगों ने जमकर खरीदारी की

संवाददाता। बुढ़मू/ठाकुरगांव

बुढ़मू प्रखंड के ऐतिहासिक बरौदी मेला में शनिवार को मेलार्थियों का हुजूम उमड़ पड़ा. इस दौरान लोगों ने जमकर खरीदारी की.मेला में बुढ़मू समेत खलारी, लोहरदगा, खूंटी, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, लातेहार समेत कई जगह के हजारों मेलार्थी शामिल हुए. मेला में सांसद संजय सेठ,राजसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहु, खीरु महतो,पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, उपप्रमुख हरदेव साहु, भाजपा नेता कमलेश राम समेत अन्य शामिल हुए.मेला में कृषि उपकरणों, मिठाई,ईख समेत घरेलू समानों की जमकर बिक्री हुई. मेला के संबंध में मान्यता है कि देवोत्थान के बाद शादी के लिए लड़का तथा लड़की देखने की परंपरा है.फसल कटाई से पूर्व मेला में ग्रामीण अपने सगे संबंधियों से भेंट करने की भी परंपरा निभाते हैं.

विद्यापति भक्ति और प्रेम के कवि थे : डॉ पांडे

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडे ने कहा कि भारतीय संस्कृति के निर्माण में विद्यापति का अप्रतिम योगदान रहा है. डॉ. पांडे शनिवार को अशोक नगर क्लब में आयोजित सेमिनार में विचार व्यक्त कर रहे थे. अंतरराष्ट्रीय तिरहुत अनुसंधान प्रतिष्ठान के तत्वावधान में आयोजित उक्त सेमिनार का विषय था संस्कृत भारत के आधार निर्माण में कवि कोकिल विद्यापति के योगदान. मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पांडेय ने कहा कि विद्यापति भक्ति और प्रेम के कवि थे. उन्होंने सांस्कृतिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई. विद्यापति को अभिनव जयदेव कहा जाता है. डॉ. पांडे ने कीर्तिलता और कीर्तिपताका का तो वर्णन किया ही, साथ ही भू-परिक्रमा, दुर्गा सप्तशती और विद्यापति के द्वारा विराजित पदावली का वर्णन किया और भूरि-भूरि प्रशंसा की.

कार्यक्रम में विषय प्रवेश कराते हुए वरिष्ठ पत्रकार गौतम चौधरी ने कहा कि जब तुर्क और पश्चिमी इस्लामी साम्राज्यवादी ताकत भारत पर आक्रमण करता है और भारत की अस्मिता धूल-धूसरित हो जाती है, ऐसे वक्त विद्यापति कवि का प्रादुर्भाव होता है. विद्यापति ने भारत के मन को इतना सबल बनाया जिस पर पूरा मध्यकालीन भारत प्रभावशाली तरीके से अपनी संस्कृति की सुरक्षा करने में सफल हो सका. विद्यापति सांस्कृतिक भारत के आधार निर्माण में महत्वपूर्ण किरदार के रूप में अवतरित होते हैं. कवि कोकिल विद्यापति ने लोक जागरण के माध्यम से समाज को खड़ा करने का भरसक प्रयास किया और वह प्रयास इतना प्रभावशाली था कि उसका संपूर्ण भारत पर प्रभाव पड़ा.

मांग पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ, पारा शिक्षक व चौकीदार दफादार बेमियादी धरना जारी

मांग रहे अधिकार, नेताओं से मिल रहा आश्वासन

संवाददाता। रांची

राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ झारखंड प्रदेश,पारा शिक्षक और चौकीदार दफादार अपनी मांग को लेकर राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं. तीनों संघों के लोग बांस का टेंट लगा कर रात दिन एक संघर्ष कर रहे हैं. सेवक संघ का 141 दिन, पारा शिक्षकों का 96 वें दिन और चौकीदार दफादार का तीन दिन से धरना जारी है.

पंचायत स्वंय सेवक संघ: अपनी पांच सूत्री मांग को लेकर राजभवन के समक्ष 22 जुलाई से राज्यभर के 18 हजार पंचायत स्वंय संघ के लोग धरना दे रहे हैं.अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने कहा कि सरकार तक अपनी मांग को पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री का आवास का घेराव कर चुके हैं. सांसद ,विधायक से मिल चुके हैं. लेकिन सभी ने आश्वासन ही दिये है.शनिवार को राजभवन के समक्ष 141वें दिन भी धरना जारी रहा. मौके पर सुनीता, पवन कुमार, युगल कुमार प्रसाद, रामनिवास शामिल थे.

झारखंड टेट सफल सहायक अध्यापक: टेट पास पारा शिक्षक 22 अगस्त से एक वेतनमान की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष 96 वें दिन भी धरने पर बैठे हैं. राज्य भर में 14400 पारा शिक्षक हैं. पारा शिक्षक संघ के अध्यक्ष सीमांत घोषाल ने बताया कि जबतक मांग पूरी नही होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. मौके पर राजेंद्र दत्ता, धनश्याम चंद्र, विजय कुमार समेत सैकड़ों पारा शिक्षक मौजूद थे.

झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत: चौकीदारी नियुक्ति और सरकार द्वारा चौकीदार पद की बहाली निकालने के विरोध में अनिश्चितकालीन प्रदर्शन कर रहे हैं. पूरे राज्य में 17 हजार चौकीदार दफादार हैं. जिसमें 10 हजार कार्यकर्ता अपनी मांग कर रहे हैं. 23 नवम्बर से अनिश्चितकालीन धरने प्रदर्शन पर बैठे हैं. शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा. अध्यक्ष कृष्णा दयाल सिंह ने कहा कि जबतक ठोस निर्णय नहीं आता तबतक राजभवन के समक्ष प्रदर्शन जारी रहेगा. मौके पर अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह, उपाध्यक्ष समशुल अंसारी, राजकुमार तांती, भुनेश्वर सिंह,एतवा उरांव आदि मौजूद थे.

फील्ड अपडेट

निर्मल कौर ने विश्व हिंदू कांग्रेस को संबोधित किया

रांची। झारखंड की पूर्व आईपीएस अधिकारी व प्रसिद्ध लेखिका, समाज सेविका और राष्ट्रीय संवाद में मुखर भूमिका निभाने वालीं निर्मल कौर बैंकॉक में आयोजित तीन दिवसीय तृतीय विश्व हिंदू कांग्रेस में हिस्सा ले रही हैं. बैंकॉक में 24 से 26 नवंबर तक कांग्रेस का आयोजन किया गया है. आयोजन के दूसरे दिन निर्मल कौर ने हिंदू महिलाओं के योगदान एवं कर्तव्यों के विषय पर अपने विचार रखे. "जयस्य आयतनम धर्मः" के सनातन संदेश पर आधारित इस बहुआयामी कांग्रेस में विश्व भर से 2500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं.

मौलाना आजाद की जयंती पर मेले का आयोजन

रांची। मौलाना आज़ाद की जयंती पर मौलाना आजाद ह्यूमन इनिशिएटिव (माही) द्वारा हज हाउस में शैक्षिक और सांस्कृतिक मेला-2023 का आयोजन किया गया था. जिसमें लगभग 30 विभिन्न स्कूलों के 550 छात्रों ने भाग लिया. कांटाटोली स्थित ताज स्कड पब्लिक स्कूल और गुदरी क़ुरैशी मोहल्ला स्थित क़ुरैश एकेडमी स्कूल के विद्यार्थियों की भागीदारी को सम्मानित करते हुए, माही के सदस्यों ने उन्हें स्कूल पार्टिसिपेशन अवार्ड और मेले से संबंधित मेमोरी फोटो प्रदान किए. उन्होंने सर्टिफिकेट और मेडल से उन छात्रों को सम्मानित किया.

डीएसपीएमयू में 20 दिसंबर से शुरू होगा यूथ फेस्टिवल

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में यूथ फेस्टिवल का आयोजन 20 से 22 दिसंबर को आयोजन किया गया. कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य की अध्यक्षता में सांस्कृतिक समिति की वार्षिक बैठक की गई. बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई और इससे संबंधित बजट पारित किया गया.प्रतिभागियों की अधिकतम आयु 25 वर्ष तय की गई. बैठक में मुख्य रूप से कुलसचिव डॉ. नमिता सिंह, डीएसडब्ल्यू डॉ. एसएम अब्बास, मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. मो .अयूब, वित्त पदाधिकारी डॉ. आनंद मिश्रा कुमार शर्मा, महतो, स्वाति प्रताप उपस्थित रहे.

पॉक्सो एक्ट पर छात्राओं को किया गया जागरूक

सोनाहातू। झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित पॉक्सो एक्ट के तहत वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा झारखंड उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश अनुभा रावत चौधरी के द्वारा झारखंड के सभी कस्तूरबा और झारखंड बालिका विद्यालय की छात्राओं के बीच वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा संबोधित किया गया. जिसमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सोनाहातू एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे की सैकड़ों छात्राओं ने भाग लिया . छात्राओं को बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र में बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न या यौन प्रताड़ना पॉक्सो एक्ट 2012 के तहत आता है .

मां भवानी जागरण में रातभर झूमे श्रद्धालु

रांची। हिंदपीढ़ी मिडिल स्कूल कैंपस शनिवार की रात भक्ति रस से सराबोर रहा, यहां हिंदपीढ़ी जागृति समिति की ओर से छठ महापर्व के सफल समापन के उपलक्ष्य में भव्य मां भवानी जागरण का आयोजन किया गया. इसमें जमशेदपुर के दलजीत दीवाना, धनबाद की श्वेता तिवारी, राधारानी और हरियाणा के जुगनू कलाकार ने एक से बढ़ कर एक भजन की प्रस्तुति दी. वहीं प्रसांगानुसार जीवंत झांकी प्रस्तुत कर कलाकारों ने भी दर्शकों का मन मोहा. रात पौने नौ बजे मां भवानी की आदमकद प्रतिमा के समक्ष नेम-निष्ठा से पूजन कर माता की आरती उतारी गयी. इसके बाद भजनों और भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू हुआ, तो भोर चार बजे तक चला. ठंड के बावजूद लोग भोर तक भजनों व गीतों की गंगा में गोते लगाते रहे. अध्यक्ष सूरज प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि जागरण के आयोजन में स्थानीय निवासी तन-मन और धन से सहयोग करते हैं. सचिव नीतीश कुमार सिन्हा, मंत्री शक्ति रामायण, सुनील, राम, अभय सिन्हा, बलराम बर्मन, मुनेश सोनी, अर्जुन सिंह, प्रभात पांडेय, भैरव सिंह, अंजनी सिन्हा, राजेश मेहंदीर, सोनू सिंह, राकेश सिंह, दिनेश शर्मा, विंकल सिंह, बिटटू सिंह ने जागरण के सफल आयोजन में योगदान दिया.

पेज 1 का शेष...

एक तरफ मुहानों की भराई, दूसरी ओर...

कागजात संबंधित अधिकारियों को भेज दिए गए हैं. लेकिन दूसरे दिन यानी शुक्रवार से ही भट्टा परिसर में जमा कोयले को हटाने का कार्य संचालक ने शुरू कर दिया. स्थानीय पुलिस प्रशासन सब कुछ जानकर भी अनजान बना हुआ है. भट्टा परिसर से जब्त कोयला वैध है या अवैध इसकी जांच रिपोर्ट भी अभी आना बाकी है. ऐसी स्थिति में भट्टा परिसर से कोयला की उठाव और पुलिस की चुप्पी पुलिसिया कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह उठना लाजिमी है. इस संबंध में ओपी प्रभारी ने कहा कि जांच रिपोर्ट अभी नहीं आयी है. भट्टा परिसर से कोयला उठाव की बात पर टालमटोल की नीति अपनाते दिखे.

झरिया में बड़े पैमाने पर हो रही कोयला चोरी : जिले में अवैध उत्खनन एवं कोयला चोरी पर अंकुश लगाने की सारी कोशिशें सिर्फ हाथी के दांत साबित हो रहे हैं. वर्तमान में झरिया क्षेत्र में कोयले के अवैध कारोबार में तस्करों का डंका बज रहा है. झरिया क्षेत्र से रोज सैकड़ो टन अवैध कोयला टपाया जा रहा है. झरिया के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अलग अलग तस्कर कोयला निकाल रहे है. चासनाला में इम्तियाज, एना में शैलेन्द्र, घनुडीह में सुनील तो वहीं भौरा में यादव ब्रदर्स कोयले के अवैध धंधे में लगे हैं. इन सभी जगहों से कोकिंग कोल ही कोयला निकल रहा है. जिसकी खपत सबसे ज्यादा धनबाद के हार्डकोक भट्ठे में है. इस तरह काफी संगठित रूप से प्रतिदिन डंके की चोट पर कोयले का अवैध कारोबार किया जा रहा है. इन स्थानों से करीब 60 से 70 ट्रक कोयला प्रतिदिन निकाला जा रहा है. तस्करों को इन जगहों से रोज लाखों का मुनाफा हो रहा है. एक तरफ सूबे के मुख्यमंत्री से लेकर डीजीपी तक कोयला चोरी पर लगाम लगाने के लिए कई बार निर्देश दे चुके हैं, तो दूसरी तरफ कोयले के अवैध धंधेबाज कोयला चोरी से बाज नहीं आ रहे.

बिहार में होगी कांग्रेस की...

2019 लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने महागठबंधन की ओर से अपने नौ उम्मीदवार खड़े किये थे, जिसमें सिर्फ एक सीट किशनगंज में कांग्रेस उम्मीदवार मो. जावेद को जीत मिली थी. हालांकि पिछले प्रदर्शन को देखते हुए इसकी संभावना कम दिखती है कि महागठबंधन में कांग्रेस को नौ सीटें मिलेंगी. जानकारों का कहना है कि यह सब राजद सुप्रीमो लालू प्रासाद ही तय करेंगे. उनका पलड़ा इतना भारी है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उनसे राय परामर्श के बिना कोई बड़ा फैसला करने से हिचकते हैं. रही बात कांग्रेस की तो उनके ही सद्प्रयासों से अंततः चार-पांच सीटों पर सहमति बन सकती है. इधर पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रंजीता रंजन और अखिलेश कुमार सिंह को चुनाव मैदान में उतारे जाने की पूरी संभावना है. फिलहाल दोनों राज्यसभा के सदस्य हैं. कांग्रेस की राह में सबसे बड़ी मुश्किल पार्टी के अंदर की गुटबाजी है. जिला स्तर पर तो गुटबाजी है ही, प्रदेश स्तर पर भी पार्टी दो गुटों में बंटी है, एक गुट अखिलेश कुमार सिंह का है, वहीं दूसरा गुट अजीत शर्मा का है. कांग्रेस के 19 विधायक भी इन दो गुटों में बंटे हैं. हलांकि राहुल गांधी को ही अपना नेता मानते हैं यह जानते हुई कि राहुल गांधी या सोनिया जी का रिमोट लालू प्रसाद के पास है. 90 से जबसे कांग्रेस ने लालू प्रसाद का दामन थामा है, ग्राफ गिरता ही गया है. अब तमाशा मिशन 2024 में देखने लायक होने की संभावना है.

बकाया मांगा तो मेरे पीछे....

20 वर्षों में जो काम नहीं हुआ, उतना डेढ़ साल में हमारी सरकार ने किया: भोक्ता : सूबे के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि झारखंड सरकार ने विगत डेढ़ वर्षों में जितना काम किया है. झारखंड बनने के बाद से भी उतना काम आज तक नहीं हुआ था. झारखंड सरकार के 3 वर्ष हुए हैं, जिसमें से 2 वर्ष कोरोना काल ने खा लिए. डेढ़ वर्षों में पूरे झारखंड में विकास की बयार बह रही है. सभी क्षेत्रों में विकास का काम किया जा रहा है. रोजगार मुहैया कराई जा रही है. मजदूरों को भी रोजगार दिए जा रहे हैं. 20 वर्षों में झारखंड को सिर्फ लूटने का काम किया गया. सही मायने में विकास अब हो रहा है.

हम आदिवासी-मूसवासी डरनेवाले नहीं : आलमगीर

सूबे के ग्रामीण विकास मंत्री आलम ने कहा कि पूरे झारखंड को हमारी सरकार ने सड़कों से जोड़ने का काम किया है. सड़कों का जाल बिछा दिया गया है. मुख्यमंत्री गाड़ी योजना के तहत गांव की बच्चियों को शहर बस में फ्री ले जाने का काम किया जा रहा है. बीजेपी के ऊपर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा हमेशा एनआरसी- धर्मबाद, जातिवाद से डराने का काम करती है. झारखंड में डरा कर सत्ता को हासिल करने की कोशिश में लगी है. लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा. हम लोगों को डराने का काम ना करें, हम लोग डरने वाले नहीं हैं. हम यहां के आदिवासी मूलवासी हैं, हमें कोई भगा नहीं सकता

ब्रीफ खबरें

महिला का सिर कटा शव मिलने से हड़कंप

पूर्वी चंपारण । शिवहर एवं पूर्वी चंपारण दो जिलों की सीमांकन जिहुली एवं अंबा घाट के समीप पुल के नीचे एक सिर कटा महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. महिला के शव से उसका सिर गायब है. ग्रामीणों ने शनिवार को सिर कटा शव जिहुली घाट पर बना पुल के नीचे देखा. तत्पश्चात इसकी सूचना पुलिस को दी. महिला ब्लैक प्लाजो, स्वेटर तथा बाएं पैर में पायल पहनी हुई थी. पिपराही पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया गया है. थानाध्यक्ष पिपराही चंदन कुमार कटे सिर की तलाश एवं उसकी शिनाख्त की खोजबीन शुरू कर दी गई है.

सड़क हादसे में एक की मौत, तीन घायल

पटना । पटना के फतुहा में शुक्रवार की देर रात सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गई. वहीं तीन किशोर की हालत गंभीर है. चारों बाइक से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने चारों को टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई. सभी घायलों को इलाज के लिए पटना अस्पताल में भेज दिया गया है. घटना के बाद घटनास्थल पर घंटों अपरा-तफरी का माहौल बना रहा. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

बेतिया : नेपाली शराब के साथ दो गिरफ्तार

बेतिया । बेतिया पुलिस जिला स्थित सिकटा थाने के प्लस टू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिकटा के नजदीक से पुलिस ने बिना नंबर के बाइक पर लदे 149 बोतल नेपाली शराब समेत दो धंधेबाज को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार धंधेबाज में मझौलिया थाना क्षेत्र के गुरचुरवा गांव के कृष्ण कुमार और धनंजय यादव शामिल है. थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रमेश कुमार महतो ने शनिवार को बताया कि सूचना मिला कि पड़ोसी देश नेपाल की ओर से भारी मात्रा में शराब की खेप भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाला है. थानाध्यक्ष महतो ने मामले में केस दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया गया है.

मोतिहारी में एक घर में लगी भीषण आग

दो महिला समेत तीन की मौत,दो की स्थिति नाजुक

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र में एक घर में भीषण आग लगने से 5 लोग बुरी तरह झुलस गए. जिसमें तीन की मौत हो गई. वही घायल तीन में से दो लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है. घटना घोड़ासहन रेलवे गुमटी रोड के स्टेट बैंक के समीप की है. पुलिस के मुताबिक शनिवार की अहले सुबह सुबोध पंडित के घर में रुई के गोदाम में अचानक आग भड़क गई. जो देखते ही देखते घर के दूसरी मंजिल को भी अपने आगोश में ले लिया. इस घटना में सुबोध पंडित, पुत्र रौशन, बहू और पत्नी बुरी तरह झुलस गए. जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई. जिसमें सुबोध का बेटा रोशन और बहू कविता और बेटी शालू शामिल है. सुबोध अपने परिवार के साथ काठमांडू में रहते हैं. वे सपरिवार शुक्रवार को ही घोड़ासहन पहुंचे थे.

आग लगने की वजह रूई के गोदाम में शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि रुई के गोदाम में भड़की आग कब पूरे घर को अपनी आगोश में ले लिया किसी को पता ही नहीं चला. जिस कारण घर में मौजूद लोगों को इतना भी वक्त नहीं मिला कि वो घर से निकल पाएं. जिस कारण सभी बुरी तरह झुलस गए. घर से आग की लपटें को देख स्थानीय लोगो ने फायर बिग्रेड को सूचित किया, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद दीवार को तोड़ कर आग पर काबू पाया. अगलगी की सूचना पर वहां लोगों की भारी भीड़ जुट गई. जिससे पूरे इलाके अफरातफरी का माहौल कायम हो गया.

सिकरहना एसडीएम ने बताया कि हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई. जबकि 2 लोग बुरी तरह झुलस गए हैं. जिसमें एक की छत से कूदने के कारण हाथ पैर में फैक्चर है, सभी का समुचित इलाज किया जा रहा है, लेकिन घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना को लेकर तीन सदस्यीय टीम गठित की गयी है, इसके साथ ही स्थानीय पुलिस भी घटना के ठोस कारणों की जांच में जुटी है.

जेल में फोन बरामदगी मामले में पप्पू यादव को एक साल की सजा

पटना । पूर्व सांसद पप्पू यादव को एमपी-एमएलए कोर्ट ने सजा सुनाई है. कोर्ट ने पप्पू यादव को एक साल की सजा सुनाई और दस हजार का जुर्माना भी लगाया है. बताया जा रहा है कि एक केस में पप्पू यादव बेऊर जेल में बंद थे. 8 दिसंबर 2004 को पटना पुलिस ने बेऊर जेल का निरीक्षण किया गया. उसी दौरान पप्पू यादव के पास से एक ईयर फोन और मोबाइल फोन बरामद हुआ था. इसके बाद फुलवारीशरीफ थाने में केस हुआ था. एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई. 19 साल बाद एमपी-एमएलए कोर्ट में पप्पू यादव को दोषी ठहराया. दोषी ठहराने के बाद कोर्ट ने एक साल की सजा और 10 हजार रुपये की आर्थिक दंड की सजा सुनाई.

दो शराब तस्करों को सात-सात वर्ष की सजा

नवादा । देसी शराब के साथ पकड़ाए दो तस्करों को शनिवार को 7-7 साल का सश्रम कारावास व एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा मिली है. विशेष न्यायाधीश उत्पाद दीपक कुमार ने शराब बरामदगी के एक मामले में दो आरोपी को 7-7 साल कारावास की सजा सुनाई है और साथ ही एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. उत्पाद के प्रथम विशेष न्यायालय के न्यायाधीश दीपक कुमार ने गया जिले के जमैता फतेहपुर गांव के निवासी अनीश कुमार उर्फ मनीष कुमार तथा वजीरगंज के चंद खुर्द गांव के अंकित कुमार उर्फ संतोष यादव को यह सजा सुनाई है. यह मामला सिरदला थाना कांड संख्या 755/22 से जुड़ा है.

आओ जानें

जानें बिहार के बारे में

बिहार का मतलब क्या है और यह नाम क्यों पड़ा? : प्राचीन काल में बिहार को मगध के नाम से जाना जाता था और इसकी राजधानी पाटलिपुत्र हुआ करती थी. बाद में इसका नाम बिहार कर दिया गया.

बिहार की खोज कब हुई थी? : बिहार किसी खोज का नतीजा नहीं है, बल्कि यह बंगाल विभाजन के बाद अस्तित्व में आया था. 22 मार्च 1912 में बिहार अस्तित्व में आया था और 26 जनवरी 1950 को इसे राज्य का दर्जा दिया गया.

बिहार का अंतिम राजा कौन था? : बिहार का अंतिम शासक घनानंद था. इस वंश के अधीन नंद और उसके 8 वंशजों ने बिहार पर शासन किया था. महापद्मनंद और घनानंद इस वंश के सबसे अच्छे शासकों में से थे.

प्रतीक चिन्ह क्या है? :राजकीय प्रतीक चिन्ह बोधि वृक्ष है.

बिहार का सबसे सुंदर शहर कौन है? : मिथिलांचल का मधुबनी बिहार का सबसे खूबसूरत शहर है. यह शहर अपनी कला और संस्कृति के मामले में बहुत समृद्ध है.

तेजस्वी यादव ने किया विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले का उद्घाटन

- 26 दिसंबर तक चलेगा मेला
- बॉलीवुड गायिका लगाएंगी तड़का

संवाददाता । पटना

विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले का उद्घाटन शनिवार को उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने किया. यह मेला 26 दिसंबर तक चलेगा. उद्घाटन के दिन 'ससुराल गेंदा फूल' फेम बॉलीवुड गायिका श्रद्धा पंडित की टीम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. इसके साथ संपूर्ण मेला अवधि में सांस्कृतिक पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए. पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि सोनपुर मेला को भव्य बनाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा कई सारी तैयारियां की गई है. मेला क्षेत्र में सांस्कृतिक पंडाल और आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज का निर्माण कराया गया है. मेला क्षेत्र के सांस्कृतिक पंडाल में अस्थायी पर्यटक सूचना केंद्र का भी निर्माण किया गया है, जहां पर्यटक गाइडों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है. बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटन ग्राम में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 10 स्विस कॉटेज का निर्माण किया गया है. इसके साथ ही पटना से सोनपुर जाने के लिए स्पेशल टूर पैकेज भी उपलब्ध कराया गया है.

सीएम के विवादित बयान की सुनवाई टली

- मुजफ्फरपुर के सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर हुआ था, अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी

संवाददाता । पटना

बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने सदन में महिलाओं के सामने जो कुछ कहा उसको लेकर उनकी खूब फजीहत हुई थी. सदन में मुख्यमंत्री के विवादित बयान के खिलाफ मुजफ्फरपुर के सीजेएम कोर्ट में

परिवाद दायर कराया गया था, जिसपर शनिवार को सुनवाई नहीं हो सकी. अब मामले पर अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी. सीएम नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं को लेकर सदन में दिए गए विवादित बयान को लेकर उनके खिलाफ अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ने परिवाद दायर कराया था. शनिवार को ऐन वक्त पर सुनवाई टल गई. परिवादी सह अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ने कहा कि महीने का आखिरी शनिवार होने के कारण कोर्ट ने मामले की सुनवाई को टाल दिया है. सीजेएम कोर्ट में अब इस मामले पर एक दिसंबर को सुनवाई होगी.

औरंगाबाद में मंत्री के काफिले की स्कॉट गाड़ी हुई दुर्घटनाग्रस्त

बाल-बाल बचे श्रवण कुमार, 5 पुलिसकर्मी घायल

संवाददाता । औरंगाबाद

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार की स्कॉट गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई. घटना ओबरा प्रखंड के तेजपुरा गांव के समीप की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्री श्रवण कुमार पटना से सड़क मार्ग से दाउदनगर होते हुए किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे तभी तेजपुरा के समीप नहर में स्कॉट गाड़ी असंतुलित होकर

सड़क किनारे पलट गई. इस हादसे में स्कॉट वाहन में रहे 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए. घायल पुलिसकर्मी को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल दाउदनगर भर्ती कराया गया, लेकिन दो पुलिसकर्मियों की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है. गौरतलब है कि हादसे में पांच पुलिसकर्मी जख्मी हो गए. अनुमंडल अस्पताल दाऊदनगर में जख्मी पुलिसकर्मियों को भर्ती कराया गया. जहां से 2 पुलिसकर्मियों को रेफर कर दिया गया है. ग्रामीण विकास मंत्री काफिले में साथ चल रहे दाऊदनगर के सीओ नरेंद्र कुमार मौजूद थे और हादसे के बाद उन्होंने ग्रामीणों की मदद ली. घायल पुलिसकर्मियों में सुशील कुमार, शेख अब्दुल्ला खान, अशोक कुमार गुप्ता, जयप्रकाश कुमार और प्रमोद कुमार शामिल हैं. जबकि घायल हुए शेख अब्दुल्ला खान और जयप्रकाश कुमार को बेहतर इलाज की हायर सेंटर रेफर किया गया है.

कारोबार

कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड का भाव 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये की दर से उपलब्ध है.

आयुर्वेद आधारित सौंदर्य उत्पाद लोकप्रिय हुए

नयी दिल्ली । आयुर्वेदिक सूत्रों पर आधारित सौंदर्य प्रसाधन भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, जिससे स्वदेशी वैकल्पिक प्रकृति-आधारित उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है. प्रगति मैदान में प्रदर्शनी हॉल संख्या 12 में सौंदर्य उत्पादों की नई किस्म को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष आयोजन किया गया. यह किस्म प्राकृतिक उपचारक के रूप में भी काम करती है. प्रदर्शनी में आने वालों के बीच चारकोल वाले फेसवॉश की काफी अधिक मांग है. यह दिल्ली की धुंध भरी जहरीली हवा के दुष्प्रभावों के खिलाफ प्रभावी है.

डीएलएफ के ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

नयी दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट फर्म सुपरटेक और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन मामले में जांच के तहत गुरुग्राम में प्रमुख रियल्टी कंपनी डीएलएफ के परिसरों की तलाशी ली है. सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने पिछले कुछ दिनों में हुई कार्रवाई के दौरान कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं. यह कार्रवाई सुपरटेक के खिलाफ ईडी की जांच से जुड़ी है. ईडी ने इस मामले में सुपरटेक के प्रवर्तक राम किशोर (आर के) अरोड़ा को जून में गिरफ्तार किया था. कंपनियों के खिलाफ 670 घर खरीदारों से 164 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप लगा है.

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.077 अरब डॉलर बढ़ कर 595.397 अरब डॉलर तक पहुंचा

दिवाली के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के लिए अच्छी खबर है कि इस सप्ताह अपना विदेशी मुद्रा भंडार 5.077 अरब डॉलर बढ़ कर 595.397 अरब डॉलर तक पहुंच गया है. दिवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों पर कुछ ज्यादा ही भरोसा जताया. तभी तो बीते 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में जोरदार बढ़ोतरी हुई है. इससे पहले, बीते 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें $462 मिलियन की कमी हुई थी. भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक 17 नवंबर 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी बढ़ोतरी हुई है. इस दौरान भारत का भंडार 5.077 बिलियन डॉलर बढ़ कर $595.397 बिलियन तक पहुंच गया है.

इससे एक सप्ताह पहले अपने भंडार में $462 मिलियन की कमी के साथ $590.321 बिलियन का रहा गया था. ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645

अक्टूबर 2021 में 645 अरब डॉलर तक पहुंचा था

भारी बढ़ोतरी

- एक सप्ताह पहले $462 मिलियन की कमी हुई थी
- समाप्त हुए सप्ताह में एफसीए $4 .39 बिलियन बढ़ी

अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था.

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) बढ़ी हैं. बीते 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान एफसीए में $4.39 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है. अब अपना एफसीए भंडार यूएसडी 526.39 बिलियन का हो गया है. बात दें कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या एफसीए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है. डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है. इसी महीने की 17 तारीख को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है. इस सप्ताह गोल्ड रिजर्व में 527 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है.

अब अपना सोने का भंडार यूएसडी 46.04 बिलियन का हो गया है. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में बढ़ोतरी हुई है. समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर 120 मिलियन डॉलर बढ़ कर 18.13 बिलियन डॉलर तक चला गया है. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है. आलोच्य सप्ताह के दौरान इसमें यूएसडी 42 मिलियन की बढ़ोतरी हुई है. अब यह बढ़ कर यूएसडी 4.83 बिलियन तक चला गया है.

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने केंद्रीय बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार में पर्याप्त गिरावट दर्ज की है. एसबीपी के भंडार में 217 मिलियन डॉलर की गिरावट आई, जो 17 नवंबर तक 7.180 बिलियन डॉलर के नए निचले स्तर पर पहुंच गया. यह कमी जुलाई में प्राप्त 3 बिलियन डॉलर की आईएमएफ स्टैंड-बाय व्यवस्था और सऊदी अरब और यूएई से सहायता सहित पिछली वित्तीय सहायता के बावजूद आई है. कुल राष्ट्रीय भंडार, जिसमें वाणिज्यिक बैंकों की होल्डिंग्स शामिल हैं, 233 मिलियन डॉलर कम हो गई, जो वाणिज्यिक बैंकों के भंडार $17 मिलियन घटकर $5.122 बिलियन होने के बाद $12.302 बिलियन हो गई.

बफे ने पूरा हिस्सा 1371 करोड़ में बेचा, प्रति शेयर 31% का हुआ घाटा

नयी दिल्ली । बिग बुल के नाम से मशहूर वारेन बफे का नाम शेयर बाजार की दुनिया में बड़े सम्मान से लिया जाता है. हालांकि दिग्गज इन्वेस्टर का किसी भारतीय शेयर में किया गया पहला निवेश महंगा पड़ा है. वारेन बफे मुख्य तौर पर अमेरिकी शेयरों में इन्वेस्ट करते हैं. अब करीब 5 साल के बाद वारेन बफे की कंपनी अपने एकमात्र व पहले भारतीय निवेश से बाहर हो गई है. इस पूरे सौदे में बफे की कंपनी को तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा है. करीब 5 साल पहले पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड में निवेश किया था. पेटीएम के आईपीओ के समय बताया गया था कि बर्कशायर ने 1,279.70 रुपये प्रति शेयर की दर से उसके 17,027,130 शेयरों का अधिग्रहण किया था. साल 2021 में जब पेटीएम का आईपीओ लॉन्च हुआ था, उस समय बर्कशायर ने अपनी कुछ हिस्सेदारी बेची थी. उसके बाद पेटीएम में बर्कशायर के पास 15,623,529 शेयर बचे हुए थे. शुक्रवार को बफे की कंपनी ने पेटीएम में बची अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी. यह सौदा 877.20 रुपये प्रति शेयर की दर से हुआ. इस तरह पूरे सौदे में वारेन बफे की कंपनी को करीब 630 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ गया.

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, एमओयू साइन

उड़ान भरने वाली पहली एयरलाइंस होगी इंडिगो

भाषा । नोएडा

गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहे वर्ल्डक्लास एयरपोर्ट से उड़ने वाली पहली फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की होगी. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है. यह हवाई अड्डा 2024 के अंत तक चालू हो जाएगा. एनआईए और इंडिगो एयरलाइंस के बीच इस संबंध में एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर भी हो गए हैं. इसके तहत इंडिगो इस इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लांच कैरियर बन गया है. एनआईए और इंडिगो ने दिल्ली में इस एमओयू पर साइन किए. इसके मुताबिक, उत्तर प्रदेश के अंदर और बाहर उड़ानें संचालित करने में देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस मजबूती से काम करेगी. इससे एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी प्रदेश और देश के अन्य इलाकों से मजबूत हो जाएगी. एनआईए एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट है. यह दिल्ली से लगभग 75 किलोमीटर दूर यूपी में गौतम बौद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहा है. चालू होने के बाद यह एनसीआर में दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन

जाएगा. साथ ही यह एनसीआर का तीसरा एयरपोर्ट भी होगा.

हवाई यात्रा करने वालों को बेहतर अनुभव दे पाएंगे : समझौते के बाद एनआईए ने बताया कि इंडिगो के साथ मिलकर हम हवाई सेवा को मजबूत कर पाएंगे. साथ ही ग्राहकों को सुविधाएं भी दे पाएंगे. एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ स्नैलमेन ने कहा कि हम इंडिगो के साथ हुए इस समझौते से उत्साहित हैं. इस एयरलाइंस की घरेलू और इंटरनेशनल मार्केट पर मजबूत पकड़ है. एनआईए और इंडिगो के बीच साझेदारी न केवल हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी बल्कि बल्कि हमारे एयरपोर्ट पर आने वालों को एक अच्छा अनुभव भी देगी. इंडिगो के बड़े रूट नेटवर्क और अनुभव का लाभ एनआईए को भी मिलेगा.

सख्त कदम बैंकों और ग्राहकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए केंद्र सरकार हुई सख्त

धोखाधड़ी रोकने के लिए बनेगी नई गाइडलाइन

भाषा । नई दिल्ली

बैंकों और ग्राहकों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए अब केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है. वित्त मंत्रालय साइबर सुरक्षा से जुड़े मसलों पर बात करने के लिए अगले सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य अधिकारियों के साथ बैठक करेगा. इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के यूको बैंक के साथ हुई 820 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को देखते हुए यह बैठक की जा रही है.

सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने पहले ही बैंकों से कहा है कि वे अपनी डिजिटल व्यवस्था और साइबर सुरक्षा से जुड़े कदमों की समीक्षा करें. मंत्रालय अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी लेगा. दरअसल, दीपावली के दौरान यूको बैंक एक आईएमपीएस धोखाधड़ी से प्रभावित हुआ था, जिसमें यूको बैंक के कुछ खाताधारकों के खाते में 820 करोड़ रुपये जमा किए गए थे, जबकि किसी अन्य बैंक से कोई निकासी नहीं हुई थी. यूको बैंक इसमें से करीब 679 करोड़ रुपये या 79 फीसदी वापस लेने में सफल हुआ था, वहीं शेष राशि खाताधारकों ने निकाल ली. बैंक ने कहा कि 10 और 13 नवंबर के बीच इमीडिएट पेमेंट सर्विस से अन्य बैंकों के खातेदारों द्वारा कुछ लेन देन की पहल की गई, जिससे यूको बैंक के खाताधारकों के खातों में पैसे जमा हो गए, जबकि वास्तव में उन बैंकों से कोई धन प्राप्त नहीं हुआ.

एहतियाती कदम उठाते हुए यूको

बैंक ने आईएमपीएस व्यवस्था को ऑफलाइन कर दिया. साथ ही बैंक ने साइबर हमले सहित कर्जदाता की आईएमपीएस सेवा के कामकाज को किसी तरह से बाधित करने की कवायद की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से संपर्क साधा. सूत्रों ने कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी कुछ अन्य सार्वजनिक बैंकों के साथ दो बार पहले भी हो चुकी है, लेकिन उसे गंभीरता से संज्ञान में नहीं लिया गया, क्योंकि इसकी राशि बहुत कम थी.

हाल ही में रिजर्व बैंक ने कहा था कि साइबर सुरक्षा की जरूरतों का न्यूनतम साझा ढांचा तैयार किया जाना चाहिए, जिससे कि वित्तीय संस्थानों के लिए बेहतरीन गतिविधियां और मानक स्थापित हो सकें और इससे सभी संस्थानों को साइबर जोखिम से खुद को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिल सके.

रिजर्व बैंक दे चुका है चेतावनी : भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए अनिवार्य किया है कि वे व्यापक रूप से स्वीकार्य साइबर सुरक्षा नीति अपनाएं, जिसमें साइबर जोखिम को रोकने के लिए रणनीति स्पष्ट की गई हो और कारोबार की जटिलता के स्तर के मुताबिक जोखिम स्वीकार्य स्तर तक ही रहे. नियामक ने जोर दिया है कि साइबर सुरक्षा नीति व्यापक आईटी नीति से अलग बनाने की जरूरत है. रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर ने भी बैंकों की साइबर सुरक्षा का मसला उठाते हुए कहा था कि बैंकों को हाइपर पर्सनलाइज्ड और टेक बैंकिंग माहौल में साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए.

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बैंकों को समय से ग्राहकों की शिकायत का समाधान मुहैया कराने की कवायद करने की जरूरत है, जो टेक्नोलॉजी और उत्पादों की व्यापकता में तालमेल नहीं बिठा पाए हैं.

एलन मस्क की 'एक्स' को लगा बड़ा झटका

एक ट्वीट से 7.5 करोड़ डॉलर का नुकसान होने की संभावना

भाषा । वाशिंगटन

एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) को इस साल के अंत तक करीब साढ़े सात करोड़ डॉलर का नुकसान हो सकता है. दरअसल, यह नुकसान कंपनी के एडवरटाइजिंग राजस्व में होगा क्योंकि एक्स पर कई बड़ी कंपनियों ने अपनी मार्केटिंग कैंपेन पर रोक लगा दी है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह सब एलन मस्क के एक ट्वीट के चलते हो रहा है, जिसे लेकर मस्क पर यहूदी विरोधी होने के आरोप लगे हैं. बता दें कि मस्क ने हाल ही में एक यहूदी विरोधी सोशल मीडिया पोस्ट का समर्थन किया था. जिसे लेकर मस्क पर यहूदी विरोध को बढ़ावा देने का आरोप लगा. अमेरिका की सरकार ने भी इसकी आलोचना की थी. अब खबर आ रही है कि कई बड़ी कंपनियों में जिनमें वाल्ट डिज्नी और वार्नर ब्रदर्स आदि ने एक्स पर अपने मार्केटिंग कैंपेन को रोक दिया है. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते ही 200 से ज्यादा एड यूनिट रोक दी गई हैं, जिनमें एयरबीएनबी, अमेजन, कोका कोला और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के विज्ञापन शामिल हैं.

बताया जा रहा है कि कंपनी का 1.1 करोड़ डॉलर का राजस्व फिलहाल खतरे में है और यह आंकड़ा बढ़ या घट भी सकता है क्योंकि ऐसी खबरें हैं कि कुछ कंपनियां जिन्होंने एक्स पर अपनी मार्केटिंग रोक दी है, वह वापसी कर सकती हैं और कुछ कंपनियां अपने प्रचार का खर्च भी बढ़ा सकती हैं.

“ सूर्य वैसे तो सारे संसार को प्रकाश और ताप देता है, पर यदि वह मेघ से आच्छन्न हो जाए तो ऐसा नहीं कर पाता. इसी भांति जब तक हृदय अहंकार के आवरण से आच्छादित रहता है, तब तक उसमें भगवान प्रकाशित नहीं हो पाते. यह अहं मेघ की तरह है. इसी के कारण हम ईश्वर को नहीं देख पाते. –स्वामी रामकृष्ण परमहंस ”

काश! फिर आती सितारों से कभी वो चिट्ठियां

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बात जब समय की उठती है तो मेरे मानस पटल पर कवि प्रदीप का यह गीत उभर जाता है-समय का खेल निराला रे भाई, समय का खेल निराला. समय के आगे झुकना पड़े चाहे कोई भी हो बलवाला रे भाई, समय का खेल निराला. इस गीत में अध्यात्म है, दर्शन है. यह अलग बात है कि हिंदी साहित्य के महारथियों ने फिल्मों में प्रयुक्त गीतों को साहित्य नहीं माना है, चाहे उनमें साहित्य के जितने भी तत्व क्यों नहीं मौजूद हों. बात निकली है समय की तो इस बात पर गौर करना पड़ रहा है कि समय का चक्र निरंतर चलता रहता है. सूरज उगता नित्य प्रात में और शाम में ढलता रहता है. कहते हैं समय सर्वाधिक मूल्यवान होता है, जो एक बार निकल जाता है, वह फिर लौट कर नहीं आता. जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं जो मकाम, वे फिर नहीं आते. काली अंधेरी रात चली जाती है, फिर सुबह आ जाती है. समय का चक्र कभी रुकता नहीं, वह एक पल में ही काफी आगे निकल जाता है. मनुष्य ठीक से देख नहीं पाता और परदे में ही पूरा का पूरा मंजर बदल जाता है. इसीलिए तो हिंदी चित्रपट संसार के दिग्गज गीतकार शैलेंद्र ने कहा है-कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन, बीते हुए दिन वो हाय, प्यारे पल छीन. सैकड़ों अत्यंत लोकप्रिय गीतों के गीतकार आनंद बक्शी ने इस बात पर निष्कर्ष दिया है-एक बार चले जाते हैं जो दिनरात सुबहोशाम, वो फिर नहीं आते. रांची के जाने माने कवि हिमकर श्याम समय को नदी के रूप में देख रहे हैं. नदी की धारा समय के साथ निरंतर बहती रहती है. जो उस धारा के साथ चलता है, वह आगे निकल जाता है और जो समय की परवाह नहीं करता, वह किनारे पर बैठा ही रह जाता है. **हिमकर जी** की कविता का शीर्षक है-समय की नदी.

पल पल बहती समय की नदी
सफ़र चिरन्तन अंधियारी घनी
सुख-दुख के सौ फेरे में
मौन उदासी के घेरे में
अंखियां बुनती स्वप्न सतरंगी
संगी साथी सब बिछड़ रहे
उलझन में हम भी उलझ रहे
पलकों पर कितनी पीर पली
ताप लिए हृदय में फिरता
भीतर-भीतर रोज़ मचलता
बुझती नहीं प्यास चाहत की

बीतेगा जब निष्ठुर पतझड़
छांव लुटायेगा फिर अम्बर
मरुथल में बरसेगी बदली
रात ढलेगी, दिन बदलेगा
सघन अंधेरा छंट जाएगा
सुबह सुनहरी अब द्वार खड़ी.

यही तो शाश्वत सत्य है, लेकिन मानव मन थोड़ी सी अहजता को भी सहन नहीं कर पाता. विह्वल हो उठता है. कवि हिमकर वैसे ही विकल मनों को सांत्वना देते हैं. कवि **हिमकर श्याम** जब काव्य पाठ करते हैं तो सहज ही श्रोताओं से बन जाता है उनका नया नाता और उनकी एक रचना से मन नहीं अघाता. कुलबुला उठती है जिज्ञासा घोर और मुंह से निकल पड़ता है-हिमकर जी, वन्स मोर और वह सुनाने लगते हैं यह गजल-

लोग रखते गुमान क्या, मत कह.
वो न समझेंगे माजरा, मत कह.
कोई सुनता नहीं किसी की अब,
कहने से क्या है फ़ाएदा, मत कह.
जानता है न हश्र क्या होगा,
पर इसे पैंतरा नया, मत कह.
किसके हक़ में वो फ़ैसला लेता,
कोई खुल कर न बोलता, मत कह.
उसकी नीयत न साफ़ लगती है,
देखता सिर्फ़ फ़ाएदा, मत कह.
हर तरफ़ बे-हयाई का मंजर,
कुछ नहीं है ढका-छुपा, मत कह.
मीठी बातों से सबको लूट लिया,
कितना शातिर है रहनुमा, मत कह.
दौरे- हाज़िर का यह तक़ाज़ा है,
झूठ क्या और सच है क्या, मत कह.
मुल्क अपना बदल रहा 'हिमकर',
है यक़ीं या मुग़ालता, मत कह.

आधुनिक मोबाइल और इंटरनेट के युग में लोगों की चिट्ठियां लिखने की आदत छूट गयी हैं. अब सारा काम मोबाइल पर हो जाता है और पलक झपकते पानेवाले के पास पहुंच जाती है दिल की बात. अब तो गांवों में भी कोई गोरी किसी छैल-छबीले डाकिये से यह नहीं कहती-खत लिख दे सांवरिया के नाम बाबू. इसके बावजूद चिट्ठियों का महत्व तो कम नहीं हुआ है. बात तो रहस्य की है, लेकिन उस रहस्य से परदा उठा रही हैं दिल्ली की **कवयित्री शालिनी खन्ना.** इनकी कविता का शीर्षक ही है-चिट्ठियां.

प्यार में दिल की सियाही, से लिखी वो चिठ्ठियां
चैन औ दिल के करारो, से पगी वो चिठ्ठियां.
था कभी पतझड़ सरीखा, यह जहां मेरे लिए
रौनकें लातीं बहारों, से सजीं वो चिठ्ठियां.
थे निरस बेरंग होने, को लगे उस दौर मे
रंग ले आई गुलाबो, में रखी वो चिठ्ठियां.
नेह है शायद उसे, पर प्रीत है शायद नहीं
लो गई सुलझा जवाबों से भरी वो चिठ्ठियां.
हो गये इतने बड़े हम, भूल बैठे है जहां
याद आई फिर दुआओं से गढ़ी वो चिठ्ठियां.
हाल ना पूछे सुनाये, याद तब आती मुझे
हूं कुशल चाहूं, रिवाजों से बन्धी वो चिठ्ठियां.
वे घने थे बहुत जिनकी छत्रछाया में पले
याद आती है सुझावों से भरी वो चिठ्ठियां.
चल दिया जो छोड़ जग, को वह भला क्या आयेगा
काश! फिर आती सितारों, से कभी वो चिठ्ठियां..

लगभग साठ दशक पूर्व की याद ताजा हो जाती है, जब किसी चिट्ठी का शुभारंभ होता था-मैं कुशल हूं और आपका भी कुशल चाहता हूं. आज तो यह बात एसएमएस या ह्वाट्सएप के संदेशों में भी नहीं लिखा जाता. संभवतः यह मान लिया जाता है समय का चक्र जिस दौर से गुजर रहा है, वहां किसी के सकुशल होने की संभावना ही क्षीण हो चुकी है और इस तरह की बात बेमानी हो गयी है. फिर समय की बात निकली तो क्षितिज पर उदित या अस्त होता सूरज की छवि सामने आ जाती है. तब **डॉ. शिवनंदन सिन्हा** जैसे वयोवृद् कवि के मुखारविंद से इस रचना की सृष्टि होती है, जिसका शीर्षक है-क्षितिज का सूरज.

निकल रहा रवि क्षितिज पटल पर
लेकर साथ अरुणिमा सारी
बुन रही हैं उसकी किरणें
हर्ष, उत्साह अवनि तल पर
पिघल बर्फ हिमगिरि की
झरझर झरने झरते हैं
कलकल ध्वनि निनादित करती
नदियां दौड़ चलीं सागर की ओर
रवि किरणों-सी लगतीं नदियां
स्वर्णिम आंचल सम्भाल चलीं
फैल रहीं किरणें दिशा चतुर्दिक
आलोकित हो रहा जग सारा
खग-कुल कुलकुल कर निकल
नित्य कार्य पर लगे हुए
शनैः शनैः बढ़ता कोलाहल
मानो चला उमड़, पारावार.

इन कविताओं के साथ बच्चों, किशारों और युवा मित्रों से आग्रह है कि वे समय का मूल्य पहचानें. उसके एक-एक क्षण का सदुपयोग करें और अपना जीवन सफल बनायें. अन्यथा समय का सर्प बिल में चला जाएगा. फिर आप लकीरें पीटते रह जाएंगे. इन्हीं शब्दों के साथ दीजिए आज्ञा. अगले सप्ताह फिर मिलेंगे. जय हिंद! जय झारखंड!!

विधायकों की पेंशन की बातें

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूं तो बीसियों ऐसे फैसले लिए हैं, जिससे राज्य में प्रसन्नता, भयमुक्त और मर्यादा का सम्मान हो रहा है. योगी जी ने अपने निर्णयों से एक बार पुनः स्थापित किया कि विधायक गण आम जनता की सेवा और कल्याण के लिए निर्वाचित होते हैं, न कि जनता के टैक्स के पैसों से ऐश करने के लिए. यहां इस चर्चा की प्रासंगिकता स्पष्ट होगी, जब हम उनके निर्णयों पर ध्यान देंगे. मुख्यमंत्री कार्यालय की सजावट इत्यादि पर वृहत खर्च की जगह न्यूनतम खर्च की स्वीकृति उन्होंने दी, नए मुख्यमंत्री के लिए करोड़ों में नए वाहन खरीदे जाने की परंपरा पर भी उनहोंने रोक लगा दी. पुराने वाहन को ही अपने उपयोग में रखने की स्वीकृति दी. भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा जमा किये जाने वाले आयकर को सरकारें वापस कर देती रहीं थीं. उन्होंने दलील दी कि राज्य के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी अपना टैक्स स्वयं दे सकते हैं तो लाखों मासिक आय वाले जनता के चुने प्रतिनिधि क्यों नहीं? योगी जी का एक और निर्णय ऐतिहासिक है. कुछेक दशक पूर्व लिए गए निर्णय के अनुसार कोई निर्वाचित प्रतिनिधि यदि आठ बार चुना जाता था तो उन्हें प्रत्येक बार के लिए अलग पेंशन मिलता था. नए निर्णय के अनुसार विधायक को चयन करना होगा कि उन्हें कौन एक पेंशन स्वीकार्य है.

आप मानेंगे कि योगी ने इन निर्णयों ने राजकोष के करोड़ों रुपये सालाना बचाने का ऐतिहासिक कार्य किया है.क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन निर्णयों से अन्य मुख्यमंत्रियों को प्रेरणा नहीं लेनी चाहिए? झारखण्ड जैसे राज्य में राज्य गठन के बाद पिछले तेईस साल में माननीयों के वेतन और भत्तों में राज्य के कर्मचारियों की तुलना में कई बार अधिक परिवर्तन किया गया है. वर्ष 2004 के बाद केंद्र और राज्य सरकार के नियुक्त सारे कर्मचारियों और अधिकारियों को पेंशन दिए जाने का प्रावधान नहीं है. प्राकृतिक न्याय के दृष्टिकोण से क्या चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए भी ऐसी व्यवस्था नहीं होनी चाहिए? राजकोष से किसी भी व्यक्ति को दिए जाने वाले पेंशन पर पूर्णतः रोक एक महत्वपूर्ण निर्णय होगा! सभी लोगों के लिए 'एनपीएस' की व्यवस्था की जानी चाहिए. जबतक ऐसा नहीं होता तब तक राजनीति को सेवा का अवसर नहीं, ऐशगाह समझते रहेंगे! ज़रा इस पर गंभीरता से सोचियेगा!

रमणीय और मनोरम है बेतला नेशनल पार्क

यायावर की डायरी
डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय

तुलसी मानस मंदिर साहित्य समाज चौक, डालटनगंज (मेदिनीनगर) द्वारा रामचरितमानस नवाह्न पारायण महायज्ञ का आयोजन 20 नवंबर से 28 नवंबर तक किया गया है. प्रभु श्रीराम की अहैतुकी कृपा से इस महायज्ञ के चार प्रमुख वक्ताओं की सूची में मेरा नाम भी सम्मिलित था .झांसी से श्री रुचि रामायणी, अयोध्या से पं मधुसूदन शास्त्री, डालटेनगंज से डॉ. सत्यकेतु संजय और रांची से डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय यानी मैं. इस महायज्ञ के संयोजक, संकल्पक और व्यवस्थापक डालटनगंज के सुप्रसिद्ध समाज सेवी और वरीय अधिवक्ता डॉ. शिवनाथ अग्रवाल थे. मैंने पांच दिनों का समय इस महायज्ञ को दिया था. मेरा उद्बोधन प्रतिदिन शाम 8 बजे से 9 बजे होता था. दिन के पूर्वाह्न में मैं प्रायः मुक्त ही था. मैंने अपने प्रिय शिष्य और डालटनगंज के सारथी डॉ. प्रेमजित से बेतला नेशनल पार्क देखने की इच्छा प्रकट की. उसने तत्क्षण कहा- गुरु जी! आपकी यह इच्छा कल यानी 22 नवंबर को अवश्य पूरी होगी और उसने अपने परम शुभैषी और पृथ्वी नाथ बीएड कालेज के संकल्पक बंधुवर श्याम किशोर सिंह से संपर्क साधा और बेतला नेशनल पार्क भ्रमण की मेरी योजना ने मूर्त रूप ले लिया.यह नहीं कि मैं डालटनगंज पहली बार गया था, अनेक बार जाने का अवसर मिला था, लेकिन बेतला नेशनल पार्क भ्रमण का यह पहला शुभावसर था. हम सभी श्याम किशोर सिंह की एस्कॉर्पियो गाड़ी से शाम 4 बजे बेतला पहुंचे. यों आमतौर पर मंगलवार को साप्ताहिक बंदी रहती है, लेकिन श्याम किशोर बाबू के सौजन्य से भीतर प्रवेश करने का अवसर मिल गया और वहां जाना सार्थक एवं सिद्ध हो गया और अनेक जीव जंतुओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला.

इस संदर्भ में अपने पाठकों को बताते चलें कि 1974 में स्थापित भारत का सबसे पुराना टाइगर रिजर्व में से एक बेतला राष्ट्रीय पार्क है, जिसे पूर्व में पलामू टाईगर रिजर्व के नाम से जाना जाता था. 1986 में इस अभयारण्य को बेतला राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अपग्रेड किया गया था. बेतला राष्ट्रीय उद्यान भौगोलिक दृष्टि से झारखंड प्रांत के लातेहार जिले में स्थित है. इसमें पलामू व्याघ्र आरक्षित वन के 1026 वर्ग किलो मीटर जमीन के अलावा 289 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र इसमें सम्मिलित है. यह पार्क विविध प्रकार के वन्य जीवों को समेटे हुए है. बेतला निम्नलिखित शब्दों का संक्षिप्त रूप हैः-

बाइसन, हाथी, बाघ एवं तेंदुआ एक्सिस (अक्ष या धुरी) बीईटीएलए यानी बेतला. झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 170 किलो मीटर दूरी पर बेतला नेशनल पार्क प्रकृति की गोद में अवस्थित है. यह झारखंड का एकलौता नेशनल पार्क है, जहां बाघ, तेंदुआ, चित्तल, भालू, हाथी, बंदर, सांभर, नीलगाय, हिरण और मोर पाये जाते हैं.एक सरकारी आंकड़े के अनुसार इस वन क्षेत्र में 970 प्रजाति के पौधे,174 प्रजातियों के पक्षी, 39 स्तनधारी, 180 प्रजाति के औषधीय पौधे पाए जाते हैं. कोयल नदी के सटे इस पार्क में झरने भी हैं. यहां दो ऐतिहासिक क़िले भी हैं, जिन्हें पलामू किले के नाम से जाना जाता है. उनमें एक बेतला के पास स्थित है, जिसे 16 वीं शताब्दी में चेरो राजाओं ने बनवाया था. अब यह जंगल के अंदर है, लेकिन दूसरा पुराने किले का मुख्य प्रहरी तीन दिशाओं और मुख्य द्वारों में सुरक्षा के साथ पहाड़ी पर ऊंचा दिखाई पड़ता है. बेतला में झारखंड सरकार का एक सरकारी डाक बंगला भी है, जो बेहद खूबसूरत और संसाधनों से परिपूर्ण है. बेतला नेशनल पार्क प्रकृति की गोद में स्थित होने के कारण अत्यधिक रमणिक और आकर्षक भी है. प्रतिदिन हजारों पर्यटक दूर दूर से और अन्य प्रदेशों से भी इसके अवलोकनार्थ आते और आनंद पाते हैं.

जंगल में डीप फेक

नश्तर
सुधीर राघव

गधा बातों की खुदाई में लगा था. उसकी सारी बातें झूठी थीं. बातें खोदते-खोदते गधा बहुत गहराई तक पहुंच गया. पहले इस तरह की झूठी बातें खोदने को नीच हरकत कहा जाता था. इस स्तर तक झूठ की गहरी खाई में उतर जाने को हद दर्जे तक नीचे गिरना माना जाता था. मगर अब ऐसा नहीं था.

अब कैलोबेलो कंपनी के सभी न्यूज चैनलों ने गधे की इस हरकत को एक नया नाम दिया-डीप फेक. यह नाम गुलामी वाली मुगलिया भाषा में नहीं था, बल्कि उच्च अंग्रेजी भाषा में था. इसलिए गधे ने झट से इसे लपक लिया तथा झूठी बातें खोदने की अपनी गति और तेज कर दी.

जंगल के जानवरों की अज्ञानता पर गधे को इतना ज्यादा विश्वास हो चुका था कि वह सफेद झूठ भी बिना किसी हिचक के पूरे आत्मविश्वास से बोलता. अपने मालिक सेठ दुलीचंद सुनामी को आधा जंगल बेच देने के तत्काल बाद उसने जानवरों की सभा में शेरों पर आरोप लगाया कि उन्होंने जंगल बेच दिया है. अब वह इस जंगल को बचाएगा. इसके लिए अपनी जान की बाजी भी लगा देगा.

दुलीचंद की कंपनी कैलोबेलो के हर चैनल पर तत्काल यह खबर छा गई कि शेरों ने जंगल बेच दिया है और अब राजा गधे ने जंगल को बचाने का प्रण लिया है. शेरों ने जब चैनलों को सच बताने की कोशिश की तो प्रसारण के दौरान उनकी आवाज में तकनीकी गड़बड़ कर दी गई, ताकि किसी को कुछ समझ न आए.

ज्यादातर जानवरों ने हमेशा की तरह टीवी न्यूज चैनलों की बात पर ही विश्वास किया. हाथी जैसे कुछ ही विद्वान जानवर थे, जो इस डीप फेक को समझ रहे थे कि अगर दस साल से गधा ही राजा है तो शेर जंगल कैसे बेच सकते हैं!

यामिनी राय के चित्र में रोजमर्रा का जीवन संघर्ष

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कलाकार और व्यक्ति दोनों ही रूपों में यामिनी राय की जद्दोजहद अनोखी रही है. यामिनी राय कला जगत में एक ऐसा नाम है, जो मौलिकता और अपनेपन के लिए पथरीली धरती की छाती को फोड़कर नागफनी की तरह उगा. 20वीं शताब्दी के शुरू के दशकों में चित्रकारी की ब्रिटिश शैली में प्रशिक्षित प्रख्यात सिद्धहस्त चित्रकार यामिनी राय के जीवन में ऐसा समय भी आया, जब उन्हें अपना मकान और जमीन बेचनी पड़ी. वर्षों तक लाई और गुड़ पर दिन गुजारने पड़े, लेकिन कला इनके लिए सदैव आराधना सी पवित्र रहीं. कला के साथ इन्होंने कभी कोई व्यावसायिक पहलू नहीं जोड़ा और न कभी कोई समझौता किया.

कोलकाता के गवर्नमेंट स्कूल ऑफ आर्ट्स से ग्रेजुएशन के बाद उन्हें पोर्ट्रेट बनाने का काम नियमित रूप से मिलता रहा, लेकिन 20वीं शताब्दी के पहले तीन दशकों में बंगाल की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में बहुत जबर्दस्त परिवर्तन आया. राष्ट्रवादी आंदोलन के प्रभाव से साहित्य और कलाओं में सभी तरह के प्रयोग होने लगे. अवनीन्द्रनाथ टैगोर ने यूरोपीय प्रकृतिवाद और कला के लिए तैल के माध्यम को छोड़कर बंगाल स्कूल की स्थापना से दृश्य कलाओं में भी प्रयोग स्पष्ट दिखाई देने लगे थे.

यामिनी राय ने शिक्षा ग्रहण की अवधि में जो कला शैली सीखी थी, उसे उन्होंने छोड़ दिया. 1920 के बाद के कुछ वर्षों में उन्हें कला के ऐसे नये रूपों की तलाश थी, जो उनके दिल को छूते थे. इसके लिए उन्होंने विभिन्न प्रकार के स्रोतों, जैसे-पूर्व एशियाई लेखन शैली, पक्की मिट्टी से बने मंदिरों की कला वल्लरियों, लोक कलाओं की वस्तुओं और शिल्प परम्पराओं आदि से प्रेरणा ली. 1920 के बाद के वर्षों में यामिनी राय ने ग्रामीण दृश्यों और लोगों की खुशियों को प्रकट करने वाले चित्र बनाए, जिनमें ग्रामीण वातावरण में उनके बचपन के लालन-पालन के भोले और स्वच्छंद जीवन की झलक थी. यह एक प्रकार से उनके लिए स्वाभाविक प्रयास था. इसमें कोई शक नहीं कि इस काल के बाद उन्होंने अपनी जड़ों से नजदीकी को अभिव्यक्ति देने का प्रयास किया था.

वर्ष 1919-1920 ई. के आसपास यामिनी राय ने लोगों के पोर्ट्रेट चित्र बनाने बंद कर दिये. वे थोड़ा-सा पोर्ट्रेट बनाते थे और फिर उन्हें अंदर से कुछ ऐसा महसूस होता था कि यह ठीक नहीं है और वे उसे मिटा देते थे. ऐसा कुछ दिन तक चला और फिर अचानक वे अपने मन में उठने वाले दृश्य भावों को बिल्कुल नये रूप में प्रस्तुत करने लगे. अगले कुछ वर्षों में उन्होंने संथाल महिलाओं के कई चित्र बनाए. इन भावुकतापूर्ण चित्रों में महिलाएं ग्रामीण माहौल में रोजमर्रा के काम करती दिखाई देती थीं. अपनी तूलिका से यामिनी राय ऐसी स्पष्ट कोणीय रेखाएं बनाती थीं, जिनसे मोहक चित्र बन जाते थे, जो उनकी नयी उभरती शैली के प्रतीक थे. ये चित्र उनकी दृश्य भाषा में हो रहे और अधिक नाटकीय परिवर्तन को दर्शाते थे. 1925 के आसपास उनके चित्रों में लेखन शैली जैसी रेखाएं उभर कर आने लगीं, जिससे पता चलता था कि कलाकार का अपनी कूची पर कितना नियंत्रण था. उनके चित्रों में रंग उभरे दिखते थे और कई ऐसे एकवर्णी चित्रों की शृंखला बनी, जिससे संकेत मिलता था कि चित्रकार ने पूर्व एशियाई चित्र कला शैली और कालीघाट पाटों से प्रेरणा ली है. चित्र रोजमर्रा की जिन्दगी से जुड़े थे. इनकी चित्रकारी में गांव, आम आदमी, जानवरों और पुरानी संस्कृति की झलक दिखती है.

आखर

अंतिम फैसला

कहानी

कविता विकास

ढिबरी की मध्दिम रोशनी में रूकैया ने अपना चेहरा देखा. गोरे गुलाबी गालों पर बालों के गिरते लट. अचानक वह मुस्कुरा पड़ी. अब तो गाल पर गड्ढे भी दिखने लगे. उसे अपनी सुंदरता पर नाज़ हो रहा था. जावेद ने गलत नहीं कहा था कि वह भोर के ओस जैसी स्निग्ध और गुलाब की पंखुरी सी कोमल है. उसे रात इसी ढिबरी की रोशनी में गुजारनी थी क्योंकि छोटे भैया बाहर गए हुए थे, आने पर वही बिजली की तार में हुई खराबी को ठीक करेंगे, बाकी तो इतने बड़े घर में और कोई उसे पूछने वाला नहीं था. तभी भाभी की आवाज़ सुनाई दी "अरे, रुकैया, कब तक ढिबरी जलाए रखेगी? तेल नहीं खर्च हो रहा? चल, बुझा कर सो जा." रुकैया ने ढिबरी बुझाई. सोने का उपक्रम करने के बाद भी नींद कोसों दूर थी. उसे अब्बा की याद आने लगी. शहर के जाने-माने मौलवी साहब की बेटी थी वह. परिवार दकियानुसी विचारों वाला अवश्य था, पर अब्बा के रहते इस बात की कभी कमी महसूस नहीं हुई. वह शहर के अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ने जाती, वह भी स्कर्ट पहन कर. उसकी दादी और दो बड़े भाई अक्सर पढ़ाई छुड़वा कर हाथ पीले कर देने की बातें करते. लेकिन अब्बा ही थे जो उन्हें अनसुना कर देते. तीन भाइयों की अकेली और सबसे छोटी बहन थी वह. दोनों बड़े भाइयों और उसके बीच काफी अंतर था. अनवर भाई ने एक बार दलील दी थी, "जब यह स्कूल जाती है, गली के लड़के फब्तियां कसते हैं." दुपट्टा भी इसके सर नहीं होता. क्या आवश्यकता है ऐसी पढ़ाई की जो इज्जत उछाल दे." यह तो अब्बू ही थे जिन्होंने सदा ही उसका साथ दिया. उन्हें झिड़क कर वह कहते – "जब तक मैं ज़िंदा हूं, इसे पढ़ने से कोई नहीं रोक सकता." पिता उसूलों वाले थे पर पढ़ाई और नयी सोच के पक्षधर. इसलिए जब अनवर भाई और मंझले ज़ेबू भाई ने बेहद कम पढ़ी-लिखी लड़कियों से शादी करनी चाही तो उन्होंने घोर विरोध जताया. भाइयों ने इसका गलत अर्थ लिया. वे सोचते कि बुआ की लड़कियों को वे अपनी बहू नहीं बनाना चाहते. बुआ जी के पैंतरे काम आ गए थे. वे हमेशा दोनों भाइयों को अपने घर बुला कर जाने क्या पट्टी पढ़ाती थीं. उनकी शादी के बाद घर में अक्सर कलह-विवाद होता रहता. भाभियां बड़ी साधारण थीं, उन्हें रुकैया की खूबसूरती खूब सालती. घर की बिगड़ती स्थिति को अब्बू ने दिल से लगा लिया और इसी सदमे में चल पड़े. मां भी फिर ज्यादा दिन तक नहीं जी पाईं. उनके जाने के बाद तो भाइयों-भाभियों से भरे परिवार में भी रुकैया अकेली पड़ गयी. उलाहना सुनते-सुनते उसके कान पक गए थे. कॉलेज से आकर उसे पूरे परिवार का खाना बनाना पड़ता. इन्हीं विचारों के मध्य उसे जाने कब नींद आ गयी. सवेरे पांच बजे के अलार्म के साथ उसकी नींद टूटी. दोपहर का खाना बना कर समय से उसे कॉलेज पहुंचना होता था. सबसे निकट का रास्ता चुनने के बाद भी वह कक्षा में लेट पहुंचती. आज भी वही हाल था. कक्षा में प्रवेश करते ही मनचले लड़कों के ग्रुप ने फब्तियां कसनी शुरू की. "आ गयीं प्रधानमंत्री जी", एक ने कहा. दूसरे ने दूसरी गोली छोड़ी, "एक हम हैं एक दिन लेट पहुंचे तो बाहर कर दिए जाते हैं, पर इन्हें कौन कुछ कह सकता है? "नेताओं की तरह लेट पहुंचने के कारण उसका नाम प्रधानमंत्री पड़ गया था. क्लास के सभी लड़के उसकी खूबसूरती के कायल थे. फ्रेंडशिप डे और वैलेंटाइन डे के दिन वह जानबूझ कर कॉलेज नहीं जाती, वो आफत के दिन थे उसके लिए. दूसरे दिन भी उपहारों का अम्बार लग जाता जिन्हें वे अपनी सहेलियों में बांट देती, अन्यथा घर ले जाने पर किसी की नज़र पड़ जाए तो एक नयी मुसीबत आरम्भ हो जाती. शायद कॉलेज ही छुड़वा दिया जाता. यूं भी आगे की पढ़ाई अब केवल छोटे भाई की इनायत पर चल रही थी. छोटे भाई की अभी शादी नहीं हुई थी और वह दिलो जान से उसे चाहते थे. इधर कुछ दिनों से उसके एक सीनियर जावेद की उससे खूब बन रही थी. बनना क्या, उसका झुकाव ही था रुकैया की ओर. एक-दो बार उसकी खातिर जावेद की मनचलों के साथ झड़प भी हुई थी. तब एक दिन प्रैक्टिकल क्लास में उसे अकेले देख कर रुकैया ने कहा- "तुम मेरे पीछे अपना समय जाया न करो. मेरा कोई भविष्य नहीं है. हमारे मेल जोल का पता मेरे भाइयों को लग गया तो मुझे ज़िंदा गाड़ दिया जाएगा" जावेद ने दिलासा देते हुए कहा, "मैं ऐसी नौबत नहीं आने दूंगा. अपने पैरों पे खड़ा होकर तुम्हारे भाइयों से तुम्हारा हाथ मांगूंगा." कॉलेज से घर पहुंच कर थोड़ी देर के लिए वह लेट गयी. पता नहीं क्यों मिज़ाज़ उखड़ा हुआ सा था. तभी बड़ी भाभी की आवाज़ आयी, " रुकैया, आज क्या महारानी जी को काम नहीं करना, चल जा, काम पर लग जा. आज रात बड़े भैया को बाहर जाना है, सो खाना खा कर ही जाएंगे." अनमना सी उठ पड़ी. काम करते हुए भी वह जावेद के बारे में सोच रही थी. दूध के भगोने को गैस पर रख ध्यान नहीं रहा और दूध उबल कर फर्श पर गिरने लगा. उसकी महक से भाभी कमरे में आईं और चिल्ला पड़ीं, सत्यानाश कर दिया. उसकी चोटी पकड़ कर लगभग चीखते हुए बोलीं, "आज कल कहां दिमाग रहता है तुम्हारा ? अब सफ़ाई करो और इस की भारपाई के लिए पानी पी कर सो जाना. खाना-वाना नहीं मिलेगा तुम्हें." मंझली भाभी ने भी हां में हां मिलाया. रात को सभी को खाना खिलाने के बाद रसोई धो-पोंछ कर रुकैया अपने कमरे में पहुंची. अंग-अंग में दर्द था. एक गिलास पानी पी कर सोने का उपक्रम करने लगी. करीब डेढ़-दो बजे किसी ने हलके से दरवाज़ा खटखटाया. दरवाज़ा खोला तो सामने छोटे भैया खड़े थे. उनके हाथों में एक कागज़ में लिपटी रोटियां और थोड़ी सब्जी थी. उन्होंने उसे पकड़ाते हुए कहा, "दरवाज़ा अंदर से लगा कर जल्दी से खा ले लाडो. कोई जान न पाये." रुकैया की आँखों से आंसू बह निकले. इसलिए नहीं कि उसके भूख का निवारण हो गया था, बल्कि इसलिए कि छोटे भैया उसका कितना ख्याल रखते थे. कई बार तो भाभियों के व्यवहार से त्रस्त हो कर उसका मन करता कहीं भाग जाए पर छोटे भैया की परेशानी समझ वह कुछ न कर पाती. धीरे-धीरे रुकैया ने ग्रेजुएशन कर ली. मोहल्ले वाले उसकी भाभियों से कहते कि इतनी बड़ी लड़की घर क्यों बिठा रखी हो, अब इसके हाथ पीले कर दो. उसने महसूस किया कि बड़ी भाभी कुछ दिनों से बड़ा अच्छा व्यवहार कर रही है. कोई डांट या छींटाकसी नहीं. भाई-भाभी दबी जुबां में कुछ बात करते, जैसे ही वह आस-पास आती, वे चुप हो जाते. दो दिन बाद दोपहर के समय घर के सभी लोग बैठक में बैठे थे तब बड़े भाई ने आवाज़ दे कर उसे बुलाया. उसके प्रवेश करते ही चुप्पी छा गयी. मानो सब इंतज़ार कर रहे हों कि पहले कौन ख़ामोशी तोड़े. आखिरकार बड़े भाई ने कहा, "रुकैया हमने तुम्हारे लिए एक लड़का देखा है. तुम्हारी भाभी के ममेरे भाई जो कुवैत में रहते हैं, वो तुमसे निकाह करने को राजी हैं. तुम तो जानती ही हो उन्हें, बेशुमार धन - दौलत है उनके पास. फिर कहीं और निकाह की बात करने से दहेज़ और अन्य खर्च बढ़ जायेंगे. इसलिए अब तुम भी उनसे शादी करने की बात मन में बिठा लो." रुकैया सन्न रह गयी. उसे कुछ कहते न बना और कुछ कहने से वहां सुनता कौन? भैया का प्रस्ताव निर्णय ही था. किसी ने आगे कुछ न कहा. उसने एक बारगी छोटे भाई की ओर देखा. नज़र मिलते ही उन्होंने नज़रें झुका लीं, मानो इस निर्णय का सहमत कर रहे हों. वह चुपचाप अपने कमरे की ओर बढ़ गयी. शौकत से वह बड़े भाई की शादी में ही पहली और अंतिम बार मिली थी. एक नंबर का ऐय्याश और आपराधिक वृति का मालिक था वह. तीन शादियां उसने पहले ही की थी जिसमें से दो पत्नियों ने ज़हर खा लिया और तीसरी से तलाक हो गया. अब वह रुकैया से चौथी शादी रचाने जा रहा था. व्यवहार और स्वभाव से बदचलन उस पुरुष से विवाह रचाने को रुकैया कतई तैयार नहीं थी. इस आकस्मिक निर्णय के बाद रुकैया रात भर रोती रही. अगले दिन कॉलेज में लाइब्रेरी की किताबें लौटाने के बहाने वह निकली. रास्ते में जावेद को फ़ोन किया और कॉलेज में मिलने को कहा. जावेद ने उसे दिलासा देते हुए उसके भाइयों से मिलना चाहा, लेकिन उसके बाद के बुरे परिणाम को भी वह जानती थी. अतः जावेद को घर आने से मना करते हुए भरी आंखों से उसे खुदा हाफ़िज़ कहा और विदा ली. अब उसके पास अंतिम उम्मीद केवल छोटे भैया बचे थे. एक दिन छोटे भाई जान को घर में अकेला देख कर उसने कहा, "भाई जान, मुझे पता है बड़ी भाभी के प्रस्ताव पर आप भी राजी नहीं होंगे. मैं कुवैत नहीं जाना चाहती भाई. आपको मैं एक ऐसे लड़के से मिलवाना चाहती हूं जो मुझसे निकाह करना चाहता है. उसकी मेरठ में मोटर पार्ट्स की दुकान है. हम दोनों एक-दूजे को पसंद करते हैं." छोटे भाई ने कहा- " मुझे पता है कि घर में तुम्हारा भला कोई नहीं सोचता. पर हमारी बिरादरी में ऐसी शादी से हमारी नाक कट जायेगी. हमारे यहाँ प्रेम विवाह की इज़ाज़त नहीं है. फिर दोनों बड़े भाइयों की कद्र हमें करनी ही होगी. हम उनके आसरे पल रहे हैं." किसी सटीक निर्णय पर पहुँचने के पहले छोटे भाई की टाल-मटोलवाली बातें रूकैया को एक बार फिर निराशा के गर्त में डाल गयीं. **(क्रमशः)**

गहरी संवेदना की उपज ये कविताएं

समीक्षा

अनिता रश्मि

'नया रास्ता' हरे प्रकाश उपाध्याय का बारह वर्ष बाद प्रकाशित दूसरा कविता-संग्रह है. पहली ही रचना 'अब यह देश' की काव्य पंक्तियां किसानों की दुर्दशा को रेखांकित करती हैं. वर्षों से कृषिप्रधान देश के विपन्न, निराश अन्नदाता आत्महत्या कर रहे हैं. कृषकों की आत्महत्या कवि हृदय को भी उद्वेलित करती हैं. वे विचलित हो उठते हैं. आशंका की कुहेलिका घेर लेती है कि कहीं सारे अन्नदाता आत्महत्या के लिए तो प्रेरित नहीं होंगे? एक ऐसा अंधा कुआं है/ जिसमें जब भी झांकिए/ किसी किसान की लाश तैरती हुई दिखती है कवि समय की केवल खूबियों से ही परिचय नहीं करवाता, समय और व्यवस्था की खामियों पर भी ऊंगली रखता है. अधिकांश कविताओं में हरे जी का वह सजग कवि नजर आता है, जो हाशिए के लोगों के साथ खड़ा है. ब्लर्ब पर अंकित निम्न पंक्तियां इसकी गवाह हैं -अरे ये तो इधर/ काला जादू चल रहा है/ भयानक खंडहर व्यवस्था का/उसमें नए रंग रोगन/ रंगों के भरम में/कभी भीड़ इधर भागे/ कभी भीड़ उधर भागे जीवन के अंधेरे-उजाले को समान रूप से सम्मान देनेवाले कवि किसी भी भ्रम के शिकार नहीं हैं. वे तटस्थ होकर दोनों को सामने लाने की कोशिश में हैं. काफी प्रशंसित 'बखेड़ापुर' उपन्यास के रचयिता हरे प्रकाश का कवि रूप भी उतना ही चर्चित है. कवि, उपन्यासकार, प्रकाशक (रश्मि प्रकाशन), मंतव्य के चर्चित संपादक हरे प्रकाश उपाध्याय जी ने खंडहर शीर्षक से सात कविताएं लिखी हैं, जिनमें सरोकार और प्रतिरोध का स्वर बहुत मुखर है. खंडहर शीर्षक से लिखी गई इन कविताओं में कवि की चिंता मनुष्य और मनुष्यता के प्रति है. वे कमर कसकर इनके पक्ष में खड़ी नजर आती हैं. यथार्थवादी काव्य तीखे तेवरवाले हैं और चिंतन-मनन को मजबूर करते हैं.

काव्य पुस्तक : नया रास्ता
कवि : हरे प्रकाश उपाध्याय
प्रकाशक : रश्मि प्रकाशन
मूल्य – 200 रुपए

कवि ठीक ही कहते हैं कि हम सपनों में ही सोने और जगनेवाले लोग हैं. इस विशाल भारत में अपना भारत खोजने की कवि की तलाश पूरी नहीं होती, यह विचारणीय तो है ही, चिंतनीय भी है. कोई भी साहित्यकार हर परिस्थिति में सही का साथ देना चाहता है. हरे जी भी यही कर रहे हैं- एक सही भविष्य बनाने के लिए/ मैं एक गलत इतिहास नहीं पैदा कर सकता...हर स्थिति के बावजूद आशा का दामन नहीं छोड़ना एक मनुष्य की पहचान है. एक कवि की भी पहचान है. कविता-संग्रह का शीर्षक 'नया रास्ता' उम्मीद की लौ जगाता है कि नए रास्ते मिलेंगे जरूर.

हरे प्रकाश जी की कविताएं दुख के बहाने जैसे उससे निजात पाने की कोशिश करती हैं. गहरी तकलीफ और सामाजिक चिंताओं से निर्मित रचनाएं दुख का उत्स और फैलाव तलाश रही हैं - दुख क्या ओढ़ते-बिछाते हैं/ अक्सर ये कहां आते-जाते हैं

एक अलग भाषा का गठन कर कवि ने अपने लेखन की जमीन तैयार की है. जानी-पहचानी स्थितियों पर सार्थक, सारगर्भित लेखन. पुस्तक केंद्र में हर तरह की समस्याएं हैं. यहां पूज्या मानी जाने वाली लेकिन व्यवहार में शोषिता स्त्री के प्रेम, स्त्री चेतना, उन पर की जानेवाली यातना को भी स्वर मिला है तो कविता को भी -

कविता क्या है
नींद में जैसे सपना
जैसे किसी अपने का विलाप
जैसे पपीहे की बोली

'नया रास्ता' सपनों की बातें बारंबार करती है, सपने जगाने के लिए भी, सपनों से जगाने के लिए भी. और फिर-फिर सपने देखने के लिए भी. पूरे होने के ख्वाब जगाती हुई. एक नये रास्ते की तलाश में. समय से मुठभेड़ करतीं, प्रासंगिक, सामयिक सवालों से व्यथित-उद्वेलित करतीं, कलात्मकता की कसौटी से परे यथार्थ की कसौटी पर खरी उतरतीं पचासेक ज्वलंत कविताओं के 'नया रास्ता' से मिलना पाठकों के लिए जरूरी. हरे प्रकाश की कविताओं में जीवन के विविध आस्वाद, रंग और रूप हैं. कुछेक काव्य में काव्य तत्व की कमी है. वे सपाटबयानी का शिकार हैं. लेकिन लगभग सारी रचनाएं बड़े-बड़े प्रश्न उठाती हैं. समाज के, समय के दर्दीले एहसासों से सिक्त गंभीर रचनाएं गंभीरता से, प्रतिबद्धता से अपने दायित्व का निर्वहन कर रही हैं. ऐसी कविताई की आज जरूरत भी है. कवर अर्थपूर्ण.

धूर्तता

लघुकथा

रेणु त्रिवेदी मिश्रा

बेटे की शहादत का घाव अभी हरा ही था. रिश्तेदारों ने भी मुँह मोड़ लिया था कि बेटे के न रहने पर मैं उनसे कुछ मदद न माँग लूँ. बेटे की यादों और बची हुई जमापूँजी से जीवन चल जाएगा, ये सोच समय के आगे सर झुका लिया था. बेटे की वर्दी, उसकी यादें और उसके बनाए चित्रों के साथ जीने लगी थी. अकेलापन और सूनापन ज़िन्दगी का हिस्सा इनके जाने के बाद से ही था और मैंने इसे स्वीकार भी कर लिया था कि एक दिन अचानक जेठ-जिठानी आए.

"छोटी,ये क्या हालत बना ली है? इतने पराए हो गए हमलोग. चलो हमारे साथ." मनुहार कर मुझे वो लोग अपने घर ले गए.

" छोटी को उसका कमरा दिखाओ. उसे किसी किस्म की तकलीफ न हो. "ये जेठ जी की आवाज थी. मुझे जो कमरा दिया वो छत पर था और कमरे में पति और बेटे की तस्वीर लगी थी. सारी सुविधाएं थीं. मैंने इन्हें प्रणाम करते हुए मन ही मन माफ़ी भी माँगी.

"मुझे माफ़ कर देना, तुम्हारे परिवार को समझने में मुझसे ही भूल हुई."

मुझे लगा कि शायद मुश्किलें कम होंगी. अब मेरी ज़िंदगी की नई जगह थी, नींद आँखों से कोसो दूर थी. सोचा छत पर थोड़ा टहल लूँ. टहलने जा रही थी पर बैठक से आते ठहाके सुन ठहर गई.

"अब फिक्र मत करो, इस जिले का बेटा शहीद हुआ है और उसकी माँ हमारे साथ है. पूरा इस्तेमाल करेंगे हम शहीद की माँ और लोगों की सहानुभूति का."

'हा हा हा' ये मेरी जिठानी थी.

"आप चुनाव जीतेंगे उसका सहारा लेकर और घर के काम-काज में वो मेरा सहारा बनेगी. आपकी सूझ-बूझ की मैं कायल हो गई."

कार्यकर्ता और जेठ-जिठानी की समवेद हँसी सुनकर मैं वापस कमरे में आई. वापस अपने घर जाने का इरादा कर सामान पैक करते हुए जाने कहाँ से बेटे का बनाया हुआ एक चित्र हाथों में आ गया. ध्यान से देखा तो एक शेर और एक बिल्ली का चित्र बनाया था उसने. न जाने क्यों मुझे उस शेर और बिल्ली के चेहरे में मुझे समाज के भेड़ियों का चेहरा नज़र आने लगा.

व्यंग्य >> बर्बरीक

खेल तमाशा और भगवान बदल

वैसे तो क्रिकेट हमेशा से निठल्लों का ही खेल रहा है लेकिन आखिर निठल्लेपन की भी तो एक सीमा होती है न और खेल से बढ़िया होता है तमाशा. खेल में वह मज़ा, वो फन (अंग्रेजी वाला) नहीं है. कौन पांच दिन बैठे, खेल की बारीकियां देखकर लहालोट होता रहे. इससे अच्छा है चार पांच घंटे में ताबड़तोड़ चौके छक्के देखे, चीयर लीडर्स को मटकते देखा, बीस की पानी की बोतल पचास में ली, आउटिंग हुई, बाहर खाकर लौट आए साथ में एक नया भगवान भी ले आए. ग्रेट इंडियन मिडिल क्लास को और भला क्या चाहिए. लाइफ में फन और क्या! जब से इंडियन प्रीमियर (पैसा) लीग आया तो पुराने जमाने के गुलामों की तरह खिलाड़ी बिकने लगे. कोई देश का खिलाड़ी नहीं रहा, मालिक का हो गया. मालिक के इशारे पर उछलकूद करने लगा. जबतक यह खेल था, जीत पर फ़ख्र से सीना चौड़ा करने का प्रचलन था. अब तो सब गड्डमड्ड... तमाशे में क्या देश ,क्या सीना! भगवान भी अल्पकालिक अल्पजीवी होने लगे. आज किसी ने चौके छक्के लगा दिए तो आज वह भगवान, कल और किसी ने चार पांच विकेट ले लिए तो वह भगवान. भगवान घोषित करने का खेल बाज़ार का पुराना फार्मूला है. पहले भगवान लंबे समय तक इंतज़ार के बाद घोषित होता था लेकिन अब फटाफट क्रिकेट, फटाफट भगवान. इन भगवानों के साथ खास बात है कि इन्हें भगवान बना रहना नहीं पड़ता. आज घोषित हुए कल से वाशिंग पाउडर, इन्वर्टर, गुटखा तक बेचने लगे. इन भगवानों के टिकाऊ होने की कोई गारंटी नहीं है. तमाशा खतम पैसा हज़म. सुबह के अखबार की हेडलाइन्स बताती हैं कि कल रात यह नए भगवान पैदा हुए. फिर दिनभर तमाम टीवी चैनलों पर नए भगवान के बारे में तमाम जानकारियां दी जाती हैं कि ये सात सौ रुपए बोतल वाला पानी पीते हैं, किसी भगवान की पत्नी ने पहले इस तरह से खुलेआम उड़नचुंबन नहीं दिया था. यह नया इंडिया है जिसके नए आदाब हैं. नया तमाशा है नए भगवान हैं. खेल अब मोहल्ले टोले की सामूहिक गतिविधि नहीं रही. कैरियर है, इन्वेस्टमेंट है. बच्चों के लिए न तो मैदान बचे हैं न खेल की चाहत. मैदान सिमट गया है मोबाइल के चार छह इंची स्क्रीन पर. हर तरह के तमाशों के लिए यही मैदान है. यही सब देखकर चचा गालिब कह गए -

बाजीचा ए अल्फाज है दुनिया मेरे आगे
होता है शबोरोज़ तमाशा मेरे आगे

कविता/गज़ल

प्रकाश देवकुलिश

ईश्वर

हम मनुष्य हैं तो
ईश्वर है
श्रेष्ठतम मनुष्य –
सुन्दर आंखें
सुन्दर चेहरा
सद्गुणों का सुन्दर समुच्चय
जब मनुष्य नहीं थे
डायनासोर थे
तब ईश्वर रहा होगा
श्रेष्ठतम डायनासोर
या सांपों के लिए
ईश्वर होता होगा
श्रेष्ठतम सांप
या मत्स्यों, कूर्मों, वाराहों के लिए
होता होगा
श्रेष्ठतम सर्वगुणसंपन्न मत्स्य,
कूर्म, वाराह
ऐसे ही बदलता होगा ईश्वर
तो फिर ईश्वर कौन है ?
इससे भी तो समझो
ईश्वर क्या है ?
समझो अर्थ
सुन्दरम, सत्यम, शिवम का .

प्रीति कर्ण

तुम्हारा होना

तुम्हारा होना है
अधूरी चीजों के पूरे होने का सुख.
जैसे भर जाती है सूनी डालियों पर
महकते पारिजात के फूल.
जैसे बहुत दिनों से खाली पड़े
कैनवस पर बनती है कोई तस्वीर.
जैसे उदास पेड़ के बीच उभर आता है
कोई हरा पत्ता.
जैसे उम्मीद के पूरे होने पर
संतोष से भर जाता है मन.
जैसे नई चिड़ियों के
बन जाते हैं घोंसले.
जैसे जिंदगी की किताब में
जुड़ जाता है एक नया पन्ना
और पूरी हो जाती है एक कहानी.
जैसे आषाढ़ की समशीतोष्ण चांदनी रात में
मीठी मीठी बज रही हो सिंफनी.

डॉ० हरेन्द्र सिन्हा

सोच रहा हूं

किस तरह तुमसे दूर हुआ, सोच रहा हूं,
हममें से थी वो किसकी ख़ता, सोच रहा हूं.
तक़दीर लिखी जिसने हमारी वो कौन है,
अब जाने उसने क्या है लिखा, सोच रहा हूं.
देखा था कोई ख़्वाब अब वो याद नहीं है,
इस भूलने की क्या हो सज़ा, सोच रहा हूं.
तन्हाइयों में रातों की ये कौन पुकारे,
ना जाने है ये किसकी सदा, सोच रहा हूं.
जो दोस्त कब का छोड़ गया, कैसे आजतक,
यादों के दायरे में रहा, सोच रहा हूं.
ये मरमरी बदन और उसपे हुस्न लाजवाब,
किसकी नसीब में है लिखा, सोच रहा हूं.
मुस्कान लब की कैसे कहूं, खो गई थी कब,
क्या अपने बिछड़ने का दिन था,सोच रहा हूं.
जो खींच दी लकीर उसको पार न करना,
ये हुक्म कैसा, कैसी सज़ा, सोच रहा हूं.
घर जलने से अच्छा है चराग़ों को बुझा दो,
वरना ये क्या करेगी हवा, सोच रहा हूं.

अभिषेक 'अब्र'

'ओ सप्ताश्वर सवार''

तुम अपने विक्राल भाल
के सर्वदीप्तिमान,
'बैंगनी' बुद्धि-बल से,
विशुद्ध, 'नीले' मनोभावों को लिए,
असीमित, 'आसमानी' कीर्ति से,
उस अनन्तमंच पे
उगते हो!
भरे-पूरे 'हरे' योवन
के उज्जवल, 'पीले' तेज से रोशन,
रस भरे, 'नारंगी' प्रीत
की रीत
निभाते ज्यों, चमकते हो!
यद्यपि त्यों कभी ज्वलन्त,
'लाल' क्रोध से,
ताण्डव करते
दमकते हो, दहकते हो!

मुक्ति शाहदेव

ओ तथागत

कितना भटके, भरमाये तुम
अनवरत कितनी प्यास ,
कितनी पीड़ा,
कितनी बेचैनी सहे तुम.......!
अनवरत कितना चले तुम
जंगलों, पहाड़ों, बियाबानों की
खाक छानते रहे
विपरीत हवाओं से
डिगे नहीं तुम
कठिन समय से
हारे नहीं तुम
त्याग त्याग त्याग...
तप तप तप...
प्यास प्यास प्यास...
तम, घोर तम ......!
और एक दिन,
हर पराकाष्ठा को पार कर,
जीत गई जीजिविषा तुम्हारी
गहन अंधकार को
चीर कर
तुम ढूंढ लाए
बाती ज्ञान की.
ओ तथागत,
तुम्हारी यह
परम शांति की स्मित रेख.....!
कह रही है यही न
कि यह केवल एक मुट्ठी है
तुम सब भी अपने हिस्से का
एक मुट्ठी सत्य ढूंढ लो !

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल में घर वापसी कर सकते हैं हार्दिक

आकर्ष अनिकेत रांची

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए ट्रेडिंग विंडो रविवार तक ही खुले रहेंगे. अब तक कई टीमें अपने-अपने प्लेयर्स की अदला-बदली कर चुकी हैं. वहीं एक बड़ी ट्रेड की खबर सामने आ रही है. गुजरात टाइटंस ने अपने कप्तान हार्दिक पांड्या को रिलीज करने का फैसला किया है और ऐसी संभावना जाताई जा रही है कि मुंबई इंडियंस की टीम हार्दिक को 15 करोड़ रुपये में गुजरात से ट्रेडिंग विंडो के जरिए ले सकती है. इस स्थिति में मुंबई को गुजरात के साथ किसी खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करना होगा. वहीं दूसरी संभावना यह है कि मुंबई भी पांड्या की कीमत के किसी खिलाड़ी को गुजरात से ट्रेड कर ले. गुजरात की टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक टीम हार्दिक को रिलीज कर सकती है और शुभमन गिल को टीम की कमान सौंप सकती है. आईपीएल का मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को होगा.

गुजरात से वापस मुंबई इंडियंस की टीम में लौट सकते हैं हार्दिक

मुंबई के पास सिर्फ 5.5 करोड़ का पर्स

मुंबई इंडियंस के पास इस सीजन के लिए सर्फ 5.5 करोड़ का पर्स बचा है. अगर मुंबई की टीम हार्दिक को गुजरात से लेना चाहती है, तो उसे अपने किसी महंगे खिलाड़ी को रिलीज करके बाकी के 9.5 करोड़ का इंतजाम करना होगा.

हार्दिक की कप्तानी में खिताब जीत चुका है गुजरात

हार्दिक ने पहले ही सीजन में गुजरात को चैंपियन बनाया था. गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल में पहली बार 2022 सीजन में उतरी थी. टीम ने हार्दिक की कप्तानी में पहले सीजन में खिताब अपने नाम किया था. 2023 के सीजन में भी गुजरात टीम फाइनल में पहुंची, जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था. माना जा रहा है कि खुद हार्दिक दोबारा मुंबई इंडियंस से जुड़ना चाह रहे थे। कोई भी टीम किसी भी खिलाड़ी को उसी स्थिति में रिटेन कर सकती है जब टीम और खिलाड़ी दोनों की रजामंदी हो.

19 दिसंबर को होगा आईपीएल का मिनी ऑक्शन

मुंबई इंडियंस की ओर से हार्दिक ने की थी अपने आईपीएल कॅरियर की शुरुआत

15 करोड़ है आईपीएल में हार्दिक की मौजूदा कीमत

अब तक क्या-क्या हुए बदलाव

3 नवंबर: लखनऊ सुपर जायंट्स ने रोमारियो शेफर्ड को मुंबई इंडियंस को ट्रेड किया था.

22 नवंबर: गौतम गंभीर आईपीएल 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर थे. अब 2024 में वह कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर होंगे.

22 नवंबर: राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच एक ट्रेड हुआ है. इसमें राजस्थान रॉयल्स ने अपने बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल (7.75 करोड़ रुपए) और लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने गेंदबाज आवेश खान (10 करोड़) की अदला-बदली की है. यानी अब आवेश रॉयल्स की जर्सी में और पडीक्कल जायंट्स की जर्सी में नजर आएंगे.

23 नवंबर: बेन स्टोक्स ने आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया. उन्होंने फिटनेस और वर्कलोड का हवाला देते हुए आईपीएल नहीं खेलने का फैसला किया. आईपीएल 2023 में वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्क्वाड का हिस्सा थे. अभी तक सीएसके ने उन्हें रिलीज नहीं किया है. यानी सीएसके बेन स्टोक्स को आईपीएल 2025 की नीलामी के वक्त रिटेन कर सकती है. वहीं, अगर सीएसके स्टोक्स को रिलीज कर देती है तो उसके पास दिसंबर में होने वाली नीलामी में 16.25 करोड़ की राशि उपलब्ध हो जाएगी.

ब्रीफ खबरें

पीएसजी ने मोनाको को 5-2 से हराया

पेरिस । स्टार स्ट्राइकर काइलियान एमबापे ने 'लीग 1' (फ्रांस की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) के मौजूदा सत्र में अपना 14वां गोल किया जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लीग तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज मोनाको को 5-2 से शिकस्त देकर तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की. गोनालो रामोस ने मैच के 18वें मिनट में पीएसजी को बढ़त दिलायी लेकिन गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुमा की गलती का फायदा उठाते हुए ताकुमी मिनामिनो ने मोनाको के लिए बराबरी का गोल किया.

ओल्ड स्टार मऊभंडार ने महताम को हराया

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड के कालचिति पंचायत अंतर्गत एसएससी क्लब चापड़ी के तत्वावधान में दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ शनिवार हुआ. उद्घाटन मैच में ओल्ड स्टार मऊभंडार ने महताम एकादश को 34 रनों से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया. ओल्ड स्टार की टीम के किट्टू ने अपने 51 रनों की पारी की बदौलत निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 128 रन बनाये. जवाब में महताम की टीम 8 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 94 रन ही बना पायी.

हैदराबाद ने झारखंड को 17 रनों से हराया

रांची । जयपुर में खेले जा रहे विजय हजारे ट्रॉफी में शनिवार को हैदराबाद ने झारखंड ने 17 रनों से हराया. हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 297 रनों का स्कोर खड़ा किया. हैदराबाद के लिए तन्मय ने शानदार 112 रनों की पारी खेली. झारखंड के सुशांत मिश्रा,विनायक विक्रम और शाहबाज नदीम ने दो-दो और सुप्रीयो चक्रवर्ती एवं वरुण एरोन ने एक-एक विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करते हुए झारखंड ने अपनी आर्यमन सेन 63 रन, विकास विशाल 61 और सौरभ तिवारी के 78 रनों की बदौलत 280/8 तक संघर्ष किया.

दूसरा टी-20 : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला आज

भारत को गेंदबाजों से प्रदर्शन की उम्मीद

- श्रृंखला में 1-0 से आगे है भारत

भाषा ।तिरुवनंतपुरम

पहले मैच में औसत प्रदर्शन करने वाले भारत के युवा गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को दूसरे टी-20 मैच में अपनी गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे. भारत ने विशाखापत्तनम में पहला मैच दो विकेट से जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली थी. तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को छोड़कर हालांकि बाकी भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा सके. ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच और हालात बहुत अलग नहीं होंगे लिहाजा भारतीय गेंदबाजों को एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा. पहले मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने क्रमशः 10.25 और 12.50 की औसत से रन दिये जबकि स्पिनर रवि बिश्नोई ने 13 .50 प्रति ओवर की औसत से रन दे डाले. टी-20 प्रारूप में गेंदबाजों के लिये बहुत कुछ नहीं होता लेकिन इन तीनों की गेंदबाजी में विविधता का अभाव दिखा.

भारत को श्रृंखला में बढत बनानी है तो इन तीनों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा. यह असंभव भी नहीं है क्योंकि मुकेश ने विविधता के साथ ऐसा कर दिखाया है. दूसरे गेंदबाजों को भी उनके नक्शेकदम पर चलना होगा. लंबे समय बाद शीर्ष स्तर पर खेलने का कारण दिया जा सकता है, लेकिन आजकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कार्यक्रम ऐसा है कि खिलाड़ी को सदैव सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये तैयार रहना होता है. बिश्नोई को समझना होगा कि वह सिर्फ गुगली पर निर्भर नहीं रह सकते क्योंकि बल्लेबाज उन्हें भांप लेते हैं. उन्हें इसमें बदलाव करना होगा . हाल ही में वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे प्रसिद्ध ने नेट पर शीर्ष खिलाड़ियों को देखा है लेकिन उनकी गेंदबाजी में कुछ नयापन नजर नहीं आया.

टीमें

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), इशान किशन, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान, मुकेश कुमार.

ऑस्ट्रेलिया: मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, केन रिचर्डसन, एडम जम्पा.

पहले टी-20 में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा

बल्लेबाजी में कप्तान सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, रिंकू सिंह और यशस्वी जायसवाल ने अच्छा प्रदर्शन किया. भारत को उनसे लगातार ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी. पहले मैच में रन आउट हुए रुतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा भी अच्छी पारियां खेलना चाहेंगे. दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के लिये जोश इंगलिस ने शतक जमाकर टी-20 विश्व कप के लिये तैयारी पुख्ता की. स्टीव स्मिथ को पारी की शुरुआत के लिये भेजने का फैसला सटीक नहीं रहा. उन्होंने 41 गेंद में 52 रन जरूर बनाये लेकिन उनकी पारी सहज नहीं रही. गेंदबाजों में जेसन बेहरेनडोर्फ को छोड़कर कोई प्रभावी नहीं रहा. ऐसे में लेग स्पिनर एडम जम्पा को तनवीर संघा की जगह उतारा जा सकता है

- भारतीय समयानुसार मैच शाम 7 बजे शुरू होगा

सूर्यकुमार पर हावी होना बेहद मुश्किलः बेहरेनडोर्फ

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडोर्फ की हमेशा कोशिश रहती है कि वह सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों से एक कदम आगे रहें लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसा करना अक्सर मुश्किल होता है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले टी-20 मैच में बेहरेनडोर्फ ऑस्ट्रेलिया के अकेले गेंदबाज थे जिन्होंने बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया. उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर एक विकेट लिया था. भारत ने 209 रन का लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में शुरुआती बढ़त बनाई थी. इस मैच में सूर्यकुमार और किशन ने अर्धशतक लगाए थे. बेहरेनडोर्फ से पूछा गया कि वह मुंबई इंडियंस के अपने इन साथियों पर अंकुश लगाने के लिए क्या रणनीति अपनाएंगे, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं किसी दूसरे को गेंद सौंप दूंगा. बेहरेनडोर्फ ने दूसरे टी-20 मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि वे बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं.

विवेकानंद स्कूल की टीम जीती

वेंचर स्किल अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता

संवाददाता । रांची

रांची जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित वेंचर स्किल अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन शनिवार को हुआ. उद्घाटन मैच लेडी केसी रॉय मेमोरियल और विवेकानंद स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें विवेकानंद स्कूल ने 9 विकेट से जीत दर्ज की. प्रतियोगिता की शुरुआत जिला क्रिकेट संघ के सचिव शैलेंद्र कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया.

पलक के शतक से झारखंड ने छत्तीसगढ़ को पराजित किया

संवाददाता ।रांची

महिला अंडर-15 वनडे ट्रॉफी

ग्वालियर में खेले जा रहे महिला अंडर-15 वनडे ट्रॉफी में झारखंड ने छत्तीसगढ़ को 43 रनों से हराया. झारखंड की ओर से कुमारी पलक ने नाबाद शतक लगाकर झारखंड की जीत में अहम भूमिका निभाई. झारखंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करती हुए 35 ओवर में 7 विकेट खोकर 172 रन बनाए. कुमारी पलक ने नाबाद 104 रनों की पारी खेली. दूसरी पारी में छत्तीसगढ़ ने 35 ओवर में 6 विकेट खोकर 130 रन ही बना सकी. कुमारी पलक के शानदार प्रदर्शन पर कोच पंचीत महतो एवं बुटी क्रिकेट क्लब के सभी सदस्यों ने बधाई दी.

43 रनों से जीता झारखंड

झारखंड
कुमारी पलक - 104 नाबाद
चांद चलेक- 04/47
मेहक - 02/16

छत्तीसगढ़
चांद चलेक - 47
रिशिता श्रीवास्तव - 28
कुमारी पलक - 1/33
दिव्या कुमारी - 1/23
अंकिता गोंप - 1/21

फील्ड अपडेट

खेलो इंडिया वीमेंस किक बॉक्सिंग लीग शुरू

रांची। खेलो इंडिया वीमेंस किकबॉक्सिंग लीग शुभारंभ शनिवार को खेलगांव में हुआ. मुख्य अतिथि सांसद संजय सेठ एवं कांग्रेस नेता विनय सिन्हा दीपू ने दीप प्रज्वलित प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. इस अवसर पर झारखंड के विभिन्न जिलों से आए हुए लगभग 325 खिलाड़ी एवं 75 ऑफिस येलो ने अपना योगदान दिया. झारखंड की बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बी ठाकुर ने बताया महिला खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में आगे लाने के लिए केंद्र सरकार एवं वाको इंडिया कीक बॉक्सिंग फेडरेशन के द्वारा पूरे भारत में 27 स्थान पर लीग का आयोजन किया जा रहा है. इस लीग में स्वर्ण पदक विजेताओं का सीधी तौर पर राष्ट्रीय महिला लीग में खेलने का अवसर मिलेगा.

थांग-टा प्रतियोगिता राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 20 स्वर्ण पदक के साथ मणिपुर पदक तालिका में शीर्ष पर

झारखंड के सुरेश टुडू और राज कुमार किस्कू ने जीता स्वर्ण

खेल संवाददाता ।रांची

रांची के खेलगांव मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ताना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 29 वीं राष्ट्रीय सब जूनियर तथा सीनियर थांग-टा चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को झारखंड ने दो स्वर्ण पदक जीते. दुमका के सुरेश टुडू और धनबाद के राज कुमार किस्कू ने झारखंड को स्वर्ण दिलाया. इस प्रतियोगिता में 20 स्वर्ण पदक के साथ मणिपुर की टीम पदक तालिका में शीर्ष पर है. जबकि असम तथा हरियाणा की टीम क्रमशः 12 और 5 स्वर्ण के साथ दूसरे तथा तीसरे स्थान पर हैं. झारखंड की टीम 3 स्वर्ण, 3 रजत तथा 4 कांस्य के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर है.

3 स्वर्ण के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर है झारखंड

पदक विजेता खिलाड़ी

स्वर्ण पदक: आलिया मुबारक (जम्मू कश्मीर), दिव्या, नैना, प्राची (सभी हरियाणा), थोइबा युमनाम, के एच बजाज सिंह, जेटली सिंह, के योफाबा सिंह, नुंगीतोइबा सिंह, टी एच महेश सिंह, के मोमो सिंह, एन रोमेश सिंह, एच हंथोई चानू (सभी मणिपुर), अभिज्ञान सिंघा, इबुंचल सिंघा, विष्णु चौहान (सभी असम) सुरेश कुमार टुडू, राज कुमार किस्कू (झारखंड), श्रेया सोनी (छत्तीसगढ़).

रजत पदक: खुशी, प्रेम नाथ, निलेश यादव (सभी पंजाब), बनिता देवी, स्नेहा देवी, के लोयनगंबा सिंघा, प्रेम सिंघा, सिया देवी, मैना हजारिका (सभी असम), अंशुमान चौबे, अक्षिता पंडित (झारखंड), आयुष कुमार, शिवांग कृष्णा (दोनो बिहार), आशीष, शक्ति (हरियाणा), अभिनव, आकाश (दोनो दिल्ली), ए रोहित सिंह, रॉबर्ट सिंह (मणिपुर), जितेंद्र खुपसे (महाराष्ट्र).

कांस्य पदक: सिद्धि जाधव,अविदान्य अमित गढ़े, जितेंद्र कांबले (सभी महाराष्ट्र), एम चांचन कॉम (मणिपुर), आशका, अयांश चौधरी (दोनो बिहार), किरण साहू, आलमगीर (दोनो छत्तीसगढ़), जी ए अरुधा (पांडिचेरी), अरुण सिंह, साहिब शिवटेन, मो. अयान बीन मुस्ताक, फैजल मुस्ताक, मो. हाफिज, जौहर अब्दुल्ला, एलिजा निशार (सभी जम्मू कश्मीर), आदित्या सिंघा, डेविड सिंघा, राजवीर सिंघा, हेनरी सिंघा, अभिषेक शर्मा (सभी असम), सारंग सनिल, ए देवदत्त (दोनो केरला),कृष, नरेश कुमार, खुशी, पूजा (सभी हरियाणा), आर्यन, शौर्य शर्मा, लक्ष्य शर्मा, सहजप्रीत सिंह, पार्थ सिंह मजोका (सभी राजस्थान), अनुकल्प प्रसाद, मिलन दस (दोनो झारखंड), अवंतिका चौधरी (त्रिपुरा), पोरेडला दीप्ति (तेलंगाना), अभिषेक कुशवाह (माध्य प्रदेश), अनुराग साहू (दिल्ली).

अंडर-19 एशिया कप क्रिकेटः उदय करेंगे भारत का नेतृत्व

भाषा ।मुंबई

- भारत अपना पहला मैच 8 दिसंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा
- भारतीय टीम ने अब तक 8 बार जीता है एशिया कप का खिताब

संयुक्त अरब अमीरात में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले एसीसी पुरुष अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में बल्लेबाज उदय सहारन मौजूदा चैंपियन भारत की अगुवाई करेंगे. पंजाब के 19 वर्षीय क्रिकेटर सहारन पिछले कुछ समय से चयनकर्ताओं का ध्यान खींच रहे थे. पिछले साल एंटीगा में अंडर-19 विश्व कप के दौरान जब भारतीय टीम कोविड की चपेट में आ गई थी, तब उन्हें बैकअप खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल किया गया था. सौम्य कुमार पांडे को 15 सदस्यीय टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया है. अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम आठ बार की चैंपियन है और इस तरह से वह इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम है. भारत को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल के साथ एक ग्रुप में रखा गया है.

भारतीय टीम : एक नजर

उदय सहारन (कप्तान), सौम्य कुमार पांडे (उप-कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रुद्र मयूर पटेल, सचिन धस, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, धनुष गौड़ा, अविनाश राव (विकेटकीपर), एम अभिषेक, इनेश महाजन (विकेटकीपर), आराध्या शुक्ला, राज लिम्बानी, नमन तिवारी.

रिजर्व: प्रेम देवकर, अंश गोसाई, मोहम्मद अमान, दिग्विजय पाटिल, जयंत गोयत, पी विग्नेश, किरण चोरमले.

पीएम ने तेजस विमान से भरी उड़ान...

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तेजस विमान से उड़ान भरी और कहा कि इस अनुभव से देश की स्वदेशी क्षमताओं पर उनका भरोसा बढ़ा है. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि तेजस से सफलतापूर्वक उड़ान भरी... यह अनुभव अविश्वसनीय था, जिससे हमारे देश की स्वदेशी क्षमताओं के प्रति मेरा विश्वास और भी बढ़ गया और हमारी राष्ट्रीय क्षमता के बारे में मुझमें नए सिरे से गर्व और आशावाद की भावना पैदा हुई... उन्होंने यह भी लिखा कि मैं आज तेजस में उड़ान भरते हुए अत्यंत गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारी मेहनत और लगन के कारण हम आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व में किसी से कम नहीं हैं. भारतीय वायुसेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ ही समस्त भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

आओ जानें

सेवानिवृत्ति आयु पुरुष/जीवन प्रत्याशा

डेनमार्क	67 / 80.8	कनाडा:	65 / 82.3
ग्रीस	67 / 82.8	मेक्सिको:	65 / 75.4
आइसलैंड:	67 / 82.9	फ्रांस:	64 / 82.7
इज़राइल:	67 / 82.8	फ़िनलैंड:	64 / 81.7
इटली:	67 / 83.4	जापान:	64 / 84.5
यूएसए:	67 / 78.9	सिंगापुर:	63 / 83.6
ऑस्ट्रेलिया:	66.5 / 83.9	रूस:	63/72.6
स्पेन:	66.17 / 83.4	नॉर्वे:	62 / 82.5
यूके:	66 / 81.4	स्वीडन:	62 / 82.7
जर्मनी:	65.83 / 81.2	वियतनाम:	60.5 / 76.7
ऑस्ट्रिया:	65 / 81.6	चीन:	60 / 77.1
ब्राज़ील:	65 / 76.6	भारत:	60 / 69.7

आदित्य एल1 अंतरिक्ष यान मिशन अपने अंतिम चरण में : सोमनाथ

भाषा। तिरुवनंतपुरम

खास बातें

- सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद
- सूर्य का अध्ययन करेगा आदित्य-एल1

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि सूर्य का अध्ययन करने से जुड़े भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन के तहत प्रक्षेपित 'आदित्य एल1' अंतरिक्ष यान अपने अंतिम चरण के करीब है और एल1 बिंदु में प्रवेश करने की प्रक्रिया सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है.

इसरो प्रमुख ने पहले ध्वनि रॉकेट प्रक्षेपण के 60वें वर्ष के उपलक्ष्य में विक्रम साराबाई अंतरिक्ष केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर कहा कि 'आदित्य रास्ते में है. मुझे लगता है कि यह अपने अंतिम चरण में लगभग पहुंच गया है. उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यान के एल1 बिंदु में प्रवेश की अंतिम तैयारियां लगातार आगे बढ़ रही हैं. सोमनाथ ने कहा कि एल1 बिंदु में प्रवेश करने की अंतिम प्रक्रिया संभवतः सात जनवरी, 2024 तक पूरी हो जाएगी. 'आदित्य एल1' का दो सितंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया था. इसरो के अनुसार, 'आदित्य-एल1' सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है. अंतरिक्ष यान 125 दिन में पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करने के बाद लैग्रेंजियन बिंदु 'एल1' के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित होगा. 'एल1' बिंदु को सूर्य के सबसे निकट माना जाता है. 'आदित्य एल1' सूर्य के रहस्य जानने के लिए विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक अध्ययन करने के साथ ही विश्लेषण के वास्ते इसकी तस्वीरें भी धरती पर भेजेगा.

ब्रीफ खबरें

भारतीय मूल के ईश्वर शर्मा ने योग में जीता स्वर्ण पदक

लंदन। दक्षिण पूर्व इंग्लैंड में रहने वाले भारतीय मूल के 13 वर्षीय ईश्वर शर्मा ने स्वीडन में आयोजित 'यूरोपियन योग स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप' में स्वर्ण पदक जीतकर एक और खिताब अपने नाम किया है. योग प्रतिभा के धनी ईश्वर इससे पहले कई पुरस्कार हासिल कर चुके हैं. केन्ट के सेवनओक्स में रहने वाले ईश्वर ने तीन साल की उम्र से योग करना शुरू किया था. ईश्वर ने अपने पिता को रोजाना योग करते हुए देखा, जिसके बाद उन्होंने इसका अभ्यास करना शुरू किया और अब तक वह कई पुरस्कार जीत चुके हैं.

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक घायल

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कोतवाली देहात इलाके में बहराइच-सीतापुर राजमार्ग पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने बताया कि गनियापुर गांव निवासी विमल मिश्र का शुक्रवार को तिलकोत्सव था,जिसमें शामिल होने के लिए तीन युवक एक मोटरसाइकिल से जा रहे थे. पुलिस के अनुसार बहराइच-सीतापुर राजमार्ग पर मोगरिहा गांव के पास किसी तेज रफ्तार वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी.

मकान में आग लगने से दंपति की हुई मौत

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे शहर के घोड़बंदर मार्ग इलाके में शुक्रवार देर रात एक बंगले में आग लगने के बाद संभवतः दम घुटने से 60 वर्षीय व्यक्ति और उसकी पत्नी की मौत हो गई. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि दंपति के परिवार के तीन अन्य सदस्यों को बचा लिया गया. अधिकारी ने बताया कि आग देर रात तीन बजकर 20 मिनट पर लगी. ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने कहा कि आग वाघबिल में दो मंजिला बंगले के प्रथम तल पर लगी.

ओडिशा ने दी 12 प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 84,918.75 करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली 12 प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है. ये परियोजनाएं विभिन्न क्षेत्रों में 42,281 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी. अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण ने शुक्रवार को परिधान और कपड़ा, हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया, इस्पात, बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा, रसायन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी.

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल कैद की सजा

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले की एक विशेष अदालत ने अपहरण के बाद एक नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है. महराजगंज के एसपी डॉ कौस्तुभ ने बताया कि अपर सत्र एवं विशेष न्यायाधीश विनय कुमार सिंह ने शुक्रवार को आरोपी प्रद्युम्न को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष कारावास की सजा सुनायी और उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया.

सिलक्यारा सुरंग में हाथ से ड्रिलिंग पर हो रहा विचार, रेस्क्यू में लग सकता है समय

श्रमिकों को निकालने में फिर अड़चन

भाषा। उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में 13 दिन से फंसे 41 श्रमिकों को निकालने के लिए ऑगर मशीन से ड्रिलिंग के दौरान बार-बार आ रही बाधाओं के कारण बचावकर्ता शेष हिस्से की हाथ से ड्रिलिंग या लंबवत बचाव मार्ग तैयार करने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए सुरंग के ढहे हिस्से में की जा रही ड्रिलिंग शुक्रवार रात पुनः रोकनी पड़ी, जो बचाव प्रयासों के लिए एक और झटका है. शुक्रवार को ड्रिलिंग बहाल होने के कुछ देर बाद ऑगर मशीन स्पष्ट रूप से किसी धातु की वस्तु के कारण बाधित हो गई. इससे एक दिन पहले अधिकारियों को ऑगर मशीन में तकनीकी गड़बड़ियों के कारण बचाव कार्य को रोकना पड़ा था.

शुक्रवार को कुछ देर की ड्रिलिंग से पहले 800 मिलीमीटर चौड़े इस्पात के पाइप का 46.8 मीटर हिस्सा ड्रिल किए गए मार्ग में धकेल दिया गया था. सुरंग के ढहे हिस्से की लंबाई करीब 60 मीटर है. श्रमिकों तक भोजन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए छह इंच चौड़े ट्यूब को 57 मीटर तक पहुंचा दिया गया है. लगातार आ रही बाधाओं के कारण ऑगर मशीन से ड्रिलिंग और मलबे के बीच इस्पात का पाइप डालने का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है. श्रमिकों को इस पाइप से बाहर निकालने की योजना है.

12 नवंबर को ढहा था सुरंग का एक हिस्सा

चारधाम यात्रा मार्ग पर बन रही सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था, जिससे उसमें काम कर रहे श्रमिक मलबे के दूसरी ओर फंस गए थे. तब से विभिन्न एजेंसियां उन्हें बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं. श्रमिकों को छह इंच चौड़े पाइप के जरिए खाना, दवाइयां और अन्य जरूरी चीजें भेजी जा रही हैं. पाइप का उपयोग करके एक संचार प्रणाली स्थापित की गई है और श्रमिकों के रिश्तेदारों ने उनसे बात की है. इस पाइप के माध्यम से एक एंडोस्कोपिक कैमरा भी सुरंग में डाला गया है, जिससे बचावकर्मी अंदर की स्थिति देख पा रहे हैं.

बचाव अभियान के दौरान निर्माणाधीन सिल्क्यारा सुरंग के प्रवेश द्वार पर बचाव अधिकारियों के साथ अन्य लोग मौजूद. -फोटो : पीटीआई

श्रमिकों की अब परिवार वालों से होगी बात

बचाव कार्य की राह में बार-बार अड़चने आने की वजह से रेस्क्यू टीमें अब तक मजदूरों तक पहुंचने में सफल नहीं हो सकी हैं. अब मजदूरों के लिए सुरंग में टेलीफोन पहुंचाने की तैयारी चल रही है. बीएसएनएल ने कम्युनिकेशन केबल बिछाना शुरू कर दिया है. बीएसएनएल कर्मचारियों ने बताया कि छोटे साइज का फोन कनेक्ट करके 6 इंच चौड़ी पाइप के जरिए मजदूर तक भेजा जाएगा, ताकि वह अपने परिवार वालों से बात कर सकें. कम्युनिकेशन केबल को गुफा के मुहाने से होते हुए सुरंग के भीतर बिछाया जा रहा है.

होगी देरी

- बचाव प्रयासों के लिए एक और बड़ा झटका
- तकनीकी गड़बड़ियों के कारण काम रूका

श्रमिकों को निकालने में लगेगा समय

इंटरनेशनल टनलिंग एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि कई और भी तरीके हैं. ऑगर मशीन से ड्रिलिंग ही सिर्फ एक रास्ता नहीं है. उन्होंने कहा, ' 'फिलहाल, सब कुछ ठीक है. अब आप ऑगर मशीन नहीं देखेंगे. इसका काम काम समाप्त हुआ. ऑगर मशीन टूट गया, इसे ठीक नहीं किया जा सकता. अब यह काम नहीं करेगा. अब नई ऑगर मशीन भी नहीं मंगाई जाएगी, न ही मशीन से ड्रिलिंग होगी. मुझे विश्वास है कि सभी 41 मजदूर क्रिसमस तक अपने में होंगे. वे सुरक्षित और स्वस्थ हैं. हम जल्दबाजी नहीं कर सकते. अगर हम जल्दबाजी करेंगे तो समस्या खड़ी कर सकती है.

लंबवत बचाव मार्ग बनाने के किए जा रहे प्रयास

अधिकारी ने बताया कि ऐसे में 10 से 12 मीटर के शेष हिस्से की हाथ से ड्रिलिंग पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इसमें समय अधिक लगता है. एक लंबवत बचाव मार्ग बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं. शनिवार की सुबह एक बड़ी ड्रिलिंग मशीन को सुरंग के ऊपर पहाड़ी की ओर ले जाया गया, जहां लंबवत ड्रिलिंग के लिए विशेषज्ञों ने सबसे कम ऊंचाई वाले दो स्थानों की पहचान की है. सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सुरंग के ऊपर तक 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क पहले ही बना दी है, क्योंकि लंबवत ड्रिलिंग पर कुछ समय पहले से ही विचार किया जा रहा है.

लंबवत ड्रिलिंग एक जटिल विकल्प

अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने कुछ दिन पहले कहा था कि लंबवत ड्रिलिंग अधिक समय लेने वाला और जटिल विकल्प है, जिसके लिए सुरंग के ऊपरी हिस्से पर अपेक्षाकृत संकीर्ण जगह के कारण अधिक सटीकता और सावधानी बरतने की आवश्कयता होती है. बिहार के बांका निवासी देवेंद्र किस्कू का भाई वीरेंद्र किस्कू सुरंग में फंसे श्रमिकों में शामिल है. देवेंद्र ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी पिछले दो दिन से हमें भरोसा दिला रहे हैं कि श्रमिकों को जल्द ही बाहर निकाल लिया जाएगा, लेकिन कुछ ना कुछ ऐसा हो जाता है, जिससे प्रक्रिया में देर हो जाती है.

मोदी को लेकर 'पनौती' संबंधी टिप्पणी 'शर्मनाक' : अमित शाह

भाषा। हैदराबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पीएम नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'पनौती' संबंधी टिप्पणी को 'शर्मनाक' करार देते हुए शनिवार को कहा कि लोग आगामी विधानसभा चुनावों में इसका करारा जवाब देंगे.

शाह ने कहा कि देश के किसी भी राज्य में पीएम के बारे में जब भी अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया गया, लोगों ने उसका करारा जवाब दिया है. मुझे भरोसा है कि तेलंगाना के मतदाता इस तरह की शर्मनाक भाषा के इस्तेमाल का मतदान के जरिए उचित जवाब देंगे. उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान की गई 'पनौती' संबंधी टिप्पणी को लेकर संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह कहा. राहुल गांधी ने क्रिकेट विश्व कप में भारत की हार के बाद राजस्थान में अपने चुनावी भाषण के दौरान मोदी के लिए 'पनौती' शब्द का इस्तेमाल किया था. भारतीय टीम क्रिकेट विश्वकप में लगातार 10 मैच में जीत हासिल करने के बाद फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार गई थी. इस मैच को देखने पीएम भी गए थे. हाल में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गांधी की टिप्पणियों को बेहद घटिया करार दिया था.

हिंदू संगठनों के बीच बेहतर समन्वय समय की जरूरत : होसबाले

बेहतर समन्वय स्थापित करें हिंदू

भाषा। बैंकॉक

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के नेता दत्तात्रेय होसबाले ने हिंदू समुदाय की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए विभिन्न हिंदू संगठनों के बीच बेहतर समन्वय की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि संगठनों की भिन्नता के कारण ही कई देशों में हिंदू लोग अलग-थलग हो गए हैं. थाईलैंड की राजधानी में यहां शुक्रवार शाम विश्व हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) को संबोधित करते हुए आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा कि समाज के सामने मुंह बाए खड़ी चुनौतियों को हल करने के लिए विश्व स्तर पर हिंदू संगठनों का मजबूत होना समय की जरूरत है.

उन्होंने कहा कि भाषा, पंथ, जाति, उपजाति और गुरुओं के आधार पर विश्व के कई हिस्सों में कई संघ, संगठन और फोरम बन गए हैं तथा एक-दूसरे के कार्यों को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं. होसबाले ने कहा कि सगंठनों की इस भिन्नता के कारण हिंदू खो गया है. बड़े उद्देश्य को नहीं भूलना चाहिए. बहुत बार हिंदू समाज की भिन्नता के कारण कई स्थानों पर फूट पैदा हुई है. उन्होंने हिंदू समाज की आवाज को प्रभावी तरीके से उठाने के वास्ते मतभेदों और विरोधाभासों को दूर करने के लिए संगठनों के बीच बेहतर समन्वय का आह्वान किया. होसबाले ने कहा कि हिंदू संगठनों को आपस में जानकारी साझा करनी होगी, बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा, आपस में सहयोग करना होगा और नकल से बचना होगा.

खास बातें

- हिंदू संगठन आपस में जानकारी साझा करें
- कई देशों में हिंदू अलग-थलग हो गए हैं

गाड़ी में आग लगने से दो इंजीनियर की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के नोएडा में शनिवार सुबह एक खड़ी गाड़ी में आग लगने से उसमें सवार दो इंजीनियर की जलकर मौत हो गई. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह करीब छह बजकर 11 मिनट पर सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लैटिनम सोसाइटी के पास की है. उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सोसाइटी के विजय चौधरी (27) और सेक्टर-53 निवासी अनस (27) के रूप में हुई है. दोनों पेशे से इंजीनियर हैं. अपर पुलिस उपायुक्त शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखने से पता चला कि एक सफेद रंग की स्विफ्ट गाड़ी सुबह छह आठ मिनट पर सोसाइटी के बाहर आकर रुकी और तीन मिनट बाद अचानक उसमें आग लग गई.

सच्ची श्रद्धांजलि

बेंगलुरू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए कैप्टन एम वी प्रांजल को बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी. उनके पार्थिव शरीर को शुक्रवार रात विमान से बेंगलुरु लाया गया और बाद में यहां के निकट आनेकल तालुका में उनके माता-पिता के घर ले जाया गया. शोक संतप्त लोगों ने कैप्टन प्रांजल के पार्थिव शरीर के पास जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की.

सम्मेलन एलएडब्ल्यूएएसआईए सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा-

एआई का नैतिक इस्तेमाल हमारे सामने मौलिक प्रश्न हैं

- आजादी अपने जीवन की दिशा बदलने की क्षमता देती है

भाषा। बेंगलुरु

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि किसी व्यक्ति की पहचान और सरकार द्वारा इसे दी गई मान्यता उसे मिलने वाले संसाधनों और शिकायतें करने एवं अपने अधिकारों की मांग करने की उसकी क्षमताओं में अहम भूमिका निभाती है. साथ ही उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा के युग में हमारे सामने इन प्रौद्योगिकियों के नैतिक इस्तेमाल को लेकर मौलिक प्रश्न हैं.

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 36वें 'द लॉ एसोसिएशन फॉर एशिया एंड द पैसिफिक' (एलएडब्ल्यूएएसआईए) सम्मेलन के पूर्ण सत्र को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए 'पहचान, व्यक्ति और सरकार - स्वतंत्रता के नए रास्ते' विषय पर बात की. एलएडब्ल्यूएएसआईए वकीलों, न्यायाधीशों, न्यायविदों और कानूनी संगठनों का एक क्षेत्रीय संघ है, जो एशिया प्रशांत कानूनी प्रगति के हितों और चिंताओं की वकालत करता है.

पहचान व स्वतंत्रता को समझने का काम अभी अधूरा

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आजादी स्वयं के लिए निर्णय लेने और अपने जीवन की दिशा बदलने की क्षमता देती है. उन्होंने कहा कि जबकि सरकार और स्वतंत्रता के बीच संबंध को व्यापक रूप से समझा गया है, लेकिन पहचान और स्वतंत्रता के बीच संबंध स्थापित करने और समझाने का कार्य अभी अधूरा है. न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि स्वतंत्रता को परंपरागत रूप से किसी व्यक्ति के चयन करने के अधिकार में सरकार का हस्तक्षेप नहीं करने के तौर पर समझा जाता है, लेकिन समकालीन विद्वान इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सामाजिक पूर्वाग्रहों और पदानुक्रमों को बनाए रखने में सरकार की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि वास्तव में, चाहे सरकार हस्तक्षेप न करे, लेकिन वह सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत समुदायों को उन समुदायों पर प्रभुत्व स्थापित करने की स्वत: अनुमति दे देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं.

एआई से जुड़े कई पहलुओं का सामना : प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि जो लोग अपनी जाति, नस्ल, धर्म या लिंग के कारण हाशिए पर हैं, उन्हें पारंपरिक, उदारवादी व्यवस्था में हमेशा उत्पीड़न का सामना करना पड़ेगा और यह सामाजिक रूप से प्रभुत्वशाली लोगों को सशक्त बनाता है. उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे डिजिटल युग में हम कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े कई आकर्षक पहलुओं का सामना कर रहे हैं.

इजराइल को सैन्य सहायता देने का विचार उचित : बाइडन

भाषा। नानटुकेट (अमेरिका)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि उनका मानना है कि इजराइल को कुछ शर्तों के साथ सैन्य सहायता देने का विचार उचित है. बाइडन ने साथ ही उम्मीद जताई कि गाजा के साथ युद्ध विराम चार दिन से अधिक चलेगा.

राष्ट्रपति ने मैसाचुसेट्स के नानटुकेट में पत्रकारों से कहा कि वह कुछ बंधकों की रिहाई से उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि ऐसा आगे भी होगा. उन्होंने कहा कि हम और बंधकों की कल रिहाई की उम्मीद करते हैं, अगले दिन इससे अधिक तथा उसके भी अगले दिन और अधिक बंधकों की रिहाई की उम्मीद है. कतर के अनुसार रिहा किए गए बंधकों में इजराइल के 13, थाईलैंड के 10 और फिलीपीन का एक व्यक्ति शामिल है. बदले में इजराइल ने 39 फलस्तीनियों को जेल से रिहा किया. बाइडन ने कहा कि इजराइल को शर्त के साथ सैन्य सहायता देने का विचार उचित है लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने शुरुआत से ऐसा किया होता तो हम कभी वहां पहुंच पाते, जहां आज हम हैं. हालांकि ये शर्तें क्या होंगी, इसके बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी.

सत्ता का सेमीफाइनल

राजस्थान : विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न, महिलाओं में था खासा उत्साह

मतदान केंद्रों पर लगी लंबी कतार

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान में विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान शनिवार को संपन्न हो गये. हल्की सर्दी के बीच मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी कतार लगी रही और मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाई. राज्य में मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुए. मतदान केंद्रों पर पहुंचे युवाओं से लेकर महिलाओं और बुजुर्ग मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया. जयपुर के मालवीय नगर के नितिन पब्लिक स्कूल में बने मतदान केंद्र पर वोट डालने आए कॉलेज छात्र हिमांशु जायसवाल ने से कहा, सुबह छह बजे तैयार होकर मैंने दोस्तों को फोन किया और मतदान केंद्र पर पहुंचा ताकि हम सबसे पहले मतदान करें. अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी लोगों ने उत्साह दिखाया और बड़ी संख्या में मतदान के लिए निकले. एक अन्य मतदाता जय सिंह ने कहा , यह लोकतंत्र का पर्व है और हम सभी को इसमें भाग लेना चाहिए. जमवारामगढ़ में तो एक मतदाता सुबह सात बजे से पहले मतदान केंद्र पर पहुंच गया. उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में लोग विकास के लिए अपना वोट डालेंगे. मतदाता ने कहा , कतार में न खड़ा होना पड़े इसीलिए मैं सुबह जल्दी आ गया. जहां तक रुझान की बात है , मेरा मानना है कि इस ग्रामीण क्षेत्र में लोग विकास के लिए वोट करेंगे. जो विकास के लिए काम करेगा उसे वोट मिलेगा. मतदान को लेकर नेताओं में भी उत्साह देखा गया. पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने महात्मा गांधी रेजिडेंसी सी स्कीम बूथ पर मतदान किया. केंद्रीय किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने पचपदरा विधानसभा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालोतरा में वोट डाला. जयपुर के विद्याधर नगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार दीया कुमारी ने सुबह अपने मताधिकार का प्रयोग किया और कहा कि लोगों को बड़ी संख्या में मतदान करना चाहिए. राजसमंद सांसद ने संवाददाताओं से कहा, मताधिकार का प्रयोग करना महत्वपूर्ण है और सभी मतदाताओं को इसका का प्रयोग करना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि जनादेश भाजपा को ही मिलेगा. राज्य के आला अधिकारी भी सुबह-सुबह वोट डालने पहुंचे. मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने जयपुर के गांधी नगर के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे. गुप्ता ने राज्य के सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की.

कांग्रेस की सात 'गारंटी' राजस्थान में 'मास्टर स्ट्रोक' : वैभव

जोधपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस ने सात 'गारंटी' का राजस्थान के लोगों से जो वादा किया है, वह 'मास्टर स्ट्रोक' साबित होगा. उन्होंने साथ ही कहा कि ''लाल डायरी'' को लेकर उनके पिता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर लगे आरोप मनगढ़ंत हैं. वैभव गहलोत ने वोट डालने जाने से पहले जोधपुर में संवाददाताओं से कहा, सात गारंटी कांग्रेस के लिए 'मास्टर स्ट्रोक' साबित होंगी. उन्होंने 'लाल डायरी' को लेकर भाजपा के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ये बातें मनगढ़ंत हैं इसलिए इनका जवाब देने की जरूरत नहीं है. भाजपा नेताओं ने 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा है कि इसमें कथित तौर पर गहलोत के अवैध लेनदेन का ब्यौरा है.बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने इस साल जुलाई में आरोप लगाया था कि उनके पास वह 'लाल डायरी' है जो उन्होंने 2020 में कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के आवास से हासिल की थी. वैभव ने कांग्रेस के दोबारा सरकार बनाने का भरोसा जताते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को एहसास हो गया है कि उनकी पार्टी को हार का सामना करना पड़ रहा है.

तेलंगाना में कांग्रेस कहीं 'कर्नाटक रिपीट' न कर दे

शुभम संदेश नेटवर्क

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव अपने आखिरी पड़ाव में आ चुके हैं. एमपी, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में वोटिंग हो चुकी है. राजस्थान में भी शनिवार को वोट डाल दिया गया. अब बाकी है सिर्फ तेलंगाना की चुनावी जंग. 119 सीटों वाली तेलंगाना विधानसभा के लिए 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. 3 दिसंबर को सभी 5 राज्यों के एक साथ नतीजे आएंगे. आंध्र प्रदेश से कट कर अलग राज्य के तौर पर वजूद में आने के बाद से ही तेलंगाना पर भारत राष्ट्र समिति (पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति) का एकछत्र राज चला आ रहा है. बीआरएस चीफ और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की नजर अपने किले को अभेद्य बचाए रखने पर है. दूसरी तरफ कांग्रेस की नजर यहां कर्नाटक वाला करिश्मा दोहराने पर है. बीजेपी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में है. चुनाव में 'एम' फैक्टर की गूंज है. बीजेपी सत्ता में आने पर मुस्लिम आरक्षण खत्म करने का वादा कर रही है. दूसरी तरफ कांग्रेस और बीआरएस में मुस्लिम वोटों को लुभाने की होड़ मची है. कांग्रेस 'एम' फैक्टर के बदौलत ही तेलंगाना में कर्नाटक वाली स्क्रिप्ट लिखना चाहती है, तो दूसरी ओर केसीआर ने मुस्लिमों के लिए अलग से आईटी पार्ट बनाने के वादे का ब्रह्मास्त्र छोड़ दिया है.

महेश्वरम में चुनावी रैली में केसीआर ने मुस्लिम समुदाय के लिए अपनी सरकार के किए कामों का जम कर बखान किया. इस सीट से तेलंगाना के शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी उम्मीदवार हैं. केसीआर ने कहा कि अगर फिर से उनकी सरकार आती है, तो वह हैदराबाद के पास पाहड़ीशरीफ में मुस्लिमों के लिए अलग से आईटी पार्क बनाएंगे. बीआरएस चीफ ने दावा किया कि उनकी सरकार ने 10 साल के दौरान अल्पसंख्यकों के विकास के लिए 12000 करोड़ रुपए खर्च किए जबकि कांग्रेस ने अपने 10 साल के शासनकाल में सिर्फ 2000 करोड़ रुपये ही खर्च किए.

केसीआर के इस दांव के सियासी मायने: केसीआर मुस्लिमों को यूं ही लुभाने में नहीं जुटे हैं. तेलंगाना में मुस्लिम वोट करीब 13 प्रतिशत माना जाता है. तमाम सीटों पर मुस्लिम वोट जीत-हार में निर्णायक भूमिका निभाते हैं. 119 विस सीटों वाले तेलंगाना में कम से कम 45 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोट उम्मीदवारों की जीत-हार तय करते हैं. यही वजह है कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों ही उन्हें लुभाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहीं. राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, 2018 के पिछले विधानसभा चुनाव में ज्यादातर मुस्लिमों ने बीआरएस के पक्ष में वोट दिया था. लेकिन कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार तेलंगाना में भी कर्नाटक वाला 'खेला' होगा.

खास बातें

- मुस्लिमों के लिए अलग से आईटी पार्क बनाने का किया वादा
- तेलंगाना में करीब 13 प्रतिशत हैं मुस्लिम वोट
- सीएम पहले ही मुस्लिमों के लिए बनवा चुके हैं 206 स्कूल
- 119 विस सीटों में कम से कम 45 सीटें, जहां मुस्लिम वोटर हैं

राजस्थान में फिर सरकार बनाएंगे : अशोक गहलोत

एजेंसी। जोधपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है. उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी राज्य में फिर से सरकार बनाएगी. गहलोत ने जोधपुर में कहा कि कांग्रेस का चुनाव प्रचार अभियान विकास के मुद्दों पर केंद्रित है, जबकि प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा उसके अन्य नेताओं ने अपने प्रचार में 'भड़काऊ' भाषा का इस्तेमाल किया. भाजपा नेताओं के चुनावी भाषणों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, ''जनता समझ चुकी है. ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार फिर से सत्ता में आएगी. भाजपा द्वारा 'लाल डायरी' और अन्य मुद्दों पर केवल अशोक गहलोत को ही निशाना बनाए जाने के सवाल पर, उन्होंने कहा कि भाजपा नेता इस बात से परेशान हैं कि वे खरीद-फरोख्त के तमाम प्रयासों के बावजूद राज्य की चुनी हुई सरकार नहीं गिरा सके. एक बर्खास्त मंत्री ने दावा किया था कि 'लाल डायरी' में मुख्यमंत्री और कई नेताओं के अवैध वित्तीय लेनदेन दर्ज हैं. गहलोत ने कहा कि भाजपा नेताओं ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया वह अस्वीकार्य है.

7 सीटों पर रिजल्ट के लिए करना होगा इंतजार

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अब रिजल्ट का इंतजार हो रहा है. 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम आएंगे. राज्य की कई विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां दोपहर तक रिजल्ट आ सकता है, लेकिन कुछ विधानसभा सीटों के वोटर्स को रिजल्ट के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा. राज्य की करीब 7 ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां सबसे आखिरी में रिजल्ट घोषित किया जाएगा. बता दें कि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में विधानसभा के चुनाव हुए थे. पहले फेज में राज्य की 20 सीटों पर और दूसरे फेज में राज्य की 70 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हुई थी. प्रशासन ने काउंटिंग के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं. सभी जिलों में ईवीएम स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं. ईवीएम की सुरक्षा के लिए थ्री लेयर सिक्योरिटी व्यवस्था है. वहीं, कई विधानसभा सीटें ऐसी भी हैं जहां कांग्रेस के कार्यकर्ता ईवीएम की पहरेदारी में लगे हैं. कांग्रेस कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के बाहर टेंट लगा कर शिफ्ट में पहरेदारी कर रहे हैं.

किन विधानसभा सीटों का रिजल्ट देर से आएगा

कवर्धा, कसडोल, पंडारिया, सारंगगढ़, जशपुर, बिल्हा और मस्तूरी विधानसभा सीट का रिजल्ट सबसे देर से आएगा. यहां के लोगों को इस बात का लंबा इंतजार करना पड़ेगा कि उनके क्षेत्र का विधायक कौन बना. जानकारी के अनुसार, कवर्धा विधानसभा सीट में 29 राउंड में काउंटिंग होगी. कसडोल में भी 29 राउंड में वोटिंग होगी. वहीं, पंडरिया विधानसभा सीट में वोटों की गिनती 28 राउंड में पूरी होगी. जिन विधानसभा सीटों का रिजल्ट देरी से आएगा उसका कारण है वोटों की गिनती के राउंड. जिस विधानसभा सीट में कम राउंड में गिनती होगी वहां का रिजल्ट सबसे पहले आएगा. मनेन्द्रगढ़ विधानसभा सीट का रिजल्ट सबसे पहले घोषित किया जाएगा. यहां 11 राउंड में चुनावों की गिनती होगी. 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जिसके रिजल्ट 12 बजे तक जारी हो सकते हैं. वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी.

कॅरियर-काउंसिलिंग

वेब डिजाइनिंग की पढ़ाई कर युवा बना सकते हैं बेहतर कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

आज हर नए और बढ़ते व्यवसाय के लिए इंटरनेट पर एक मजबूत उपस्थिति आवश्यक हो गई है. किसी व्यवसाय को ऑनलाइन शुरू करने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका एक शानदार वेबसाइट डिजाइन करना है, जो उसके मूल विचारों और ब्रांड का प्रतिनिधित्व कर सके. शानदार और अद्भुत वेबसाइट बनाने की इस आवश्यकता के साथ, वेब डिजाइनिंग में कॅरियर की विभिन्न संभावनाएं तेजी से उभर रही हैं. यदि आपके पास प्रोग्रामिंग कौशल के साथ-साथ आश्चर्यजनक सौंदर्यशास्त्र तैयार करने की क्षमता है, तो आप एक वेब डिजाइनिंग की पढ़ाई कर सकते हैं और एक वेब डिजाइनर बनने के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल और ज्ञान जुटा सकते हैं. वेब डिजाइनिंग की पढ़ाई करने से पहले आपको यह जानना जरुरी है कि इस कोर्स का सिलेबस कैसा होता है.

वेब डिजाइनिंग कोर्स के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

- सीएसएस लेआउट सीखें
- कोड स्कूल
- शॉ अकादमी द्वारा वेब डिजाइनिंग पाठ्यक्रम
- एलिसन द्वारा वेब डेवलपमेंट में डिप्लोमा
- एक्वेंट जिम्नेजियम
- ईडीएक्स द्वारा वेब डिजाइन पाठ्यक्रम

वेब डिजाइनिंग कोर्स का विवरण

- वेब डिजाइनिंग की मूल बातें
- मल्टीमीडिया और उसके अनुप्रयोग
- वेब टेक्नोलॉजीज
- वेब डिजाइन और एप्लीकेशन का परिचय
- कंप्यूटर चित्रलेख
- कंप्यूटर विज्ञान के लिए गणितीय संरचना
- एचटीएमएल
- सीएसएस
- जावा स्क्रिप्ट
- बूटस्ट्रैप
- एडोब ड्रीमविवर
- एडोब फ्लैश
- ग्राफिक डिजाइनिंग के लिए उपलब्ध सॉफ्टवेयर
- एनीमेशन तकनीक

वेब डिजाइनिंग की मूल बातें

- वेबसाइट कैसे डिजाइन करें
- विभिन्न लेआउट के लिए अलग-अलग थीम बनाना
- किसी वेबसाइट का स्वरूप कैसे डिजाइन करें
- बैनर, विज्ञापन आदि कैसे बनाएं और डिजाइन करें.
- सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों का उपयोग करके वेब डिजाइन कवर के टूल और तकनीकों के बारे में सीखना

वेब टेक्नोलॉजी

- एक वेबसाइट कैसे काम करती है
- वेब मानक और डब्ल्यू 3सी तत्व
- डोमेन और होस्टिंग
- क्लाइंटऔर सर्वर स्क्रिप्टिंग भाषाएं
- उत्तरदायी वेब डिजाइनिंग

वेब डिजाइनिंग में कॅरियर

- वेब डेवलपर
- यूएक्स/यूआई डिजाइनर
- वेब डिजाइनर
- वेब एप्लीकेशन डेवलपर
- वेब प्रोग्रामर
- डिजाइन सलाहकार
- वेब डिजाइन कंस्ट्रक्टर
- गेम डेवलपर/डिजाइनर
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- मल्टीमीडिया विशेषज्ञ
- आईटी कंपनियां
- स्टार्टअप
- समाचार चैनल
- डिजाइन परामर्श और बुटीक
- विज्ञापन/विपणन एजेंसियां
- शैक्षिक वेबसाइ
- गेमिंग कंपनी

• एचटीएमएल

एचटीएमएल वेब डिजाइन का एक अभिन्न अंग है और इसे हाइपरमार्क टेक्स्ट भाषा के रूप में वर्णित किया गया है. यह एक वेबसाइट बनाने का एक प्रमुख तत्व है, इस विषय में, आप यह समझ पाएंगे कि एचटीएमएल वेब पेज डिजाइन की सामान्य संरचना के साथ-साथ टैग और एचटीएमएल फाइलों की अवधारणा को कैसे विस्तृत करता है. जिसके बाद हाइपरलिंकिंग और उन टूल्स के साथ वेब पेज डिजाइन करना सिखाया जाएगा जिनका उपयोग आप वेब पेज डिजाइन प्रक्रिया में कर सकते हैं. एचटीएमएल का नवीनतम संस्करण एचटीएमएल 5 है.

• सीएसएस

वेब पेज डिजाइनिंग के लिए आवश्यक टूल के बारे में बात करते हुए, कैस्केडिंग स्टाइल शीट (सीएसएस) कुछ ऐसा है जिसे आप इस पाठ्यक्रम की यात्रा के दौरान सीखेंगे. यह एक वेब पेज की समग्र प्रस्तुति को समझने के लिए उपयोग की जाने वाली भाषा है, जिसमें इसके लेआउट, फॉन्ट के साथ-साथ रंग और थीम शामिल हैं. सीएसएस के बारे में एक और अनोखा तथ्य यह है कि इसे एचटीएमएल की आवश्यकता नहीं होती है और यह स्वतंत्र रूप से कार्य करता है. यह पृथक्करण सीएसएस को एक वेबपेज को विभिन्न वातावरणों में अनुकूलित करने में सहायता करता है. नवीनतम सीएसएस 3 अद्भुत विशेषताओं से परिपूर्ण है, जिन्हें इस पाठ्यक्रम में आपके सामने पेश किया जाएगा और आपको इसके टिप्स और ट्रिक्स भी सीखने को मिलेंगे.

• जावास्क्रिप्ट

जावास्क्रिप्ट एक अन्य प्रोग्रामिंग भाषा है, जो वेब डिजाइनिंग पाठ्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा है. यह प्रोग्रामिंग और इंटरैक्टिव वेबसाइटों में एक तर्क-आधारित भाषा है जिसमें शानदार टैब, स्लाइडर, कॉल टू एक्शन और अन्य गतिशील विशेषताएं हैं जो जावास्क्रिप्ट के साथ बनाई गई हैं. किसी वेबसाइट को डिजाइन करने में लागू होने वाले ये सभी इंटरैक्टिव प्रभाव इसकी विशिष्टता में योगदान करते हैं और यही कारण है कि इस प्रोग्रामिंग भाषा में महारत हासिल करने से आप एक उत्कृष्ट वेब डिजाइनर बन सकते हैं.

• बूटस्ट्रैप

बूटस्ट्रैप ऊपर उल्लिखित सभी तीन महत्वपूर्ण विषयों, यानी एचटीएमएल, सीएसएस और जावास्क्रिप्ट से जुड़ा है. सरल शब्दों में, इसे कोड के उपयोगी बिट्स के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो एचटीएमएल, सीएसएस और जावास्क्रिप्ट की प्रोग्रामिंग भाषाओं में लिखे गए हैं. यह एक वेबसाइट को एक प्रतिक्रियाशील वेबसाइट में बदल देती है. साथ ही, यह एक ओपन-सोर्स और मुफ्त टूल है, जो यह सुनिश्चित करता है कि आप बहुत सारे सीएसएस कोड न लिखें जिससे लोड कम हो.

• एडोब ड्रिमवेयर

जब आप एचटीएमएल और सीएसएस जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं का अध्ययन कर रहे होंगे तो एडोब ड्रीमविवर आपको आपके वेब डिजाइन पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पढ़ाया जाएगा. एडोब ड्रीमविवर के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि कोई भी कोडिंग को जाने बिना वेबसाइट को डिजाइन और विकसित करने के लिए इसका उपयोग कर सकता है. यह प्रोग्राम उन व्यक्तियों के लिए जीवनरक्षक है जिन्हें एक ही समय में कई वेबसाइट डिजाइन बनाने की आवश्यकता होती है. यह समय बचाने वाला है, लेकिन इसका उपयोग करने के लिए आपको केवल एचटीएमएल और सीएसएस की बुनियादी समझ की आवश्यकता होगी. हालांकि एडोब ड्रीमवीवर कुछ स्थितियों में समय बचा सकता है, लेकिन यह प्रोग्रामिंग भाषाओं की नींव को समझने की आवश्यकता को प्रतिस्थापित नहीं करता है. एडोब ड्रीमविवर का उपयोग करते समय, प्रोग्रामिंग भाषाओं की बुनियादी समझ आवश्यक है.

• एडोब फ्लैश

फ्लैश, कोर वेक्टर एनीमेशन टूल जैसे एनिमेशन को वेबपेज पर दिखाने की अनुमति देता है. एडोब फ्लैश को समझने का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह देखना है कि यह कैसे एक वेबसाइट को एक इंटरैक्टिव वेबसाइट में बदलता है. एडोब फ्लैश सीखना महत्वाकांक्षी वेब डिजाइनरों को ज्वलंत और जीवंत एनिमेशन के बारे में सिखाता है, जो एक वेबपेज पर दिखाए जा सकते हैं. एनीमेशन का यह रूप एक वेब पेज में जीवन और आकर्षण जोड़ता है, जिससे यह एक प्रतिभाशाली वेब डिजाइनर के लिए एक मूल्यवान उपकरण बन जाता है.

• ग्राफिक डिजाइनिंग के लिए सॉफ्टवेयर

प्रोग्रामिंग की तरह, ग्राफिक डिजाइनिंग वेब डिजाइन पाठ्यक्रम का एक मुख्य हिस्सा है. एक बार जब आप प्रोग्रामिंग भाषा में महारत हासिल कर लेते हैं, तो आपको किसी वेबसाइट के लिए बेहतरीन ग्राफिक्स बनाने के लिए ग्राफिक डिजाइनिंग को समझने की जरूरत होती है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)